भाद्र मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 338 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज शुक्रवार 24 दिसम्बर 2021

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान प्रयागराज

क्रिया योगः साँच (सच Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस लाख वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

1. प्राचीन उच्च मानव सभ्यता मे वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विख्यात 'क्रियायोग' है।
2. क्रियायोग अभ्यास वेदपाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
3. क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
4. क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ना है।
5. क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

क्रियायोग से सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित।

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

कानपुर के इत्र कारोबारी के 10 ठिकानों पर आयकर के छापे, 160 करोड़ मिले

कानपुर। आयकर विभाग की मुम्बई विंग ने गुरुवार को इत्र कारोबारी पीयूष जैन के छह ठिकानों पर छापे मारे। सूत्रों के मुताबिक छापों में करीब 160 करोड़ की अघोषित रकम का खुलासा हुआ है जबकि 90 करोड़ रुपये नगद मिले हैं। कानपुर में इनकी गणना के लिए नोट गिनने वाली चार मशीनें मंगाई गईं। देर रात तक टीमें छानबीन कर रही हैं। पीयूष जैन के कन्नौज स्थित चार परिसरों, कानपुर में आनंदपुरी स्थित आवास और फैक्ट्री, आफिस, पेट्रोल पंप व कोल्ड स्टोरेज पर आयकर विभाग की टीमों ने एक साथ छापे मारे।

आयकर अधिकारियों ने उनके मुंबई और गुजरात स्थित शोरूमों और आफिस में भी कार्रवाई की है। सुबह करीब 10:30 बजे आयकर की मुंबई और गुजरात विंग ने कानपुर स्थित आयकर प्रधान निदेशालय जांच के अफसरों को साथ लेकर छापामारी शुरू की। आयकर विभाग के सूत्रों के मुताबिक छापों में बड़ी मात्रा में फर्जी कंपनियों द्वारा कालाधन सफेद करने का मामला पकड़ा गया है। कम से कम 40 बोगस कंपनियां पकड़ी जा चुकी हैं, जिनके जरिए रकम को नंबर एक में किया गया। फर्जी कंपनियों के शेयरों के बेस प्राइस को कई गुना बढ़ाकर यह खेल किया गया है।

पूर्वांचल में बनेगा दो हजार दुग्ध समितियों का नेटवर्क, 50 हजार से ज्यादा किसानों को होगा फायदा : पीएम मोदी

वाराणसी। पीएम मोदी ने गुरुवार को वाराणसी मुख्यालय से 27 किमी दूर पिंडरा विधानसभा क्षेत्र के करखियांव में अमूल डेयरी प्लांट के शिलान्यास समेत लगभग 21 सौ करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इसके बाद किसानों की सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हम विरासत को बचाते हुए विकास कर रहे हैं जबकि विपक्षियों को यह पसंद नहीं आ रहा है। उन्हें पूर्वांचल का विकास, बाबा विश्वनाथ धाम का भी काम पच नहीं रहा है। उन्होंने चुटकी ली कि केंद्र और प्रदेश सरकार के साथ जनता का ज्यों-ज्यों समर्थन बढ़ता जाएगा, विपक्षियों का गुस्सा सातवें आसमान पर दिखाई देगा।

बनास काशी संकुल के रूप में अमूल डेयरी प्लांट को बनारस और आसपास के जिलों के लिए उपयोगी बताते हुए पीएम ने कहा कि आज पशुपालकों व किसानों के बीच नई साझेदारी शुरू हुई है। यह सरकार व सहकार का भी प्रतीक है। यह इस क्षेत्र में श्वेत क्रांति की शुरूआत करेगा। पीएम ने बनास डेयरी से जुड़े प्रदेश के 1 लाख 70 हजार 176 पशुपालको के खातों में 35 करोड़ रुपये के रूप में लाभांश बोनस का डिजिटल अंतरण भी किया। बोले, केंद सरकार के लिए डेयरी सेक्टर का विकास प्राथमिकता है। इससे छोटे किसानों की अतिरिक्त आय होगी। महिलाओं के स्वावलंबन व आत्मनिर्भरता में मदद मिलेगी। डेयरी उत्पादों की विश्व बाजार में पैठ बढ़ेगी। साथ ही पशुधन जैविक, प्राकृतिक खेती का आधार भी बनेगा। लोकार्पित बायोगैस आधारित ऊर्जा संयंत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि किसानों, पशुपालकों को दूध के साथ गोबर से भी आय होगी। प्रधानमंत्री ने प्राकृतिक खेती पर विशेष जोर देते हुए कहा कि धरती के कायाकल्प और मिट्टी की सेहत के साथ ही भावी पीढ़ी के लिए हमें फिर से प्राकृतिक खेती की ओर मुड़ना ही होगा। आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष एवं किसान दिवस के रूप में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती को याद करते हुए पीएम ने देश के किसानों से प्राकृतिक खेती से जुड़ने का आह्वान किया। बोले, यह खेती का सबसे सुरक्षित व सस्ता तरीका है। यह आत्मनिर्भर बनाने में मददगार साबित होगा। युवाओं का भी आह्वान किया कि इस क्षेत्र में नई संभावनाएं हैं। उन्हें इसका लाभ उठाना चाहिए। कारखियाव में अमूल प्लांट की स्थापना से पूर्वांचल में सहकारिता के क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन आएगा।

25 दिसंबर को कुछ बड़ा करने जा रही है भाजपा, जानें 403 विधानसभा क्षेत्रों में बीजेपी का प्लान

लखनऊ। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी की जयंती पर 25 दिसंबर को भाजपा प्रदेश के सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में अटल युवा संकल्प यात्रा निकालेगी। आजादी के अमृत महोत्सव की थीम पर निकाली जाने वाली यात्रा की जिम्मेदारी पार्टी ने युवा मोर्चा को दी है। इसके तहत सभी विधानसभा क्षेत्रों में युवा बाइक रैली निकालेंगे। इस बारे में जानकारी देते हुए युवा मोर्चा की प्रदेश सह प्रभारी अर्चना मिश्रा ने बताया कि युवा संकल्प यात्रा सभी 1918 सांगठनिक मंडलों से होकर गुजरेगी। सभी विधानसभा क्षेत्रों में यात्रा घूमेगी।

यूपी में 300 से अधिक जगह कमल खिलेगा : केशवप्रसाद मौर्य

बड़ौत,बागपत। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि वर्ष 2019 में विपक्षियों का इससे भी बड़ा गठबंधन हुआ था, लेकिन वह भाजपा के विजय रथ को नहीं रोक सका था। इस बार भी प्रदेश में 300 से अधिक जगह कमल खिलेगा। जनता समझ चुकी है कि भाजपा से अधिक विकास किसी भी पार्टी की सरकार में नहीं हुआ है। भाजपा की जन विश्वास संदेश यात्रा गुरुवार को बड़ौत पहुंची, जहां पर चौधरी चरण सिंह की जयंती के कार्यक्रम में जनसभा में परिवर्तित हो गई। स्थानीय जनता वैदिक कॉलेज में आयोजित जनसभा में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने संबोधन से पहले चौधरी चरण सिंह को नमन किया। उन्होंने कहा कि विरोधियों को यह संदेश चला जाए कि बागपत भाजपा का था, भाजपा का है और भाजपा का ही रहेगा।

लुधियाना कोर्ट में ब्लास्ट से सीजेआई हैरान, हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को दिया यह निर्देश

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमण ने पंजाब के लुधियाना में गुरुवार को जिला अदालत परिसर में विस्फोट की घटना पर हैरानी जताते हुए गहरा दुख व्यक्त किया है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से घटनाक्रम के बारे में पूछताछ करने को भी कहा है। घटना को लेकर पुलिस ने बताया कि अदालत परिसर की तीसरी मंजिल पर विस्फोट उस समय हुआ, जब जिला अदालत की कार्यवाही चल रही थी। घटना को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने विस्तृत रिपोर्ट मांगी जिसमें एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई और तीन लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक पत्र में पंजाब सरकार से घटना का ब्योरा देते हुए रिपोर्ट जल्द से जल्द भेजने को कहा। अधिकारियों के मुताबिक मंत्रालय ने राज्य सरकार से प्रारंभिक जांच के निष्कर्षों के बारे में सूचित करने और यह भी बताने को कहा कि विस्फोट में संभवतः कौन शामिल हो सकता है। अदालत परिसर के दूसरे तल पर हुए विस्फोट में परिसर की एक दीवार क्षतिग्रस्त हो गई और वहां पार्किंग में खड़े कुछ वाहनों के कांच टूट गए। इससे पहले पुलिस ने विस्फोट में दो लोगों की मौत होने का दावा किया था लेकिन बाद में बताया गया कि एक व्यक्ति की मौत हुई है। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि विस्फोट की निंदा करते हुए कहा कि वह स्थिति का जायजा लेने लुधियाना जाएंगे।

वाहन चालकों को खतरे से अलर्ट करेगा इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम, नितिन गडकरी ने की शुरूआत

नई दिल्ली। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर ट्रैफिक को कम करने और यात्रियों को बेहतर सुरक्षा मुहैया कराने के लिए एक इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम का उद्घाटन किया। यह एक ऐसा सिस्टम है जो वाहन चालकों को खतरे के बारे में अलर्ट कराएगा और इससे दुर्घटना को रोका जा सकता है। इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम की शुरूआत करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भारत को अपनी सड़क इंजीनियरिंग में सुधार करने की जरूरत है क्योंकि हर साल देशभर में 5 लाख दुर्घटनाएं होती है जिसमें लगभग 1.5 लाख लोग मारे जाते हैं। उन्होंने इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम के उद्घाटन को इंडियन इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताई।

केंद्रीय मंत्री ने आईटीएस को लेकर कहा कि यह एक अत्याधुनिक तकनीक है जो ट्रैफिक की समस्याओं को कम करने, यातायात के बारे में वाहन चालक को पूर्व में सूचना देने के साथ-साथ यह ट्रैवेल में लगने वाले समय को कम करेगा। आईटीएस के जरिए यात्रियों को सड़क पर चलते वक्त बेहतर सुरक्षा के साथ-साथ सफर आरामदायक रहेगा। दरअसल, आईटीएस के ऐसी तकनीक है जिससे सड़क पर होनी वाली दुर्घटनाओं का पता लगाया जा सकता है। इसके साथ-साथ यह एंबुलेंस के लिए कंट्रोल रूम को अलर्ट भेजता है ताकि दुर्घटना में घायल लोगों को समय पर अस्पताल पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि 135 किमी के इस एक्सप्रेसवे पर कारों की अधिकत गति सीमा 120 किलोमीटर प्रति घंटा है।

24 घंटे में दूसरी बार 'प्रलय' मिसाइल का परीक्षण

नई दिल्ली। भारत ने गुरुवार को लगातार दूसरे दिन ओडिशा के डॉ एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से जमीन से जमीन पर मार करने वाली स्वदेशी बैलिस्टिक मिसाइल 'प्रलय' का सफल परीक्षण किया है। परीक्षण को लेकर रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (ऊ्रऊ्ड) ने बताया कि पहली बार लगातार दो दिन, बैलिस्टिक मिसाइल का सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया गया। टेस्टिंग के दौरान मिसाइल ने मिशन के सभी उद्देश्यों को पूरा किया। पेलोड के आधार पर 'प्रलय' रेंज 150 से 500 किलोमीटर है, और इसे मोबाइल लॉन्चर से लॉन्च किया जा सकता है। इसके अलावा यह कई और नई तकनीक से लैस है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि गुरुवार को मिसाइल का परीक्षण भारी पेलोड और अलग-अलग रेंज के लिए किया गया ताकि इसकी सटीकता और ताकत को परखा जा सके।

मायावती ने बंद कमरे में बसपा नेताओं के साथ बनाई यूपी चुनाव जीतने की रणनीति

लखनऊ। मायावती ने प्रदेश के 18 मंडलों के मुख्य सेक्टर प्रभारियों और 75 जिलों के जिलाध्यक्षों के साथ बंद कमरे में चुनावी रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने इस दौरान जिले व बूथवार संगठन गतिविधियों की समीक्षा की। प्रदेश में 21 अक्तूबर से चल रहे पोलिंग बूथों तक संगठन विस्तार की जानकारी ली। रिपोर्ट में किसी तरह की कमी मिलने पर उसे दूर करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने गुरुवार को भाजपा व सपा के साथ कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा घबराई हुई है अगर वह 300 सीटें जीत रही होती तो थोक में मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को न बुलाया जाता। शिलान्यास और लोकर्पण का बहाना न खोजा जाता। भाजपा व सपा विधानसभा चुनाव को हिंदू-मुसलमान बनाना चाहती है। बसपा सुप्रीमो ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भाजपा को अगर चुनाव हारने का डर न होता तो केंद्रीय नेताओं व मंत्रियों को थोक में प्रचार के लिए न बुलाया जाता। चुनाव घोषित होने से पहले प्रदेश की जनता व छात्राओं को लालच न देने पड़ते। यही स्थिति सपा और काफी कुछ अन्य विरोधी पार्टियों की भी देखने को मिल रही है। जनता इनके प्रलोभन में आने वाली नहीं है। इस बार बसपा ही सत्ता में आने वाली है।

उन्होंने कहा कि विरोधी पार्टियां साम, दाम, दंड, भेद करके अपने पक्ष में हवा बनाने में लगी है। बैठक में पार्टी के लोगों को इससे भी सचेत किया जाएगा। बसपा के लोग शहर-शहर व गांव-गांव जाकर लोगों को इससे सावधान करने का काम करेंगे। यूपी की जनता ने आजादी के बाद या शुरू में काफी लंबे समय तक कांग्रेस, सपा, भाजपा व बसपा का शासनकाल देखा है। प्रदेश की जनता पूरी ईमानदारी से बताएं की सभी पार्टियों में किसकी सरकार बेहतर रही। उन्होंने कहा कि प्रदेश जनता ही नहीं विरोधी पार्टायों के लोग भी दबी जुबान में यही कहेंगे की बसपा का शासनकाल बेहतरीन रहा है। उन्होंने प्रदेश की जनता से अपील की है कि वे अपने हित और कल्याण को ध्यान में रखकर इस चुनाव में किसी भी भावना, प्रलोभन व बहकावे में न आकर बेहतरीन शासनकाल को याद करते हुए वोट करें।

महाराष्ट्र में 23 नए केस मिलने के बाद उद्धव ने रात में ही बुलाई बैठक, एमपी में नाइट कर्फ्यू का ऐलान

मुंबई (एजेंसी)। देश में कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन की रफ्तार तेज हो गई है। महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और केरल जैसे राज्यों में ओमिक्रॉन के नए केस आने के बाद कुल संक्रमितों की संख्या 300 के पार चली गई है। महाराष्ट्र में गुरुवार को ओमिक्रॉन के 23 नए संक्रमित मिलने के बाद राज्य में नए वेरिएंट से पीड़ितों की संख्या 88 पहुंच गई है। इसके बाद मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने रात 10 बजे कोविड टास्क फोर्स की बैठक बुलाई है।

वहीं, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अगले आदेश तक रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक नाइट कर्फ्यू का ऐलान कर दिया है। महाराष्ट्र में आज मिले नए केसों में 13 मरीज पुणे में मिले हैं तो 5 मुबई, 2 उसमानाबाद, ठाणे, नागपुर और मीरा-भायंदर में

देश में ओमिक्रॉन की बढ़ी रफ्तार

एक-एक केस की पुष्टि हुई है। इसके बाद मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने आज रात 10 बजे अहम बैठक बुलाई है। मुख्यमंत्री सचिवालय की ओर से बताया गयाय है कि टोस्क फोर्स के साथ यह बैठक रात 10 बजे होगी। माना जा रहा है कि कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए महाराष्ट्र सरकार पांबिदियों को बढ़ाने का भी फैसला ले सकती है। कर्नाटक में आज 12 नए मामले सामने आए जिसके बाद इस स्वरूप से संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 31 हो गई। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ के. सुधाकर ने कहा कि संक्रमितों में 7 महिलाएं हैं जिनमें 9 और 11 साल की दो लड़कियां शामिल हैं। सुधाकर ने कहा, ह्लकर्नाटक में आज ओमीक्रोन से संक्रमण के 12 नए मामलों की पुष्टि हुई है जिसके बाद कुल मामले बढ़कर 31 हो गए।ह्व उन्होंने कहा कि 10 मरीज बेंगलुरु के हैं जबकि मैसूरु और मंगलुरु में एक-एक मरीज मिला। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, मरीजों को पृथक-वास में रखा गया है और उनका उपचार चल रहा है। उन्होंने कहा कि संक्रमितों के स्वास्थ्य पर नजर रखी जा रही है।

राजस्थान के अजमेर में एक युवक ओमिक्रॉन से संक्रमित पाया गया है। वहीं राज्य में कोविड-19 के 39 नये मामले सामने आए हैं। राज्य में इस समय कोविड-19 के 245 उपाचाराधीन मामले हैं।

लुधियाना विस्फोटः पीड़ितों से मिले सिद्धू, बोले- बंगाल की तरह पंजाब में भी चुनाव से ठीक पहले गड़बड़ी

लुधियाना। पुलिस आयुक्त कार्यालय के पास स्थित लुधियाना के एक जिला अदालत परिसर में हुए विस्फोट को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने राजनीतिक एजेंडा बताया है। उन्होंने कहा कि लोगों में डर फैलाया जा रहा है। लुधियाना डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ब्लास्ट पीड़ितों से मिलने के बाद पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा, श्यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राजनीतिक एजेंडे के नाम पर डर फैलाया जा रहा है। यही नकारात्मक राजनीति की पराकाष्ठा है। वोटों के ध्रुवीकरण के लिए निर्दोष लोग मारे जाते हैं। गौरतलब है कि पुलिस आयुक्त कार्यालय के पास स्थित लुधियाना के एक जिला अदालत परिसर में हुए विस्फोट में कम एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि पांच घायल हो गए।

योगी के मंत्री सूर्य प्रताप शाही को टक्कर देंगे पूर्व मंत्री ब्रह्मा शंकर तिवारी, ऐलान से राजनीतिक सरगर्मी बढ़ी

देविरया। समाजवादी पार्टी (सपा) के दग्गिज नेता एवं पूर्व मंत्री ब्रह्मा शंकर तिवारी के आगामी विधानसभा चुनाव में पथरदेवा विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ने के ऐलान से रोचक मुकाबले का अनुमान लगाया जा रहा है। सूबे के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही पथरदेवा के विधायक हैं। उन्होंने 2017 के चुनाव में सपा-कांग्रेस गठबंधन के प्रत्याशी व पूर्व मंत्री शाकिर अली को 42997 मतों से पराजित किया था। हालांकि इससे पहले शाही ने 2002 से 2017 के बीच इस सीट पर हार की हैट्रिक बनायी थी।

शाही की पहचान भाजपा के कद्दावर नेता के रूप में होती है। 1989 में राम जन्मभूमि आंदोलन में सक्रिय निभाने वाले शाही ने पहली बार 1985 में कांग्रेस का वर्चस्व तोड़ कर इस सीट पर कब्जा किया था जबकि 1997 से 2002 तक वह प्रदेश में आबकारी मंत्री की हैसियत से रहे। उम्मीद जतायी जा रही है कि आगामी विधानसभा चुनाव में वह एक बार फिर पथरदेवा से भाजपा उम्मीदवार बने। क्षेत्र में लोकप्रिय शाही के बारे में लोगो का कहना है कि उन्होने अपने विधानसभा क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछाने का काम किया है।इसके साथ ही स्कूलों का कायाकल्प और क्षेत्र वासियों के लिये स्वास्थ्य की बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने का काम किया है। ब्रह्मा शंकर तिवारी और शाही दोनों दग्गिज नेता हैं। ब्रह्मा शंकर के समर्थकों का मानना है कि पथरदेवा विधानसभा में जो विकास होना चाहिए था,वह नहीं हो सका है।

खबर संक्षेप

भाजपा जन विश्वास यात्रा 25 दिसंबर को

सहसों। भारतीय जनता पार्टी द्वारा पूरे देश में चलाए जा रहे जन विश्वास यात्रा आगामी 25 दिसंबर को प्रयागराज के गंगा पार में प्रवेश करेगी। गंगा पार के जन विश्वास रैली मे फूलपुर की सांसद फूलपुर केसरी देवी पटेल, विधायक फूलपुर प्रवीण पटेल, जिला अध्यक्ष गंगा पार अश्विनी द्विवेदी,जिला पंचायत अध्यक्ष कुंवर बी.के.सिंह, जिला यात्रा प्रमुख जीतलाल त्रिपाठी आदि की उपस्थिति में वेद पाठी ब्राह्मणों के मंत्रोच्चार व शंख ध्वनि के साथ प्राप्त की जाएगी। पुनःयात्रा जिले में बैण्डबाजों के साथ महिला मोर्चा के द्वारा पुष्प वर्षा करते हुए स्वागत किया जाएगा। जन विश्वास यात्रा झूंसी से अन्दावा चौराहे, हबूसा मोड़, हनुमानगंज, सैदाबाद, हण्डिया, बलीपुर, महुआकोठी,फूलपुर बसअड्डा, बाबूगंज बाजार, सहसों चौराहे से गारापुर , चालीस नम्बर गोमती, फाफामऊ बाजार, मलाका तिराहा, औहथिगहां बाजार, कौड़िहार बाजार होते हुए नवाबगंज हाइवे के पास जनपद कौशाम्बी को सौंप दी जाएगी। यह जानकारी भाजपा जिला उपाध्यक्ष गंगापार अनिरुद्ध सिंह पटेल एवं जिला मिडिया प्रभारी बृजेश कुमार त्रिपाठी ने दी।

सड़क दुर्घटना में दो की मौत परिजनो में मचा कोहराम

अखंड भारत संदेश

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र के तेंदुआवन गांव के समीप बीती रात एक बाइक को ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे दो लोगों की मौत हो गई। जबकि एक किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में दाखिल कराया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। वहीं मृतकों के घर कोहराम मचा रहा। जानकारी के मुताबिक औद्योगिक क्षेत्र स्थित लावयन कला गांव निवासी दिनेश तिवारी पुत्र जिलेदार तिवारी, महोबा के ओटिया गांव निवासी रोहित सिंह पुत्र सीधा सिंह व घूरपुर थाना क्षेत्र के घोघापुर निवासी आदित्य पुत्र रणजीत बीती देर रात लगभग 10:30 बजे एक बाइक पर सवार होकर घूरपुर से नैनी की ओर जा रहे थे। बताया जाता है कि जैसे ही औद्योगिक क्षेत्र के तेंदुआवन गांव के समीप पहुंचे एक अज्ञात ट्रक ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे तीनों बाइक सवार समेत सड़क पर जा गिरे, जब तक लोग तीनों को अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचा पाते, तब तक दिनेश तिवारी और रोहित की दुर्घटना स्थल पर ही मौत हो गई। वहीं आदित्य को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में दाखिल कराया गया है। जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। जैसे ही यह खबर परिजनों को मिली कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए।

निमार्णाधीन मकान से चोरों ने समरसेबल किया पार

मेजा रोड। मेजा थाना क्षेत्र के मेजारोड बाजार में हौसला बुलंद चोरों ने निमार्णाधीन मकान में लगे एक हार्स पावर के समरसेबल को पार कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेश शुक्ला निवासी सोरांव राष्ट्रीय राजमार्ग 76 के मेजा रोड बाजार के डीजीएस गेस्ट हाउस के समीप अपने मकान का निर्माण करवा रहे। जहां बीती रात्रि अज्ञात चोरों ने मकान में लगे एक हार्स पावर के समरसेबल को पार कर दिया। सुबह जब भुक्तभोगी मकान में दाखिल हुए तो मौके से मोटर गायब रही। उन्होंने बताया की छत पर लगे स्टाटर को भी चोर उठा ले गए। मोटर चोरी होने से मकान निर्माण मे दिक्कत हो रही है।

230 किसानों ने एक केंद्र पर बेचा 12 हजार कुंतल धान

अखंड भारत संदेश

- शंकरगढ़ में की गई सात क्रय केंद्रों की स्थापना
- 28 फरवरी तक क्रय केंद्रों पर खरीदे जाएंगे धान

शंकरगढ़। जनपद में वैसे तो धान क्रय केंद्रों हालत बहुत अच्छी नहीं है, पर विकास खंड शंकरगढ़ में स्थित विपणन क्रय केंद्र नारीबारी पर अब तक लगभग 12 हजार कुंतल धान की खरीद की जा चुकी है। यह खरीद सिर्फ 230 किसानों से की गई है। शंकरगढ़ में कुल सात धान क्रय केंद्रों की स्थापना की गई है। विपणन क्रय केंद्र नारीबारी के प्रभारी सत्येंद्र सिंह सरोज ने बताया कि उनके क्रय केंद्र पर धान की अनवरत खरीद की जा रही है। धान खरीद के दौरान शासन की गाइडलाइन का पूर्णतया पालन करते हुए कोविड प्रोटोकाल का भी पालन करवाया जा रहा है। बताया कि जब से धान की खरीद शुरू हुई है,तब से अब तक लगभग 12 हजार कुंतल धान की खरीद कर ली गई है। बताया कि यह धान क्षेत्र के 230 किसानों से खरीदा गया है। धान खरीद की यह प्रक्रिया 28 फरवरी तक अनवरत चलेगी। बता दें कि विकास खंड शंकरगढ़ में कुल सात क्रय केंद्रों की (अलग-अलग एजेंसियों की) स्थापना की गई है। इसमें ज्यादातर की हालत बहुत खराब है। किसानों की मानें तो कुछ केंद्र अक्सर बंद रहते हैं, वहां खरीद नहीं हो रही है इसे लेकर शिकायत भी की जा चुकी है।

न्यूज झरोखा

बद्रीनाथ तिवारी इंटर कॉलेज के छात्र छात्राओं ने मतदाता रैली निकाल लोगों को किया जागरूक

मेजा रोड। मेजारोड बाजार स्थित बद्रीनाथ तिवारी इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने गुरुवार को मतदाता जागरूकता रैली निकाली।इस मौके पर रैली ने पूरे बाजार का भ्रमण किया। प्रधानाचार्य दीपक पाण्डेय ने बताया कि कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निदेर्शानुसार छात्र-छात्राओं के द्वारा रैली निकालकर मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है।जिसमें रैली के माध्यम से बाजार में मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक किया जा रहा है। रैली में छात्र छात्राओं ने हाथों में स्लोगन लिखे मतदान संबंधी नारे लगाए ।जिसमें यह संदेश दिया जा रहा है कि कोई भी व्यक्ति मतदान से वंचित नहीं रहना चाहिए।सभी को मतदान करना अनिवार्य है।उन्होंने बताया कि त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर उत्तर प्रदेश शासन के द्वारा मतदाताओं को जागरूक करने के लिए यह कार्यक्रम करने के लिए निर्देश दिए गए हैं। जिसके चलते विद्यालय के छात्र-छात्राओं के द्वारा रैली निकाली गई।

धरवारा में छात्रों नें चलाया मतदाता अभियान

करछना। धरवारा में मतदाता जागरूकता अभियान चलाकर किया गया लोगो को जागरूक ,लाल बहादुर शास्त्री इंटर कॉलेज धरवारा के छात्रों के द्वारा मतदाता जागरूकता रैली निकालकर आसपास के लोगो को जागरूक किया गया।और बताया गया कि युवा शक्ति के तीन है काम ,शिक्षा सेवा और मतदान ,का नारा देकर पैदल मार्च किए। विद्यालय के प्रधानाचार्य के अलावा सभी शिक्षकों ने कार्यक्रम में भाग लिया।पैदल मार्च में सैकड़ों की संख्या में उपस्थित छात्रों ने पूरे जोश के साथ शिरकत की।

क्षेत्र को आदर्श विधानसभा के रुप में स्थापित करूंगा : इंजीनियर घनश्याम

प्रतापपुर। प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सभा मैलवन बाजार में अपने समर्थकों संग बसपा प्रत्याशी इंजीनियर घनश्याम पांडेय ने जनसंपर्क किया और लोगों को भरोसा दिलाया कि मै क्षेत्र का विकास बिना किसी भेदभाव के करूँगा क्योंकि जनप्रतिनिधि सबका होता है चुनाव जीतने के बाद प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र एक आदर्श विधानसभा के रुप में स्थापित करूँगा यह मेरा आप लोगो से वादा है आप लोगो के लिए 24 घंटे उपलब्ध हूँ।विभिन्न स्थानों पर जनसंपर्क के दौरान पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रतापपुर पुनीत पांडेय, सरोज दुबे, नागेंद्र प्रताप सिंह, सैयद शेख, विजयशंकर तिवारी, डिंपी पांडेय, विधानसभा अध्यक्ष अखिलेश गौतम, पिंटू मिश्रा प्रधान, निहाल पांडेय, आशीष पांडेय, विशाल मिश्रा, विकास यादव, इंदिल पांडेय, विपिन दुबे, श्रीराम पाल, दारा पाल, अरविंद सरोज, राकेश गौतम, संदीप सरोज, रमाकांत गौतम, जटाशंकर मिश्र, रामबाबू मिश्र, अशोक कुमार सरोज, शिव कुमार बिंद, प्यारेलाल, आशीष तिवारी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

कांग्रेस कार्यकताओं ने बैठक कर सम्मेलन को सफल बनाने के लिए बनाई रणनीति

करछना। में कांग्रेस कार्यालय पर जिला युवक कांग्रेस कार्यकताओं की आवश्यक बैठक जिला युवक कांग्रेस अध्यक्ष सूरज शुक्ल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष जी ने बताया कि 25 दिसम्बर को होने वाले जिला युवक कांग्रेस सम्मेलन में समय 12 बजे सनम गेस्ट हाउस कोरांव में पहुँच कर कार्य कम को सफल बनावै कार्य कम के मुख्य अतिथि जिला कांग्रेस कमेटी के मुख्य महा सचिव डा दिनेश कुमार सोनी ने कहा कि युवक ही देश की रिढ है युवक देश की आन बान शाम है कांग्रेस की मजबूती के लिए सबको बूथ स्तर पर सक्रिय होने की आवश्यकता है पग्रिंका गांधी के लगन परिश्रम संघर्ष को बधाई देते हुए अपने कांग्रेसी साथियों से आग्रह करता हूँ कि सब लोग सक्रिय होकर साम्प्रदायिक ताकतों से लड़ते हुए भष्ट भाजपा को हटा कर देश को न ई दिशा देते हुए विकास कार्य को उंचाईयों पर ले जाने का कार्य करे बैठक में डी पी तिवारी पविन मिश्रा अमित दिक्षित शिवम तिवारी राजू खान दिलिप तिवारी आरिफ बाबू कार्य कम का संचालन जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष राम अनुग्रह मिश्रा आदि बैठक में उपस्थित रहे ।

भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रतापपुर की बैठक में जन विश्वास यात्रा को लेकर मंथन

प्रतापपुर। भाजयुमो प्रतापपुर मंडल की आगामी जन-विश्वास यात्रा को लेकर मंडल के मीडिया प्रमुख युवा मोर्चा कान्हा सिंह बघेल के आवास पर बैठक आयोजित की गयी।जिसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा उदयवीर प्रजापति ने व संचालन मंडल महामंत्री युवा मोर्चा विभव सिंह ने किया। जिसमें जन विश्वास यात्रा को लेकर पदाधिकारियों व कार्यकताओं की भूमिका व उपस्थिति पर विस्तृत चर्चा हुई।बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष गुड्डू मिश्र, मंडल मीडिया प्रभारी भाजपा आचार्य मयंक मिश्र, मंडल उपाध्यक्ष युवा मोर्चा महावीर मिश्रा, अवनीश पांडेय मोनू, आदित्य सोनी, पिंटू सोहगौरा, पिछड़ा मोर्चा मंडल अध्यक्ष अच्छेलाल पटेल, मंडल मंत्री युवा मोर्चा विवेक कुमार मिश्र, संदीप प्रजापति, शक्ति केन्द्र संयोजक युवा मोर्चा सोनू सोनी, अखिलेश पटेल सहित समस्त पदाधिकारी मौजूद रहे रहे।

हत्या के आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

हत्या अभियुक्त पुलिस टीम के साथ गिरफ्त में

अखंड भारत संदेश

करछना। थाना क्षेत्र के हथसरा ग्राम पंचायत के मजरा ताला में गत दिनों एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी हमलावर फरार हो गए थे जिस पर करछना पुलिस अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था । गुरुवार को करछना पुलिस को मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया है। करछना थाना प्रभारी टीकाराम वर्मा एसआई धीरेंद्र कुमार मैं हमराही साथियों के साथ गश्त पर थे कि मुखबिर की सूचना पर हत्या के आरोपियों को गुरुवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया उनके पास से हत्या में शामिल तमंचा बरामद किया गया पुलिस ने गिरफ्तार किए गए आरोपियों ने दिनेश कुमार निषाद पुत्र विजय शंकर सोनू कुमार निषाद पुत्र शिव कैलाश निवासी हथसरा ताला के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत जेल भेज दिया है।

पावर ट्रैक ट्रैक्टर की नई सीरीज लांच

अखंड भारत संदेश

किसानों को दी गई जानकारी, बताए लाभ

एस्कॉर्ट पावर ट्रैक कंपनी द्वारा ट्रैक्टर की नई सीरीज पावर हाउस लांचिंग के उपलक्ष में कार्यक्रम में शामिल

मेजा रोड। गुरुवार को मेजारोड बाजार के डीजीएस गेस्ट हाउस मे अधिकृत डीलर सरस्वती आटोमोबाइल्स एस्कॉर्ट पावर ट्रैक ट्रैक्टर करछना, मेजा, कोरांव की तरफ एस्कॉर्ट पावर ट्रैक कंपनी द्वारा ट्रैक्टर की नई सीरीज पावर हाउस लॉचिंग के उपलक्ष में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित किसानों को नई सीरीज एवं नये फीचर्स और कंपनी द्वारा दिए जा रहे आकर्षक आफर की जानकारी दी गई। पावर ट्रैक के बिजनेस एरिया मैनेजर अंकुश कुमार ने बताया कि पावर हाउस ट्रैक्टर सीरीज पॉवरट्रैक की नवीनतम सीरीज है, जो ट्रैक्टरों की एक पीली क्रांति पेश करती है। इन ट्रैक्टरों को उन्नत और आधुनिक प्रौद्योगिकियों के साथ निर्मित किया गया है जो सभी खेती और वाणिज्यिक अनुप्रयोगों को आसानी से संचालित करते हैं। इन ट्रैक्टरों के पास शक्तिशाली इंजन, एडवांस फीचर्स, बैठने के लिए आरामदायक सीटें, शांत और बड़ी जगह हैं। ये फीचर्स उन्हें खेती के सभी कार्यों जैसे कि बुवाई, रोपण व अन्य कार्य करने के लिए मजबूत बनाती हैं। पॉवरट्रैक ट्रैक्टर अपने उच्च प्रदर्शन और शानदार डिजाइन के लिए बहुत प्रसिद्ध हैं। इसके अतिरिक्त, वे हर तरह की खेती में सुचारू कामकाज करते हैं। मेजारोड के पावर ट्रैक ट्रैक्टर एजेंसी के मालिक राकेश तिवारी और राजीव तिवारी ने सफल सीरीज के लांचिंग पर मौजूद किसानों को बधाई देते हुए किसानों को जानकारी देते हुए कहा कि पॉवरट्रैक ट्रैक्टर सबसे पुराना ट्रैक्टर निर्माण ब्रांड है जो अपने उच्च गुणवत्ता वाले प्रदर्शन के लिए जाना जाता है। ब्रांड किफायती कीमत पर विभिन्न प्रकार के उत्तम दर्जे का मॉडल पेश करता है जो शक्तिशाली हैं। सबसे लोकप्रिय पॉवरट्रैक ट्रैक्टर मॉडल पॉवरट्रैक यूरो 50, पॉवरट्रैक 445 प्लस, पॉवरट्रैक यूरो 439 आदि हैं। इसके अलावा, पॉवरट्रैक मिनी ट्रैक्टर मॉडल भी प्रदान करता है जैसे कि पॉवरट्रैक 425 एन, पॉवरट्रैक 425 डीएस, आदि। कार्यक्रम मे तिवारी बंधु सुजीत तिवारी व मंजीत तिवारी ने एक से बढ़कर एक सुंदर गीत गाकर समा बांध दिया। इस मौके पर व्यापार मंडल अध्यक्ष पप्पू उपाध्याय, बसपा नेता बाबा तिवारी, महामंत्री ओ पी पाण्डेय, संजीव शुक्ला, विनायक शुक्ला, रितेश तिवारी, रिंकू मिश्रा सहित क्षेत्र के सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

7 ज्योर्तिलिंग के दर्शन करायेगी विशेष ट्रेन, जंघई के रास्ते से गुजरेगी

4 जनवरी से 16 जनवरी तक की जा रही संचालित

अखंड भारत संदेश

जंघई। आईआरसीटीसी द्वारा स्टैच्यू आफ यूनिटी, परली वैजनाथ, 7 ज्योतिर्लिंग दर्शन यात्रा ट्रेन दिनांक 4 जनवरी से 16 जनवरी तक संचालित की जा रही है जोकि 12 रात्रि एवं 13 दिन का पैकेज है। इसका पैकेज मूल्य मात्र 12285/-रूपया है। इसके अर्न्तगत महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, भीमाशंकर, त्रयम्बकेश्वर, घृष्णेश्वर, सोमनाथ एवं नागेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन कराये जायेगें। इसके अतिरिक्त द्वारिका में द्वारिकाधीश मन्दिर, भेट द्वारिका, परली वैजनाथ एवं बडोदरा में स्टैचु आफ यूनिटी के भी दर्शन कराये जायेगें।इस ट्रेन में बैठने की सुविधा गोरखपुर, देवरिया सदर, बेल्थरा रोड, मऊ, वाराणसी, भदोही, जंघई, प्रयागराज संगम, प्रतापगढ, गौरीगंज, रायबरेली, लखनऊ, कानपुर, एवं झांसी से उपलब्ध है। इस पैकेज में यात्रा के दौरान नाश्ता, दोपहर एवं रात्रि का शाकाहारी भोजन, स्थानीय यात्रा बसों द्वारा तथा धर्मशालाओं में ठहरने की व्यवस्था इत्यादि सम्मिलित हैं। भारत दर्शन यात्रा के दौरान हाइजिन के हाई स्टैंडर्ड रखे जाते हैं एवं कोविड सेफ्टी प्रोटेकॉल के विभिन्न उपायों का अनुपालन करते हुऐ यात्रा सम्पन्न करायी जाती है। वर्तमान में भी दक्षिण भारत की यात्रा के दौरान कोविड सम्बन्धित सभी अनुदेशों का पालन करते हुए सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया जारहा है।मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक आईआरसीटीसी उ. क्षे.अजित कुमार सिन्हा ने बताया की इस ट्रेन में अब कुछ ही सीटें बची हुयी हैं।अतः इच्छुक व्यक्ति पर्यटन भवन, गोमती नगर, लखनऊ स्थित आईआरसीटीसी कार्यालय में सम्पर्क कर एवं आईआरसीटीसी की बेवसाइट से ऑनलाइन बुकिंग करा सकते है।

लॉ कालेज सिरहिर में रोजगार विषयक वेबिनार का हुआ आयोजन

लेडियारी। प्रयाग सिटीजन ला कालेज सिरहिर के प्लेसमेंट एवं इंटर्नशिप सेल की तरफ से बुधवार को विधि के क्षेत्र में रोजगार विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसका विषय विधि के क्षेत्र में रोजगार का अवसर प्राप्त करना रहा। सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता शशांकराज सिंह विधि के छात्रों को विधि की उपाधि प्राप्त करने के बाद कैरियर संवारने की बेहतर जानकारी प्रदान की। शिक्षार्थियों को नूतन जानकारी देने के लिए भी अभिप्रेरित किया। विधि के क्षेत्र में विभिन्न आयामों पर भी उन्होंने प्रकाश डाला। इस दौरान वेबनार में उपस्थित सभी छात्र बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया एवं विभिन्न प्रश्नों के सवाल जवाब किए। तृतीय सेमेस्टर की छात्रा जयश्री श्रीवास्तव एवं पंचम सेमेस्टर के छात्र बालकृष्ण यादव के द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ला कालेज के प्राचार्य डा.सुमन राय, उप प्राचार्य डा.वीपी सिंह, बलराम चैरिटेबल ट्रस्ट की अध्यक्ष मंशा सिंह, निदेशक रविन्द्र सिंह, एच आर मैनेजर शालिनी श्रीवास्तव, फाइनेंस आफिसर सुभाष चन्द्र करमाकर, प्रो.सुनील यादव, मुकेश पाण्डेय, जगदीश तिवारी, फराज अहमद आदि लोग मौजूद रहे।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में शामिल अन्य अधिकारी

नेहरू युवा केंद्र प्रयागराज के जिला स्तरीय युवा संसद कार्यक्रम के आयोजन हेतु की गई बैठक

प्रयागराज। नेहरू युवा केंद्र प्रयागराज युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में जिला स्तरीय युवा संसद कार्यक्रम के आयोजन हेतु मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों के साथ विकास भवन सभागार में बैठक संपन्न हुई इस बैठक में अखिलेश कुमार यादव, डिप्टी कलेक्टर (प्रशिक्षु) भी उपस्थित रहे। बैठक में नेहरू युवा केंद्र की जिला युवा अधिकारी, जागृति पांडेय ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए सभी विभागों से अपेक्षित सहयोग पर चर्चा की। मुख्य विकास अधिकारी , शिपू गिरी ने इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम को सुनियोजित ढंग से आयोजित करने हेतु विभिन्न विभागों को अपने अपने विभाग द्वारा चलाई जा रही भारत अथवा राज्य सरकार की योजनाओं के आई ई सी मैटेरियल उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में सभी विकासखंडों से सक्रिय प्रतिभागियों को प्रतिभाग करने हेतु नेहरू युवा केंद्र प्रयागराज के राष्ट्रीय युवा स्वयं सेवकों को लक्ष्य निर्धारित किए । शिपू गिरी ने स्वयं सेवकों को कार्य हेतु उत्साहित किया तथा कार्य न करने वाले स्वयं सेवकों को फटकार लगाई। बैठक में जिला पंचायती राज अधिकारी आलोक सिन्हा, भारत स्काउट गाइड से कमलेश दुबे, सिविल डिफेंस से राकेश , पुलिस विभाग से डिप्टी एस पी, ए के शुक्ला, चिकित्सा विभाग से डिप्टी सीएमओ शामिल रहे।

पूर्व पीएम चरण सिंह को श्रद्धांजलि देकर किया नमन

अखंड भारत संदेश

पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह को नमन करते लोग।

सहसों। किसानों के मसीहा पूर्व प्रधानमंत्री को लोगों ने श्रद्धांजलि देकर नमन किया। इस अवसर पर विकासखंड सहसों परिसर में गुरुवार को भाजपा नेता राकेश बहादुर सिंह की अध्यक्षता में किसानों के मसीहा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती मनाई गई।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने चौधरी चरण सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया। भाजपा नेता ने कहा किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह की जयंती राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य उनके द्वारा किसानों के लिए किए गए कार्य तथा समर्पण का जिक्र किया जा सके । उन्होंने जमीदारी प्रथा को समाप्त कर किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। इस मौके पर खंड विकास अधिकारी सुधाकर दुबे, एडीओ पंचायत नरेंद्र कुमार दुबे, भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष वीरेन्द्र बहादुर सिंह, सोनू सिन्हा, विजय बहादुर, हेमंत सिंह, प्रमुख प्रतिनिधि शिव नारायण सिंह गप्पू , एडीओ एमआई गिरजा शंकर यादव, दिलीप मौर्य, बेचन सिंह, रवि शुक्ल आदि रहे।

इसी क्रम में बगई खुर्द चौराहे पर नरेंद्र कुशवाहा की अध्यक्षता मे पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर नरेंद्र कुशवाहा ने कहा किसानों के मसीहा जीवन पर्यंत किसानों के लिए समर्पित रहे।आज हम सब उन्हें शत-शत नमन करते हैं तथा उनके द्वारा बताए गए रास्ते पर चलने का संकल्प लेते हैं। इस अवसर पर संतलाल यादव, नंदलाल, रमाशंकर, श्रीकृष्ण, उमेश गौड़, रामचन्द्र विश्वकर्मा, कल्लू भारतीय, उमेश कुशवाहा, अनिल चौधरी, अतुल सोनी, आदि रहे।

सपाइयों ने किसान दिवस के रूप में मनाया चौधरी चरण सिंह की जयंती

- किसान मसीहा के रूप में जाने जाते है पूर्व पीएम : राजेश पांडे

लेडियारी। जहां एक तरफ पूरे देश में पूर्व प्रधानमंत्री स्व चौधरी चरण सिंह की जयंती मनाई जा रही है वही दूसरी ओर समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर पूरे प्रदेश में सपाइयों द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती किसान दिवस के रूप में मनाया गया। इसी क्रम में विधानसभा कोरांव अंतर्गत नगर पंचायत कोरांव स्थित रोशनी गेस्ट हाउस में मेहताब खान नगर पंचायत अध्यक्ष समाजवादी पार्टी के नेतृत्व में सपा कार्यकर्ता एवम पदाधिकारियों ने पूर्व पीएम के जयंती को किसान दिवस के रूप में मनाया और उनके जीवन संघर्ष पर प्रकाश डाला गया। इस मौके पर चर्चित किसान नेता राजेश पांडे जिला सचिव समाजवादी पार्टी ने कहा की साधारण किसान परिवार में जन्मे पूर्व प्रधानमंत्री ने अपने कार्यकाल में किसानों के लिए कई लाभकारी योजनाओं को संचालित करने का कार्य किया जिसके कारण देश का किसान सदैव उनको किसान मसीहा के रूप में याद करता है। उक्त मौके पर सोमदत्त सिंह पटेल जिला पंचायत सदस्य एवम जिला योजना समिति सदस्य प्रयागराज ने कहा की स्व.चौधरी चरण सिंह जी अपने जीवन काल में विभिन्न संवैधानिक पदों पर रहते हुए अपना पूरा जीवन किसानों और मजदूरों की सेवा करते हुए राष्ट्र के नाम समर्पित कर दिया और तमाम ऐसे जनकल्याणकारी योजनाओं को संचालित किया जिसके कारण किसानों की दशा और दिशा बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सपा नेता मेहताब खान ने उपस्थित सभी लोगो का आभार व्यक्त करते हुए कहा की पूर्व प्रधानमंत्री के पदचिन्हों पर चलना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि है। इस मौके पर मुख्य रूप से शहादत अली राजेश यादव नौशाद अंसारी रतीश पटेल अर्जुन सिंह पटेल रविंद्र जैसल प्रधान इमरान अली मंगला कोल हारून अंसारी इसराइल अली नियाज अली बंशराज यादव यादवेंद्र अहीर आदि लोग उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

जंक्शन पर हाईटेंशन लाइन पर हुआ धमका, पक्षियों के उड़ने के बाद आई तेज आवाज

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन पर गुरुवार को हाईटेंशन लाइन पर तेज धमाका हो गया, जिससे फुटओवर ब्रिज की कई टाइल्स उखड़ गईं। धमका पक्षियों के टकराने से होने की भी संभावना जताई जा रही है। मामले की जांच की जा रही है। प्रयागराज जंक्शन के फुट ओवर ब्रिज संख्या एक के नीचे ओवरहेड इलेक्ट्रिक वायर पर पंछियों का झुंड बैठा था। वहां ट्रेन का हॉर्न सुनकर एकबारगी सभी पंछी एक साथ उड़े। झुंड में ज्यादा संख्या होने की वजह से कुछ पक्षी ओ एचई के ऊपर और नीचे वाले वायर से टकरा गए। इसी दौरान वहां धमाका हुआ, जिससे फुटओवर ब्रिज की टाइल्स उखड़ गईं। धमाका फुटओवरब्रिज के नीचे होने के कारण उसकी टाइल्स उखड़ गईं। फिर भी मौके पर जांच की जा रही है।

शहीद नंदलाल का शव राजस्थान से पहुंचा प्रयागराज

राजकीय सम्मान के साथ दी गई शहीदों को अंतिम विदाई

अखंड भारत संदेश

सैदाबाद। राजस्थान में सेना की फायरिंग रेंज में हुए धमाके में हंडिया तहसील के ब्लाक सैदाबाद के गांव पहाड़पुर निवासी फौजी नंद लाल यादव शहीद हो गए। उनकी शहादत की खबर घर पहुंची तो स्वजन बिलख पड़े और गांव के लोग भी गमगीन हो गए। शहीद का शव विमान से बुधवार देर रात प्रयागराज लाया गया। गुरुवार की सुबह सेना की टीम शव लेकर गांव पहुंची। गांव में ही राजकीय सम्मान से शहीद को अंतिम विदाई दी गई। गंगा घाट पर पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार के वक्त ग्रामीणों की आंखों में आंसू थे।पहाड़पुर गांव के किसान राजदेव यादव के छह बेटों में पांचवें नंबर के 37 वर्षीय नंदलाल यादव सेना की 12 आर्म्ड रेजीमेंट यूनिट अंबाला पंजाब में सूबेदार के पद पर तैनात थे। इन दिनों यूनिट की एक बटालियन राजस्थान में फायरिंग ट्रेनिंग के लिए गई थी। उस आपरेशन के दौरान जिस टैंक से जवान जा रहे थे, उसमें अचानक धमाका हो गया। इस दुखद घटना में उस टैंक में सवार सभी जवान शहीद हो गए। इस अनहोनी की जानकारी गांव तक पहुंची तो लोग दुखी हो गए। नंदू के परिवार में कोहराम मच गया। नंदलाल की शहादत पर बड़े भाई शिवशंकर यादव ने रुंधे गले से कहा कि उन्हें अपने भाई पर गर्व है, लेकिन आंसुओं का क्या करुं वह छलक ही जाते हैं। शहीद की पत्नी पूजा का घटना के बाद से ही रो-रोकर बुरा हाल है। शहीद सूबेदार की 13 वर्षीय बेटी लवी और 11 वर्षीय बेटा लकी है। नंदलाल का छोटा भाई भी सेना में तैनात है। गुरुवार की सुबह गांव में शहीद को राजकीय सम्मान से अंतिम विदाई दी गई।

शहीद को अंतिम विदाई देते अधिकारी व ग्रामवासी

शहीद के पार्थिव शरीर को देख बेहोश हो गई पत्नी

शहीद का शव पहुंचते ही ग्रामीणों ने लगाए नारे

जिला प्रशासन की ओर एडीएम सिटी मदन कुमार, हंडिया एसडीएम और पूर्व यूपी एमपी सब एरिया के अफसर व जवान सुबह गांव पहुंच गए हैं। कुछ देर पहले जवान का शव लेकर सैनिक गांव पहुंचे तो वहां जुटे लोग नंदलाल यादव जिंदाबाद, नंदलाल अमर रहे के नारे लगाने लगे। एसएसपी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी और डीएम भी वहां पहुंचे और शहीद को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद शहीद के पार्थिव शरीर का गंगा घाट पर अंतिम संस्कार किया गया।

रंगमंच के सहारे कबीर रैदास की विचारधारा को जनमानस में पुनः पहुंचाने की कोशिश

प्रयागराज। कबीर रैदास के विचार उनकी वाणी दोहे के रूप में स्कूल से कालेज स्तर पर हिन्दी साहित्य मे यदा कदा थोड़ी बहुत जानकारी परिमार्जित रूप में मिल जाती है लेकिन सन्त कबीर रैदास का पाखंडवाद और कर्मकाण्ड के खिलाफ चुभते गीत पाखण्डवाद पर चोट पहुँचाती है। भारत का 90% जनमानस कबीर रैदास की वाणी से अभी भी कोसो दूर है क्योकि पाखंडवाद और कर्मकाण्ड के विरुद्ध उनके गीत के बोल याद करके सुबह-सुबह पूजा आरती की तरह घर मे गाया जाय और फिर परिणाम सोचिए? आखिर उनकी सच्ची वाणी को क्यों और किसने छिपाया। उक्त बातें ग्लास फैक्ट्री पंतरवा स्थित डा. भीमराव अम्बेडकर बुद्ध विहार में प्रबुद्ध फाउंडेसन और देवपती मेमोरियल ट्रस्ट के तत्वावधान में एक तीस दिवसीय शीतकालीन नाट्य कार्यशाला के संयोजक/ प्रशिक्षक उच्च न्यायालय के अधिवक्ता रंगकर्मी रामबृज गौतम ने कही। गौतम ने आगे बताया कि बहुजन थियेटर अन्य थियेटर से बिल्कुल अलग है। एक ओर जहां बहुजन थियेटर बहुजन साहित्य कला संस्कृति व रंगमंच के द्वारा व्यवस्था परिवर्तन हेतु बराबरी के लिये आन्दोलन की बात करता है। समता कार्यशाला के बच्चों में राजू राव, लोकनाथ, साहिल सिंह, हर्ष दीप, इशांत, श्रेष्ठ, हुसैन, अभय, अभिषेक, अजीत, आँचल, रिया, प्रज्ञा रश्मि गौतम, सुषमा, पायल, करीना, शालू आदि रहे।

हाईकोर्ट की चुनाव आयोग से अपील, रैली प्रचार रोकें, चुनाव टालने पर करें विचार

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव से पहले नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के बढ़ते प्रभाव को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चिंता जताई है। न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव ने प्रधानमंत्री और चुनाव आयुक्त से अनुरोध किया है कि विधानसभा चुनाव में कोरोना की तीसरी लहर से जनता को बचाने के लिए राजनीतिक पार्टियों की चुनावी रैलियों पर रोक लगाई जाए। उनसे कहा जाए कि चुनाव प्रचार दूरदर्शन और समाचार पत्रों के माध्यम से करें। पार्टियों की चुनावी सभाएं एवं रैलियों को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएं। प्रधानमंत्री चुनाव टालने पर भी विचार करें, क्योंकि जान है तो जहान है। न्यायमूर्ति शेखर कुमार जेल में बंद आरोपी संजय यादव की जमानत पर सुनवाई कर रहे थे। संजय के खिलाफ इलाहाबाद के थाना कैंट में मुकदमा दर्ज है। उसे बृहस्पतिवार को जमानत मिल गई। हाईकोर्ट ने कहा कि संभव हो सके तो फरवरी में होने वाले चुनाव को एक-दो माह के लिए टाल दें, क्योंकि जीवन रहेगा तो चुनावी रैलियां, सभाएं आगे भी होती रहेंगी।

जीवन का अधिकार हमें भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 में भी दिया गया है। हाईकोर्ट ने कहा कि दैनिक समाचार पत्र के अनुसार 24 घंटे में 6 हजार नए मामले मिले हैं। 318 लोगों की मौतें हुई हैं। यह समस्या हर दिन बढ़ती जा रही है। इस महामारी को देखते हुए चीन, नीदरलैंड, आयरलैंड, जर्मनी, स्कॉटलैंड जैसे देशों ने पूर्ण या आंशिक लॉकडाउन लगा दिया है। ऐसी दशा में महानिबंधक, उच्च न्यायालय इलाहाबाद से कहा है कि वह इस विकट स्थिति से निपटने के लिए नियम बनाएं।

नरेंद्र गिरि के मौत मामले में 4 जनवरी को अभियुक्तों के ऊपर तय किए जाएंगे आरोप पत्र

प्रयागराज। जिला न्यायालय ने बाघंबरी मठ के महंत नरेंद्र गिरि को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में जेल में बंद आनंद गिरि, आद्या प्रसाद व उसकेबेटे संदीप तिवारी पर आरोप तय करने केलिए चार जनवरी की तिथि नियत की है। यह आदेश जिला जज नलिन कुमार श्रीवास्तव ने मामले की सुनवाई करते हुए दिया है। सीबीआई केद्वारा प्रस्तुत आरोप पत्र पर मजिस्ट्रेट के संज्ञान लेने केबाद परीक्षण के लिए पत्रावली सेशन न्यायालय को सुपुर्द कर दी गई थी। आनंद गिरि के अधिवक्ता सुनील पांडेय ने बताया कि बुधवार को जिला जज की कोर्ट में पत्रावली सुनवाई के लिए पेश हुई। जिस पर उन्होंने चार जनवरी की तिथि आरोपियों पर आरोप तय करने के लिए नियत की है।

मंडलायुक्त की अध्यक्षता में हुई धान क्रय व्यवस्था की समीक्षा

अनियमितताओं की पुष्टि होने पर संबंधित अधिकारीयों के खिलाफ एफआईआर कराने के भी निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मंडलायुक्त संजय गोयल की अध्यक्षता में गुरुवार को कार्यालय स्थित त्रिवेणी सभागार में खरीफ विपणन वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धान क्रय व्यवस्था की अद्यतन स्थिति की समीक्षा बैठक संपन्न हुई जिसमें मंडल के 312 क्रय केंद्रों पर हो रहे धान क्रय संबंधित समस्याओं की बिंदुवार समीक्षा करते हुए मंडलायुक्त ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में मंडलायुक्त ने जनपद वार धान क्रय लक्ष्य एवं खरीद की समीक्षा करते हुए लक्ष्य के सापेक्ष अभी तक सिर्फ 37 प्रतिशत क्रय किए जाने पर, पंजीकृत किसानों के सापेक्ष सत्यापित किसानों की संख्या कम पाए जाने पर तथा किसानों को टोकन देने के बावजूद भी कई केंद्रों पर धान तौल हेतु उन्हें प्रतीक्षा कराए जाने पर खासी नाराजगी व्यक्त की तथा संबंधित अधिकारियों को इन कमियों को शीघ्र दूर करने के निर्देश दिए।मंडल के कुछ क्रय केंद्रों पर तौल एवं पेमेंट संबंधित अनियमितताओं की शिकायतें पाए जाने पर उन्होंने अपर आयुक्त प्रथम एवं संभागीय खाद्य नियंत्रक प्रयागराज को एक टीम गठित कर शिकायतों के निस्तारण हेतु फील्ड इंक्वायरी कर उनके समक्ष आख्या प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए हैं। मंडलायुक्त ने निर्देशित किया कि यदि इंक्वायरी के दौरान किसी भी क्रय केंद्र में तौल एवं पेमेंट संबंधित अनियमितताओं की पुष्टि होती है तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ तुरंत एफ आई आर कराई जाए। मंडलायुक्त ने धान का क्रय टोकन के आधार पर ही कराने एवं किसी भी दशा में बिचौलियों को घुसने से रोकना सुनिश्चित करने को भी कहा है। धान क्रय हेतु केंद्रों पर बोरों की उपलब्धता में कमी पाए जाने पर मंडलायुक्त ने संबंधित अधिकारियों पर खासी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी हाल में किसानों से बोरे नहीं लिए जाएंगे। उन्होंने यह स्पष्ट किया की लक्ष्य हेतु बोरों की आवश्यकता का आंकलन कर उनकी उपलब्धता सुनिश्चित कराना केंद्र प्रभारियों की जिम्मेवारी है अतः वे अपनी आवश्यकता का आंकलन कर बोरों की उपलब्धता तत्काल सुनिश्चित कराएं।विगत बैठक में नए क्रय केंद्रों की जानकारी सभी जनपदीय एवं मंडलीय वेबसाइटों पर अपलोड कराने के दिए गए निर्देश के क्रम में उन्होंने जिन भी वेब साइट्स में अभी तक संबंधित नोडल अधिकारी के नाम और फोन नंबर के साथ सूची अपलोड नहीं हो पाई है उसे शीघ्र अपलोड कराने को कहा है। बैठक में अपर आयुक्त पुष्पराज सिंह, संभागीय खाद्य नियंत्रक, उपनिदेशक मंडी समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

समीक्षा बैठक करते मंडलायुक्त व अन्य अधिकारी

अतीक की जमीन पर पूजन करेंगे मुख्यमंत्री गरीबों के लिए बनाए जाएंगे 75 आवास

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। अतीक अहमद के पैतृक निवास और चुनावी दफ्तर समेत दर्जनों अवैध निर्माण को जमींदोज किया गया था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माफिया से जब्त की गई जमीन पर गरीबों और दलितों के लिए घर बनाने का वादा किया था। इसकी शुरूआत प्रयागराज से सरकार करने जा रही है। बाहुबली पूर्व सांसद अतीक अहमद की अवैध दुकानों को ध्वस्त कर उनके कब्जे से मुक्त कराई गई जमीन पर 26 दिसम्बर को सीएम योगी आदित्यनाथ भूमि पूजन करने जा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने बताया कि इस दौरान शहर के लूकरगंज में मुख्यमंत्री जनसभा भी करेंगे। सरकार ने पूरे प्रदेश से अब तक 1500 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति माफियाओं से जब्त की है। कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री 26 दिसंबर को प्रयागराज आएंगे। इस दौरान अतीक अहमद एंड कंपनी ने नजूल की जो लूकरगंज में जमीन ली थी, वहां पर सीएम भूमि पूजन करेंगे। 75 आवास बनेंगे, जो गरीबों को दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिसने भूमाफिया का काम किया, उसकी छाती पर चढ़कर वहां गरीबों के आवास का शिलान्यास होगा।

इमामबाड़े की जमीन पर किया था अवैध कब्जा

माफिया अतीक अहमद के जरिए लगभग पांच सौ वर्ग मीटर वक्फ की जमीन पर अवैध तरीके से कब्जा करके 60 से अधिक दुकानों का निर्माण कराया था। इन दुकानों को माफिया अतीक के लोगों ने अपने लोगों के जरिए बेचा था। मार्च 2021 में प्रयागराज विकास प्राधिकरण की ओर से इस मार्केट को ध्वस्त कर दिया गया था।इमामबाड़े की जमीन पर बने इस अवैध मार्केट का विकास प्राधिकरण से नक्शा पास नहीं कराया गया था। विकास प्राधिकरण से दुकानों के निर्माण के लिए किसी तरीके की अनुमति भी नहीं ली गई थी। इसके अलावा अतीक अहमद के पैतृक निवास और चुनावी दफ्तर सहित दर्जनों अवैध निर्माण को जमींदोज किया गया था।

अहमदाबाद जेल में बंद है अतीक

बाहुबली अतीक अहमद गुजरात के अहमदाबाद जेल भेज में बंद है। अतीक अहमद पर लखनऊ के प्रॉपर्टी कारोबारी को अगवा कर देवरिया जेल में पीटने का आरोप है। इस मामले के बाद उसे बरेली और फिर प्रयागराज के नैनी सेंट्रल जेल शिफ्ट किया गया था। सरकार के मुताबिक, अतीक अहमद के खिलाफ 1979 से 2019 तक कुल 109 केस लंबित हैं।इनमें 17 केस धारा 302 के, 12 केस गैंगस्टर एक्ट के, आठ केस आर्म्स एक्ट और चार केस गुंडा एक्ट के हैं। सरकारी रिकॉर्ड के मुताबिक, अतीक अहमद के खिलाफ आठ केस 2015 से 2019 में दर्ज किए गए, जिनमें अभी जांच चल रही है। इन केसों में दो मामले धारा 302 के भी हैं।

अपर शिक्षा निदेशक और जौनपुर के डीआईओएस पर चलेगा अवमानना का केस

प्रयागराज। कर्मचारी के एरिया का भुगतान न करना अपर शिक्षा निदेशक और जौनपुर के जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) को भारी पड़ा। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ आरोप तय करने का निर्णय लिया है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई की तिथि तय करते हुए उन्हें हलफनामा दाखिल करने को कहा है। जौनपुर में तैनात कर्मचारी सेराज की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति जयंत बनर्जी की एकल पीठ ने कहा कि दोनों अधिकारियों ने कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं किया। कोर्ट ने अपने फरवरी 2019 में दिए आदेश में कर्मचारी को ब्याज के साथ एरियर भुगतान का आदेश दिया था। जबकि आदेश का अनुपालन करने के लिए एक महीने का समय दिया गया था। याची के अधिवक्ता एसबी सिंह ने कहा कि याची को मजबूरन अवमानना याचिका दाखिल करनी पड़ी। अवमानना याचिका की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने अपर शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव को समय दिया लेकिन उन्होंने इसका पालन नहीं किया। सुनवाई के दौरान कोर्ट में अपर शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव और जौनपुर के डीआईओएस राजकुमार पंडित मौजूद रहे।

स्थानीय स्वतंत्रता सेनानियों की कहानियां सुनाकर मना नदी उत्सव

कार्यक्रम में नमामि गंगे परियोजना की डीपीओ को सम्मानित करते अधिकारी

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नमामि गंगे परियोजना की डीपीओ व उपस्थित अधिकारी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। गुरुवार को नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत नदी उत्सव कार्यक्रम के तहत नेहरू युवा केंद्र प्रयागराज द्वार दारागंज गंगा तट के समीप स्थानीय स्वतंत्रता सेनानियों पर कथाएं पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर गंगा टास्क फोर्स से लेफ्टिनेंट कर्नल विनीत सेठ और मेजर अभिषेक द्विवेदी उपस्थित रहे परियोजना अधिकारी नमामि गंगे एषा सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया एवं कार्यक्रम का संचालन किया।लेफ्टिनेंट कर्नल विनीत सेठ ने नदी उत्सव पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि गंगा नदी भारत की सबसे पवित्र नदी है जिससे करोड़ों लोगों की धार्मिक आस्था जुड़ी हुई है। गंगा स्वच्छता में सभी लोगों की भागीदारी आवश्यक है। जिसमें हमारे युवा जिला और बच्चे सब से ऊजार्वान वर्ग में आते हैं।सबको मिलकर प्रयास करना होगा कि नदियों में प्रदूषण न फैले। मेजर अभिषेक द्विवेदी ने कहां नदी उत्सव का मूल उद्देश्य यही है कि नदी संरक्षण और संवर्धन को लेकर जन-जन में जागरूकता व चेतना आए और पूरी जिम्मेदारी इसमें अपना योगदान दे। नुक्कड़ नाटक अभिनय संस्थान कृष्णा कुमार मौर्या की टीम द्वारा प्रयागराज स्वतंत्रता सेनानियों पर नाट्य के माध्यम से रोचक कहानियां प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में मौजूदा बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए जिसमें कविताए व गायन हुआ। गंगा स्वच्छता शपथ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम आयोजन में स्वयंसेवक कविता का अहम योगदान रहा। हिमांशु, ,अमित, रोहित, सुरेंदर , अंकित, सुभाष , पंकज आदि उपस्थित रहे।

दारू के नशे में भरोसे का कत्ल, दोस्त ने ही दोस्त को उतार दिया मौत के घाट

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज ' संगम नगरी के गऊघाट पेट्रोल टंकी के पास बुधवार की देर रात एक युवक की फावड़े से मारकर हत्या कर दी गई। दोनों आपस में 8 साल पुराने दोस्त हैं। शराब पीने के दौरान किसी बात को लेकर हुए विवाद के बाद यह घटना हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हत्या के आरोपी वैभव उर्फ राम बाबू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसके दो दोस्त फरार हैं।

8 साल से दोनों के बीच थी गहरी दोस्ती

रानी फूलपुर का हाता, मोहल्ले का रहने वाला वैभव उर्फ रामबाबू और सनोज कुमार शर्मा (40 वर्ष) निवासी चाचर नाला गऊघाट आपस में 8 साल से गहरे दोस्त थे। दोनों का घर आना-जाना था। राम बाबू कोई काम नहीं करता था। आसपास के लोगों ने बताया कि वह एक नंबर का शराबी है। सनोज कुमार वायरिंग का काम करता था। उसकी पत्नी राधा ने बताया कि बुधवार की सुबह राम बाबू ने उसके पति सनोज कुमार को बुलाया था। दोपहर में उसकी दो बार बात हुई तो पति ने कहा कि आ रहे हैं अभी। इसके बाद रात को 10 बजे फिर फोन किया तो राम बाबू ने फोन उठाया और कहा कि अभी भेज रहे हैं पर वो देर रात भी घर नहीं लौटा। सुबह 4 बजे भोर में पुलिस की घंटी से उसकी नींद टूटी।

मासूमों के सिर से उठ गया पिता का साया

राधा अपने पति के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अपनी छोटी सी गृहस्थी की गाड़ी हांक रही थी। अपने तीन लाड़लों आलोक, अमर और मिलन को अच्छी शिक्षा-दीक्षा देने के लिए लोगों के घरों में चूल्हा-चौका करती थी। जिंदगी में सबकुछ ठीक चला रहा था पर बुधवार की काली रात ने उसकी जिंदगी में हमेशा के लिए अधेरा कर दिया। सन्नाटे के बीच उसकी चीफ बार-बार यही कह रही थी कि अब अब में अकेले कैसे अपने बच्चों को पढ़ाऊंगी-लिखाऊंगी। कैसे उनकी परवरिश करूंगी। एसओ कीडगंज का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। आरोपी राम बाबू को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके दो दोस्तों की तलाश जारी है।

माधव ज्ञान केंद्र में प्रांतीय स्तर की दो दिवसीय खेलकूद का हुआ शुभारंभ

काशी प्रांत के आठ संकुलों के छात्र-छात्राएं कर रही हैं प्रतिभाग

अखंड भारत संदेश

नैनी। माधव ज्ञान केंद्र इंटर कॉलेज में विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबद्ध स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा मान्यता प्राप्त प्रान्तीय स्तर की दो दिवसीय एथलेटिक्स, बैंडमिंटन व कबड्डी की प्रतियोगिता का उदघाटन माँ सरस्वती जी के चित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस प्रतियोगिता में काशी प्रान्त के 8 संकुलो (केशव, माधव,काशी, मिजार्पुर, गाजीपुर, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र) से 410 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।, इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रयागराज की महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी जी,डॉ दिनेश मणि त्रिपाठी(सदस्य माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड प्रयागराज),किन्नर अखाड़ा की महा मंडलेश्वर स्वामी कल्याणी नंद गिरी जी व महंत वैष्णवी नंद गिरी जी, विद्याभारती के संगठन मंत्री डॉ राम मनोहर जी, प्रदेश निरीक्षक रामजी सिंह,शिशु वाटिका प्रमुख श्री विजय उपाध्याय, डॉ आनंद श्रीवास्तव, श्री शिव कुमार पाल,डॉ अव्यक्त राम मिश्र, श्री मोहन जी टन्डन, श्री अजीत कुमार जी,श्री राकेश सेठ जी,प्रधनाचार्य डॉ विंध्यवासिनी प्रसाद त्रिपाठी,श्री बांके बिहारी पांडेय, श्री विक्रम बहादुर सिंह,श्री युगल किशोर जी, श्रीमती मीना श्रीवास्तव, छेत्रीय शारीरिक प्रमुख श्री जगदीश कुमार सिंह ,प्रान्त के शारीरिक प्रमुख श्री अजीत जी ,श्री दिग्विजय पाल, श्री विनोद कुमार इत्यादि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्रयागराज की मेयर ने दीप प्रज्वलन कर खेलकूद का किया शुभारंभ

शुभारम्भ अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करती छात्राएं

स्काउट से छात्र-छात्राओं का होता है सर्वांगीण विकासः मो0 इब्राहीम डायट प्राचार्य

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राजकीय इंटर कॉलेज के परिसर में जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0 सर्वदा नंद के निर्देशन में दो दिवसीय जनपदीय स्काउट गाइड रैली का शुभारंभ किया गया। रैली का उद्घाटन मुख्य अतिथि डीडीआर/प्राचार्य डायट मो0 इब्राहीम द्वारा स्काउट गाइड का झंडा फहराकर और शांति व सौहार्द के प्रतीक के रूप में रंग बिरंगे गुब्बारा उड़ाकर किया गया।

तत्पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा जिला विद्यालय निरीक्षक प्रतापगढ़/जिला मुख्यायुक्त स्काउट्स गाइड्स डॉ सर्वदा नंद, अध्यक्ष स्काउट्स गाइड्स डॉ निशाकांत ओझा, जिला मुख्यालय आयुक्त/प्रधानाचार्य डॉ विंध्याचल सिंह, जिला आयुक्त स्काउट्स पीके तिवारी, जिला आयुक्त गाइड्स गीता यादव, जिला सचिव स्काउट्स गाइड्स डॉ राघवेन्द्र पांडेय, प्रधानाचार्य राजकीय इण्टर कालेज चंदीगोविंदपुर आईपी सरोज, कोषाध्यक्ष स्काउट्स गाइड्स/प्रधानाचार्या राजकीय बालिका इंटर कालेज प्रतापगढ़ गरिमा श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य पीबी इंटर कालेज प्रतापगढ़ सिटी डॉ अनूप सिंह आदि के साथ कैडेट्स के मार्च पास की सलामी ली गई। सभी उपस्थित अधिकारियों, प्रधानाचार्यों, शिक्षकों, स्काउट्स गाइड्स कैडेट्स को मतदाता शपथ दिलाई गई। मुख्य अतिथि सहित अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया तथा पुष्प अर्पित किया गया। राजकीय बालिका इंटर कालेज प्रतापगढ़ की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया गया तथा राजकीय इंटर कालेज प्रतापगढ़ के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। मुख्य अतिथि, जिला विद्यालय निरीक्षक व अध्यक्ष स्काउट्स गाइड्स का बैज लगाकर एवम् बुके देकर स्वागत किया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ सर्वदा नंद द्वारा स्वागत भाषण में मुख्य अतिथि सहित समस्त अधिकारियों आदि का स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में स्काउट्स गाइड्स के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई तथा रैली के आयोजन के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक प्रतापगढ़ सहित उनकी पूरी स्काउट्स गाइड्स की टीम की प्रसंशा की गई। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में स्काउट कैडेटों का सहयोग सराहनीय रहा है। स्काउट कैडेट मास्क वितरण कर रहे थे और जागरुकता फैलाई। उन्होंने कहा कि स्काउट से आपसी सहयोग की भावना बढ़ती है तथा छात्र-छात्राओं का सर्वांगीण विकास होता है। मुख्य अतिथि द्वारा उपस्थित समस्त अधिकारियों, प्रधानाचार्यों, शिक्षकों, स्काउट्स गाइड्स के कैडेटों, कर्मचारियों व अन्य उपस्थित लोगों को मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत स्वच्छ और निष्पक्ष रूप से आगामी चुनाव में मतदान करने के लिए मतदाता शपथ दिलाई गई। तत्पश्चात जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा मुख्य अतिथि को अंगवस्त्रम और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज प्रतापगढ़ राजकुमार सिंह, डॉ सालिकराम प्रजापति, डॉ मो अनीस, डॉ राजेंद्र बहादुर सिंह, मो उमर जमील, संगठन आयुक्त राजाराम यादव, प्रशिक्षण आयुक्त संजीव शर्मा, सुशील सिंह सहित जनपद के विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक, स्काउट्स गाइड्स प्रशिक्षक/कैडेट्स उपस्थित रहे।

दो दिवसीय जनपदीय स्काउट गाइड रैली का हुआ शुभारंभ

मां सरस्वती का पूजन करते डायट प्राचार्य मो0 इब्राहीम।

कृषि प्रदर्शनी में किसानों के साथ डीएम नितिन बंसल व पूर्व सांसद रत्ना सिंह।

प्रशिक्षण कार्यक्रम से किसानों को मिलती है जानकारीः डीएम

कृषि विज्ञान केन्द्र में लगी कृषि प्रदर्शनी व मेला

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। कृषि विज्ञान केंद्र ऐठू में गुरुवार को स्व0 चैधरी चरण सिंह का जन्म दिवस राजा दिनेश सिंह कृषि विज्ञान केन्द्र तथा कृषि विभाग प्रतापगढ़ द्वारा किसान दिवस के रूप में मनाया गया, जिसमें किसान मेला, गोष्ठी एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ नितिन बंसल बतौर मुख्य अतिथि के रूप में रहे।

इस दौरान जिलाधिकारी ने स्व0 चैधरी चरण सिंह के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला और कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्र ऐसी संस्था हैं जो जनपद के किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने से लेकर विभिन्न कृषि उत्पादन प्रणालियों के अंतर्गत नई तकनीक बीज एवं रोपण सामग्री का किसानों के खेत पर परीक्षण आदि करने तक के कार्य कर रही है।

केन्द्र की अध्यक्षा राजकुमारी रत्ना सिंह ने किसानों को आधुनिकतम तकनीकि से खेती करने को प्रेरित किया तथा कृषि विज्ञान केन्द्र में उपलब्ध सुविधाओं एवं तकनीकियों का प्रयोग कर अधिक से अधिक पैदावार लेंने के लिए कहा। कृषि विज्ञान केन्द्र की अध्यक्षा राजकुमारी रत्ना सिंह, उपकृषि निदेशक डा0 रघुराज सिंह, परियोजना निदेशक आर0सी0 शर्मा, जिला कृषि अधिकारी अश्वनी कुमार सिंह जिला उद्यान अधिकारी, जिला मत्स्य अधिकारी सहित लगभग सात सौ किसानों ने सहभागिता की। इस अवसर पर किसान तकनीकी सत्र में कृषि विज्ञान केन्द्र के शस्य वैज्ञानिक डा0 नवीन सिंह, पशु चिकित्सा वैज्ञानिक डा0 अमित बरनवाल, केन्द्र के वैज्ञानिक यतेन्द्र कुमार, उपकृषि निदेशक डा0 रघुराज सिंह, डा0 ए0के0 श्रीवास्तव ने भी अपने विचार रखे।

प्रभात एकेडमी में धूमधाम से मनाया गया क्रिसमस पर्व

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। क्रिसमस डे के पूर्व प्रभात एकेडमी में क्रिसमस पर्व धूमधाम से मनाया गया। क्रिसमस डे ईसा मसीह के जन्म की खुशी में मनाया जाने वाला पर्व है। इस मौके पर कक्षा-केजी से लेकर कक्षा-3 तक बच्चों ने कार्यक्रम में अपनी मनमोहक प्रस्तुति दी।

बच्चों की मनमोहक प्रस्तुति देख अतिथिगण मंत्रमुग्ध हो गये। कक्षा केजी से ओमसी रावत, भाविका सिंह, अथर्व, तरायन सिंह, वंशिका, कृति, अक्षरा सिंह, सम्राट, वेद सिंह ने मनमोहक प्रस्तुति दिये। कक्षा-1 से दिग्विजय सिंह, प्रथमेश, अनन्या, शाश्वत, कक्षा-2 से प्रथमेश, जायस प्रताप सिंह, कक्षा-3 से पीहु गुप्ता, भैरवी सिंह, सुभी मिश्रा, स्वास्ति मिश्रा, महेल खानम, एलकेजी से स्तुति सिंह, विनायक सिंह, शगुन, प्रज्वल आर्या, चैतन्य रावत आदि ने सेंटा क्लाज एवं सेंट मैरी की वेशभूषा में अतिथियों का दिल जीत लिया।

बच्चों की मनमोहक प्रस्तुति से अतिथिगण हुए मंत्रमुग्ध

प्रभात एकेडमी में सेंट मैरी की वेशभूषा में सजे बच्चे।

इस कार्यक्रम की तैयारी रेखा दुबे, अंकिता सिंह, सारा, आकांक्षा, पूनम तिवारी, अंजू शुक्ला ने कराई। इस अवसर पर रितेश, यूएस मिश्रा, अभिषेक सिंह, इरफान, हरकेश, अमरजीत, आशीष, किरन त्रिपाठी, अर्पणा, पूजा सिंह, संतोष, जया, रुचिका सिंह आदि लोग मौजूद रहे। अंत में आए हुए अतिथियों के प्रति डा0 प्रभात शर्मा ने आभार व्यक्त किया। उधर सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल में मनावता को नई राह दिखाने वाले प्रभु ईसा मसीह की भव्य झांकी हर्षोल्लास पूर्वक निकाली गई। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र छात्राओं के द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गये। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के संस्थापक डॉक्टर राजेंद्र सिंह प्रबंधक डॉक्टर मनीष सिंह निदेशिका डाक्टर मनीषा सिंह एवं प्रधानाचार्य परमजीत कौर के द्वारा प्रभु ईशु की प्रार्थना से हुआ। इस दौरान विद्यालय के छात्रों के द्वारा कैरोलिक समूह गान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विजयी प्रतिभागियों को विद्यालय प्रबंधन समिति के द्वारा सम्मानित किया गया।

बीआरसी केन्द्र पर सम्पन्न हुआ शारदा प्रशिक्षण कार्यक्रम

लालगंज, प्रतापगढ़। विकासखण्ड रामपुर संग्रामगढ़ अन्तर्गत बीआरसी केंद्र पर तीन दिवसीय शारदा प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिसमे विकासखण्ड के कुल एक सौ चैबीस प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। खण्ड शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार सरोज ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षकों को प्रशिक्षण के महत्व के बारे मे जानकारियां दी। उन्होनें कहा कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से ग्यारह वर्ष से चैदह वर्ष के उन बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोडना प्रमुख लक्ष्य है। जो बच्चे शिक्षा से वंचित हो जा रहे हैं।

जमीनी रंजिश में पिता-पुत्र की पिटाई

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। जमीन पर निर्माण कर रहे एक युवक को आरोपियों ने लात घूसों से मारा पीटा बीच-बचाव करने आए उसके बेटे को भी आरोपियों ने मारते पीटते हुए गाली गलौज किए। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोपियों खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के गजरिया गांव के रहने वाले अनिल शुक्ला पुत्र राम आसरे शुक्ला ने बताया कि बुधवार को वह अपनी जमीन पर निर्माण कर रहा था तभी पड़ोसी आधा दर्जन लोग एक राय होकर गाली गलौज करते हुए लात घूसों से उसे मारने लगे पीड़ित जब चिल्लाया तो उसका बेटा अनूप बीच-बचाव करने के लिए आया तो आरोपियों ने उसे भी मारा पीटा और घर में रखा हुआ कीमती सामान तोड़ दिया। आरोप है कि आरोपियों ने कुल्हाड़ी से पीड़ित पर हमला किया जिससे उसे गंभीर चोटें आई पीड़ित ने इस संबंध में पट्टी कोतवाली में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

मवेशी की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल, एक रेफर

लालगंज, प्रतापगढ़। लालगंज कोतवाली के तिना के पास बुधवार की रात मवेशी की टक्कर से बाइक सवार दो युवक लहूलुहान हो गये। आसपास के लोगों ने घायलों को लालगंज सीएचसी भेजवाया। लालगंज कोतवाली के प्रतापरूद्रपुर निवासी रामअंजोर के पुत्र राजू 35 बुधवार की रात आठ बजे अपने साथी महेशगंज निवासी हरिलाल 36 के साथ बाइक से घर जा रहे थे। लालगंज क्षेत्र के तिना के पास नेशनल हाइवे पर मौजूद मवेशियों से बाइक की टक्कर हो गयी। इससे दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गये। घायलों को आसपास के लोगों ने ऐम्बुलेंस से सीएचसी लालगंज भेजवाया।

कार्यक्रम में शपथ लेते नवनिर्वाचित प्रधान के पदाधिकारीगण।

नवनिर्वाचित प्रधान संघ अध्यक्ष समेत पदाधिकारियों ने ली शपथ

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। लालगंज ब्लाक सभागार मे गुरूवार को सर्वसम्मत से निर्वाचित किये गये प्रधान संघ के पदाधिकारियों को समारोहपूर्वक शपथ दिलाई गयी। बतौर मुख्यअतिथि बीडीओ अश्विनी कुमार पटेल ने प्रधान संघ अध्यक्ष विमलेश कुमार सिंह के साथ ही वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह, उपाध्यक्ष राजू यादव, कनिष्ठ उपाध्यक्ष हरिकेश कुमार वर्मा, महामंत्री बृजेश सिंह, कोषाध्यक्ष देवनाथ पाण्डेय, विधिक सलाहकार विद्युत मिश्र, संयुक्त मंत्री प्रशासन ब्रिकेश वर्मा, संयुक्त मंत्री प्रकाशन जावेद खां, मीडिया प्रभारी रोहित मिश्र, प्रचार प्रचार मंत्री प्रमोद सरोज को पद व गोपनीयता की शपथ दिलायी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ब्लाक प्रमुख इं. अमित प्रताप सिंह ने प्रधान संघ अध्यक्ष समेत सभी संघ के पदाधिकारियों का स्वागत किया। ब्लाक प्रमुख ने मौजूद प्रधान संघ अध्यक्ष समेत सभी ग्राम प्रधानों से शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करते हुए गांव के समुचित विकास की बात रखी। कार्यक्रम मे मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना व सीडब्ल्यूसी मेंबर प्रमोद तिवारी की ओर से प्रधान संघ के सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी। कार्यक्रम मे एडीओ पंचायत आद्या प्रसाद दुबे, कुंवर ज्ञानेन्द्र सिंह ने भी अपने विचार रखे।

मारपीट के मामले में पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के परियावां मुस्लिम बस्ती में बुधवार की शाम लगभग साढ़े चार बजे गाव के आधा दर्जन लोगों ने लकड़ी जलाने के विवाद को लेकर घर मे घुसकर महिलाओं व बच्चों को मारा पीटा पीड़ित ने घटना की तहरीर पुलिस को दी। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा। पीड़ित बदरुल हसन पुत्र हाजी बाबू ने पुलिस को दिए गए तहरीर में शिकायत किया है कि गांव के कुछ पड़ोसी ने लकड़ी जलाने के विवाद में घर मे घुसकर मेरी पत्नी व बच्चों को भद्दी भद्दी गाली दिया और विरोध करने पर सभी को मारा पीटा। ग्रामीणों के दौड़ने पर आरोपीगण भाग निकले। इस बाबत पूछे जाने पर थाना प्रभारी रुकुम पाल सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपीगणों की गिरफ्तारी की गई सभी को 151 में चालान कर न्यायालय भेज दिया गया।

संकट के दौर से गुजर रहा देशः डा0 लालजी

जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। शहर कांग्रेस कमेटी की बैठक शहर अध्यक्ष इरफान अली की अध्यक्षता में जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय इंदिरा भवन पर सम्पन्न हुई। संचालन शहर प्रभारी मो0 इशियाक ने किया। इस अवसर पर शहर अध्यक्ष इरफान अली ने कहा कि शहर में संगठन निर्माण हेतु आप सभी के सहयोग की आवश्यकता है।

उन्होंने लोगों का आह्वान किया और कहा कि आइए हम सब मिलकर कांग्रेस को मजबूत करने का काम करें। बैठक में तमाम वार्डों से आये हुए कांग्रेस के साथियों ने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष डॉ0लालजी त्रिपाठी ने कहा कि कांग्रेस को आप सभी जुझारू साथियों की जरूरत है, क्योंकि आज देश संकट के दौर से गुजर रहा है, देश में फिरकापरस्त ताकतें अपना विस्तार करने में लगी हैं। देश में डर का वातावरण बनाया जा रहा है। झूठ, फरेब व मनगढंत इतिहास के जरिये युवाओं को भ्रमित कर सत्ता हथियाने का काम किया जा रहा है, ऐसे में हमारी आपकी जिम्मेदारी बढ़ जाती है। आइए हम सब मिलकर इन ताकतों को शिकस्त दें। इस अवसर पर विधान सभा सदर के प्रभारी राजेन्द्र शुक्ल, प्रदेश सचिव व प्रतापगढ़ प्रभारी रंजीत सिंह सलूजा, विधान सभा बाबागंज प्रभारी अम्बिका मरक्म, निरिता चटर्जी, उपाध्यक्ष डा0वी0के0सिंह, वेदान्त तिवारी, डॉ0 प्रशांत देव शुक्ल, महेंद्र शुक्ल, आशुतोष तिवारी, मो0 इशियाक, वजीरुद्दीन हैदर, जावेद अख्तर, हुश्नारा बानो, अनिल मौर्य, रफीक, अब्दुल रहमान, फैजान अहमद, विनोद कुमार गुप्ता, नीरज गुप्ता, सलीम उल्ला, इजाज अकमल, जमाल अहमद, मो0बेलाल, विधिदेव शुक्ल सहित अनेक कांग्रेस जन मौजूद रहे।

बैठक में बोलते जिलाध्यक्ष डा0 लालजी त्रिपाठी।

गोकशी को ले जाये जा रहे सत्रह मवेशी बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। सांगीपुर पुलिस ने गोवध अधिनियम के अर्न्तगत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर गुरूवार को जेल भेज दिया। सांगीपुर थाना के एसओ जीतेन्द्र सिंह को गुरूवार सुबह क्षेत्र के भैंसना गांव मे गोवध के लिए ले जाये जा रहे दर्जन भर मवेशियों के एक ट्रक पर लादे जाने की सूचना मिली। जानकारी होते ही फोर्स के साथ थानाध्यक्ष ने भैसना गांव के छिवलहा के पास नहर किनारे पहुंचकर घेराबंदी की और तीन आरोपियो केा धर दबोचा। जबकि कई आरोपी भागने मे कामयाब हो गये। थानाध्यक्ष जीतेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि मौके से तीन लोगों की गिरफ्तारी की गई है वहीं तेरह आरोपी भागने मे कामयाब हो गये। आरोपियो द्वारा गोकशी के लिए ट्रक पर लादे गये सत्रह मवेशियो को बरामद किया गया है। गिरफ्तार किये गये आरोपी कल्लू पुत्र बेंचू, मो. सफीक पुत्र मो. सगीर निवासीगण भैंसना तथा अभिषेक यादव पुत्र रमेशचंद्र यादव निवासी फाफामऊ प्रयागराज के खिलाफ पशुवध अनिधियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। गिरफ्तार किये गये तीनों आरोपियो को जेल भेज दिया गया। वहीं मौके से भाग निकले आरोपियो की तलाश की जा रही है।

मारपीट गाली गलौज व तोडफोड पर चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली लालगंज पुलिस ने मारपीट गालीगलौज व तोडफोड की घटना को लेकर चार लोगों के खिलाफ बुधवार की रात मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के दांदूपुर पड़ान गांव निवासी दान बहादुर के पुत्र रामकृष्ण ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि बीते सत्रह दिसंबर की सुबह सात बजे रंजिश को लेकर गांव के पंचम के पुत्र केसराज व रामलौटन तथा केशराज के पुत्र अजय व विजय उसके दरवाजे पर आ धमके। आरोपीगण गालीगलौज करते हुए लाठी डण्डे से परिवार के लोगों को मारापीटा। घर के दरवाजे पर रखी साइकिल को तोडकर क्षतिग्रस्त कर दिया। शोर मचाने पर आरोपीगण जानलेवा धमकी देते चले गये। तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने रामलौटन समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

आज विविध कार्यक्रमों मे शामिल होंगे प्रमोद तिवारी

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। केन्द्रीय कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य प्रमोद तिवारी आज शुक्रवार को अपरान्ह बारह बजे रामपुरखास क्षेत्र के बभनपुर एवं इसके बाद दोपहर एक बजे कलापुर में आयोजित जनसभाओं को संबोधित करेंगे। इसके बाद सीडब्ल्यूसी मेंबर प्रमोद तिवारी क्षेत्र मे आयोजित विविध कार्यक्रमों मे भी शामिल होगें। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने दी है।

छात्रा को बचाने के चक्कर में विद्युत पोल से टकराई ट्रक

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी कोतवाली के समीप एक छात्रा को बचाने के चक्कर में एक ट्रक पोल से टकरा गया जिससे वहां पर अफरा तफरी मच गई दुकानदार वहां से निकलकर भागने लगे गुरुवार की सुबह लगभग 9 बजे एक ट्रक चांदा की तरफ से पट्टी चैक की तरफ आ रही थी जैसी हो कोतवाली के समीप पहुंची एक विद्युत पोल से एक छात्रा को बचाने के चक्कर में टकरा गई, जिससे वहां थोड़ी देर के लिए अफरा-तफरी मच गई वह लोगों का मजमा लग गया। मौके पर पहुंचे पट्टी कोतवाल नंदलाल सिंह ने भीड़ को तितर-बितर किया।

विद्युत करंट की चपेट मे आने से युवती गंभीर रूप से झुलसी

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। लालगंज कोतवाली के रघवापुर गांव मे गुरूवार को सुबह विद्युत हीटर से पानी गर्म करने के दौरान बाल्टी मे उतरे करंट की चपेट मे आने से युवती झुलस गयी। आननफानन मे परिवार के लोग उसे इलाज के लिए स्थानीय पीएचसी ले गये। जहां उसका इलाज चल रहा है। लालगंज कोतवाली के रघवापुर गांव निवासी मोतीलाल की पुत्री चांदनी 19 गुरूवार की सुबह सात बजे घर मे नहाने के लिए बाल्टी मे रखे पानी को गर्म करने के लिए विद्युत हीटर लगा रही थी। इसी दौरान अचानक बाल्टी मे करंट उतर आया और युवती उसकी चपेट मे आ गयी। जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गयीं। जानकारी होते ही परिजन आननफानन मे परिजन उसे इलाज के लिए लक्ष्मणपुर पीएचसी ले गयें जहां उसका इलाज जारी है।

खबर संक्षेप

भाजपा सरकार ने घर की घरौनी देकर सभी का किया सम्मान : विधायक संजय गुप्ता

कौशाम्बी। विधायक चायल संजय कुमार गुप्ता ने चायल तहसील में प्रधानमंत्री द्वारा स्वामित्व योजना के अंतर्गत घरौनी वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंच कर विधायक चायल ने प्रथम चरण में चयनित 45 ग्राम सभा के लोगो का रैया देह माफी से मदन रविशंकर, राम सुरेमन, रामसूरत, भोलानाथ आदि नाउपुर से रामचंद्र, सूरजपाल, महेंद्र, बड़ेलाल, फूलकली, जगपत आदि को घरौनी का प्रमाण पत्र विधायक चायल श्री गुप्ता ने देते हुए कहा कि आज भाजपा की सरकार ने सभी को उनका हक देने का काम किया है हमारे खेत की तो खतौनी हुआ करती थी मगर घर का कोई कागज नही था आज हमारी सरकार ने सभी को उनका हक दिया है इसी क्रम में विधायक ने सरकार की चल रही जन कल्याण कारी योजनाओ का बखान किया।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानो को किया गया सम्मानित

विधायक द्वारा किसान मेला प्रदर्शनी का शुभारम्भ तथा स्टॉलों का किया गया अवलोकन

अखंड भारत संदेश

किसान सम्मान दिवस के अवसर पर मौजूद विधायक गण

कौशाम्बी। विधायक गण लाल बहादुर एवं शीतला प्रसाद उर्फ पप्पू पटेल द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयन्ती के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में लगायी गयी किसान मेला प्रदर्शनी का शुभारम्भ तथा स्टॉलों का अवलोकन किया गया। तत्पश्चात विधायकगणों द्वारा सम्राट उदयन सभागार में आयोजित रबी उत्पादकता गोष्ठी एवं कृषक वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम का द्वीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ तथा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पान्जलि अर्पित की गयी। इस अवसर पर कृषकों को कृषि से सम्बन्धित तकनीको से अवगत कराते हुए कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ0 मनोज कुमार सिंह ने मृदा उर्वरता प्रबन्धन विषय पर जानकारी देते हुए कहा कि हमारी खेती योग्य भूमियों में पोषक तत्वों की निरन्तर कमी होती चली जा रही है, जिसके कारण हमारे जनपद की उत्पादन उत्पादकता प्रभावित हो रही है, जिसके लिए हमें संतुलित उर्वरक प्रयोग के साथ-साथ हरी खाद के प्रयोग से मृदा के जीवान्स कार्वन की प्रतिशतता को बढ़ाने की आवश्यकता है। तकनीकी सत्र क्रम में केन्द्र के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ0 नवीन कुमार शर्मा ने कृषकों के कीटनाशकों के संतुलित प्रयोग की सलाह देते हुए कहा कि आज समय की मांग है कि हमे नीम एवं देशी गाय के गौमूत्र पर आधारित जैविक कीट नाशकों का प्रयोग करके अपनी फसल को कीटों से बचाव एवं मिट्टी के स्वास्थ्य को भी प्रदूषित होने से बचाना है। मुख्य अतिथि विधायक लाल बहादुर एवं शीतला प्रसाद उर्फ पप्पू पटेल द्वारा कृषि, पशुपालन, मत्स्य एवं उद्यान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषकों को पुरस्कार स्वरूप प्रमाण पत्र एवं प्रथम को 07 हजार रुपए, द्वितीय को 05 हजार रुपए की धनराशि उनके खाते में स्थानान्तरित की गयी। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक डॉ0 उदयभान गौतम जिला कृषि अधिकारी मनोज गौतम जिला उद्यान अधिकारी जिला मत्स्य अधिकारी मुख्य पशु चिकित्सा धिकारी एआरको-आपरेटिव आदि ने विभागीय जानकारी से कृषकों को अवगत कराया।

सैयद सरावा में विधायक ने लगाया जनसंवाद

कौशाम्बी। विधायक चायल संजय कुमार गुप्ता ने गुरुवार को सैय्यदसरावां के एक मोहल्ले में रूपनारायन के दरवाजे व सैय्यद सरावां के तलरी पर में जनसंवाद कर लोगो को भाजपा सरकार की उपलब्धियां गिनाई।विधायक ने कहा कि आज चायल में हर तरफ विकास ही विकास हुआ है आज हमारी सरकार में भूमाफियों के खिलाफ कार्यवाही कर उनको दंडित करने का काम किया है आज समाज भय मुक्त है हमारी सरकार ने गरीब किसान व शिक्षा और चिकित्सा और सड़क पर काम किया है।

महिला जन सुनवाई आज

कौशाम्बी। सदस्या उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग सुश्री ऊषारानी 24 दिसम्बर 2021 को पूर्वान्ह 11 बजे पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस, मंझनपुर में महिला जनसुनवाई एवं महिला उत्पीड़न की घटनाओं की जनसुनवाई करेंगी।

न्यूज झरोखा

स्कूली बच्चों ने वृद्ध आश्रम के बुजुर्गों से लिया हाल-चाल

कौशाम्बी। स्कूल के बच्चे वृद्ध आश्रम औसा पहुंचे हैं और वहां वृद्ध आश्रम में रह रहे बुजुर्गों को माला पहनाकर जहां उनका आशीर्वाद लिया है वहीं बच्चों ने वृद्ध आश्रम में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में बृद्धजनो से पूछा है इस मौके पर वृद्धजनों ने स्कूली बच्चों को बताया कि उन्हें आश्रम में परिवार जैसे वातावरण का माहौल मिला है। गुरुवार की सुबह चायल तहसील क्षेत्र के राजकीय हाई स्कूल मिश्रपुर डहिया में पढ़ने वाले स्कूली बच्चों का समूह बृद्ध आश्रम ओसा पहुंचा औ? वृद्ध आश्रम में बुजुर्गों से उनके व्यतीत हुए जिंदगी के बारे में जानकारी लिया एवं बच्चों द्वारा बुजुर्गों को माला पहनाकर एवं मिष्ठान वितरण करके आशीर्वाद लिया इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य वृद्ध आश्रम संचालक आलोक राय एवं अन्य कर्मचारी गण मौजूद रहे।

किसानों दलितों पिछड़ों अल्पसंख्यकों के सच्चे हितैषी है अखिलेश यादव : गुलाम हुसैन

भरवारी कौशाम्बी। चायल विधानसभा क्षेत्र में सपा नेता गुलाम हुसैन संभावित प्रत्याशी चायल ने आधा दर्जन से अधिक गांव का भ्रमण कर झंडा लगवाने का काम किया उन्होंने सपा की नीतियों के बारे में ग्रामीणों को बताया उन्होंने मौजूद लोगों को बताया कि किसानों दलितों पिछड़ों अल्पसंख्यकों के सच्चे हितैषी समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव हैं उन्होंने मौजूद लोगों से 2022 में विधानसभा चुनाव में सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के हाथों को मजबूत करने की अपील की इस मौके पर उनके साथ अजीत कुशवाहा सरदार यादव जमील अहमद मोहन पासी दीवान मौर्या रोहित दिवाकर अश्वनी यादव आजाद यादव संदीप कुशवाहा तलवार सिंह यादव भानु यादव मोहम्मद अजीज मोहम्मद सलीम सहित सैकड़ों की तादाद में कार्यकर्ता व साथी मौजूद रहे।

स्वास्थ्य केंद्रों पर मनाया खुशहाल परिवार दिवस

कौशाम्बी समुदाय में परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता तथा स्वीकार्यता बढ़ाने के उद्देश्य से जनपद के स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा खुशहाल परिवार दिवस का आयोजन किया गया जो हर माह की 21 तारीख को आयोजित किया जाता हैं । इस दौरान जनपद के सभी सामुदायिक एवं शहरी सामुदायिक स्वास्थ केंद्र व जिला महिला चिकित्सालय पर आने वाले लाभार्थियों को परिवार नियोजन के विभिन्न अस्थाई साधनों के बारे में जानकारी प्रदान की गई व इसे अपनाने के लिए उन्हें प्रेरित भी किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. के.सी राय ने कहा कि खुशहाल परिवार के लिए छोटा परिवार जरूरी है। छोटे परिवार के लिए परिवार नियोजन के विभिन्न सामग्री इस्तेमाल किए जा सकते हैं। जिले में 21 दिसंबर यानि मंगलवार को स्वास्थ्य इकाईयों पर खुलहाल परिवार दिवस मनाया गया । उन्होंने कहा कि खुशहाल परिवार दिवस पर कोरोना प्रोटोकॉल का पूरी तरह से पालन किया जाएगा। केन्द्र पर परिवार नियोजन के लिए परामर्श के लिए एक अलग काउंटर बनाया गया ताकि लोगों की गोपनीयता के साथ काउंसिलिंग की जा सके। काउंसिलिंग के दौरान नव विवाहित दंपत्ति, उच्च जोखिम गर्भवती तथा तीन से अधिक बच्चे वाले दंपति पर विशेष फोकस रहा ।

कार ने बुलेट सवार को मारी जोरदार टक्कर इलाज के दौरान हुई मौत

कोखराज थाना क्षेत्र के पन्नोई मोड़ के पास हुआ दर्दनाक हादसा

अखंड भारत संदेश

दुर्घटना के बाद लगी भीड़

इमामगंज कौशाम्बी। कोखराज थाना अंतर्गत हरराय पुर पुलिस चौकी के समीप पंनोई मोड़ पर चार पहिया वाहन ने बुलेट सवार व्यक्ति को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी है।जिससे बुलेट सवार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है।आसपास के लोगो ने घायल व्यक्ति को इलाज के लिए मूरतगंज अस्पताल पहुँचा दिया है हालत गम्भीर होने पर चिकित्सको ने मूरतगंज अस्पताल से स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल रेफर कर दिया है इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई है मौत की जानकारी मिलते ही घर में कोहराम मच गया है। घटनाक्रम के मुताबिक दानिश कमर उम्र 32 वर्ष पुत्र कमर अफजल निवासी महगांव थाना चरवा बुलेट से कहीं जा रहे थे जैसे ही वह कोखराज थाना क्षेत्र के पन्नोई मोड़ के पास पहुंचे कि बुलेट सवार दानिश कमर को ब्रेज्जा कार ने जोरदार टक्कर मार दिया है जिससे बुलेट समय दानिश कमर सड़क पर गिर पड़े हैं और गंभीर घायल हो गए हैं मामले की सूचना आसपास के लोगों ने पुलिस को दिया है घायल को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने इलाहाबाद रेफर कर दिया है बताया जाता है कि इलाज के दौरान दानिश कमर की मौत हो गई है।

घरौनी के साथ खड़े किसान

लाभार्थियों को किया गया घरौनियों का वितरण

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। प्रधानमंत्री द्वारा वाराणसी में प्रदेश के 15 हजार ग्रामो में तैयार की गयी नई 20 लाख घरौनियों का बटन दबाकर डिजिटल वितरण किया गया। इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण सम्राट उदयन सभागार सहित तहसील सिराथू एवं चायल में आयोजित कार्यक्रम में किया गया तथा उपस्थित लाभार्थियों ने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के उद्बोधन को सुना विधायक लाल बहादुर एवं उप जिलाधिकारी मंझनपुर प्रखर उत्तम द्वारा सम्राट उदयन सभागार में तहसील मंझनपुर के 31 लाभार्थियों को घरौनी का वितरण किया गया तहसील मंझनपुर में अब तक 101 ग्रामों के कुल 25 हजार 849 लाभार्थियों को घरौनी का वितरण किया गया। इसी प्रकार तहसील सिराथू में विधायक शीतला प्रसाद उर्फ पप्पू पटेल ने लाभार्थियों को घरौनी का वितरण किया। तहसील सिराथू में अब तक 31 हजार 158 लाभार्थियों को घरौनी का वितरण किया गया तथा तहसील चायल में अब तक 218 लाभार्थियों को घरौनियों का वितरण किया गया। इस प्रकार जनपद में कुल 57 हजार 225 लाभार्थियां को घरौनियों का वितरण किया गया।

राजकीय हाईस्कूल रामपुर धमवा व राला में पढ़ेंगी क्षेत्र की बेटियां विधायक सिराथू

अखंड भारत संदेश

टेढ़ी मोड़ कौशांबी। क्षेत्र के स्कूली छात्र छात्राओं के शिक्षा पर ध्यान रखते हुए सिराथू विधायक शीतला प्रसाद पटेल ने रामपुर धमावा एवं राला में शिक्षा के दृष्टिगत निर्मित हुए राजकीय हाईस्कूल का फीता काटकर एवं शिलापट्ट का अनावरण कर शुभारंभ किया। विधायक ने संबोधित कर कहा कि सिराथू ब्लॉक के अन्तर्गत निर्मित इस कॉलेज के निर्माण हो जाने से यहाँ के स्थानीय सैकड़ो छात्र-छात्राओं को शिक्षा ग्रहण करने एवं भविष्य को उज्ज्वल बनाने की सुविधा प्राप्त होगी प्राथमिक विद्यालय और पूर्व माध्यमिक विद्यालय के साथ साथ हाई स्कूल स्तर के विद्यालयों एवं शिक्षा की गुणवत्ता उच्चतम करने हेतु कृत संकल्पित है रामपुर धमावा एवं राला में निर्मित 6 -6 कक्षीय भवनों में प्रत्येक विद्यालय में लगभग कक्षा 9

नवनिर्मित राजकीय हाईस्कूल का किया शुभारम्भ

एवं 10 के लगभग 240 छात्र छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। विधायक सिराथू ने इस अवसर पर उपस्थित छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दिया उक्त दोनों विद्यालय के उद्घाटन समारोह में जिला विद्यालय निरीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ग्राम प्रधान प्रतिभा रानी शर्मा बबलू श्रीवास्तव, पवन पटेल दिनेश सोनकर आशीष केशरवानी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

डूडा कार्यालय के दलाल पीएम आवास के लाभार्थियों से वसूल रहे है रकम

कौशांबी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीब कमजोर मजलूम लोगो को आवास दिलाने के नाम पर धन उगाही करने वाले बेखौफ सक्रिय है आवास उन्हीं लाभार्थियों के स्वीकृति होते है जिनकी सिफारिश दलाल करते है वरना आवास का लाभ लेने के चलते लाभार्थी अधिकारियों नेताओं के चक्कर लगाते रह जाते हैं जांच में गरीबो को भी अपात्र घोषित कर योजना से वंचित कर दिया जाता है सब कुछ विभागीय अधिकारियों के संरक्षण में चल रहा है। ताजा मामला अजय कुमार पुत्र सीताराम रसूलपुर गिरसा बिसारा नगर पालिका परिषद भरवारी का है प्रधानमंत्री आवास के लिए सिंधिया निवासी लाल सिंह ने 10 हजार रुपए की रकम यह कह कर ले लिया है कि डूडा कार्यालय में एक अधिकारी को रकम दे आवास स्वीकृति करा देंगे लेकिन आवास भी नहीं स्वीकृत हुआ और 10 हजार रुपए की रकम भी वापस नहीं मिली बड़े दबाव के बाद तीन हजार रुपए की रकम वापस मिला है पीड़ित ने पुलिस चौकी में शिकायत की है।

अदालत का सम्मन तामील कराने में चौकी इंचार्ज कर रहे वसूली

कौशाम्बी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के पतौना पुलिस चौकी इंचार्ज का भी कारनामा बेहद निराला है अदालत में मुकदमे की सुनवाई के दौरान वादी गवाहों को तलब करने के लिए अदालत द्वारा सम्मन जारी कर पुलिस को भेजा जाता है मुकदमे के वादी और गवाहों को सम्मन की सूचना देने के बदले में चौकी इंचार्ज पतौना एक हजार रुपए की अवैध वसूली बेखौफ कर रहे हैं सम्मन की सूचना देने के बदले पुलिस की वसूली से चलते मुकदमे के गवाहों और वादी में आक्रोश व्याप्त है जिस मुकदमे के गवाह और वादी द्वारा सम्मन शुल्क नहीं नहीं दिया जाता है उनके साथ चौकी इंचार्ज गाली गलौज अभद्रता भी करते हैं। मंझनपुर कोतवाली के देवखर पुर गांव के मिठाई लाल मौर्या की पुत्री की ससुराली जनों ने हत्या कर दी थी मामले में सैनी कोतवाली में ससुराली जनों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है बेटी के हत्या के आरोपीगण जेल में है मामले की सुनवाई में अदालत ने वादी मिठाई लाल मौर्या और उनके बेटों को गवाही देने के लिए सम्मन भेजकर बुलाया जिस पर पतौना पुलिस चौकी इंचार्ज मुकदमा वादी मिठाई लाल मौर्या के घर सम्मन लेकर पहुंचे और एक हजार रुपए की मांग जब परिजनों ने रुपए देने से इंकार कर दिया तो वहीं बीच गांव खुलेआम गाली गलौज करने लगे हैं जिससे मिठाई लाल को आक्रोश व्याप्त हो गया है।

महापुरुषों का सत्संग वह जल हैं जिसमे कौआ स्नान करके हंस बनकर निकलता है : जयगुरुदेव

अखंड भारत संदेश

सत्संग में उपस्थित ग्रामीण महिलाएं

कौशाम्बी। चरवा मंझनपुर 23 दिसम्बर को जय गुरुदेव धर्म प्रचारक संस्था मथुरा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूज्य पंकज जी महाराज की अगुवाई में निकली 80 दिवसीय 6 प्रान्तीय शाकाहार सदाचार एव मछनिषेध आध्यात्मिक जनजागरण यात्रा अपने चौथे पड़ाव ग्राम काजू की पहुची कल सांयकाल यहाँ उपस्थित सत्सागी धर्म प्रेमी भाई बहनो ने यात्रा का जोरदार स्वागत किया गुरुवार को यहाँ आयोजित जय गुरुदेव सत्संग समारोह में पंकज जी महाराज ने प्रवचन करते हुए कहा महापुरुषों का सत्संग वह जल हैं जिसमे कौआ स्नान करके हंस बनकर निकलता है सत्संग में किसी ब्यक्ति की जाति धर्म महजब की निंदा आलोचना नही की जाती बल्कि यहाँ तो प्रभु की भक्ति की प्रेरणा दी जाती हैं उन्होंने कहा जब हम संसार मे पैदा हुये तो न तो कोई जाति बिरादरी लेकर न नाम लेकर आये जब बड़े हुये तो अपना फैलाव कर लिया धन दौलत नाते रिस्ते बना लिया इस दुनिया को अपना मान बैठे दुनिया की ऐशो इशरत शराबों कबाबों में इंसान सुख ढूंढने लगा चरित्र पतन जैसे कार्यो को करते हुये मानव कैसे सुख प्राप्त कर सकेगा परमात्मा का भजन भक्ति का जो काम करना था उसे भूल गये जबकि परमात्मा ने बड़ी दया करके यह मानव तन आत्मा कल्याण करने के लिए दिया है। उन्होंने कहा प्रभु संतों महात्माओ फकीरों को अपने देश से लोगों को समझने चेताने के लिए भेजते हैं वे यहाँ आकर मानव जीवन पाने का असली उददेष्य बताते हैं साथ ही जब वे साधन करके दैवी लोको में जाते हैं तो खोटे बुरे कर्मो के करने वाले जीवों को नाकों में मिल रही कठोर यातनाओं को देखते हैं तो बहुत दुःखी होते हैं इसलिए वे अपनी वाणियो में उनका वर्णन करते हैं महाराज जी ने बताया कि मनुष्य शरीर असली हरि मंदिर हैं वह परमात्मा जब भी मिलेगा अपने इसी वजूद के अंदर मिलेगा परमात्मा की भजन भक्ति खुदा की इबादत के लिए शाकाहारी सदाचारी तथा नाशो से मुक्त होने जरूरी हैं वर्तमान में समाज में हिसा व अपराध की बाढ़ती प्रव्रत्ति अशुद्ध खान पान के कारण है हमारी आप से अपील हैं आप सभी मानव धर्म मानव कर्म अपनाये मानव धर्म क्या है एक दूसरे से प्रेम करे निःस्वार्थ भाव से एक दूसरे की सेवा करे दयावान बने बाबा जयगुरुदेव के उत्तराधिकारी ने कलयुग में सरल साधन सुरत शब्द योग नाम योग का उपदेश किया और समझाया कि इस कलयुग में साधना की तीन ही किया सुमिरन ध्यान भजन हैं नाम का मौन जप सुमिरन हैं दृष्टि को एकाग्र करके नौ दरबाजे पर फैली आत्मा की शक्ति का सिमटाव कर आखो के मध्य भाग में लाना ध्यान हैं दोनों कानो के मध्य में वह जलवा हो रहा है जिसे देखकर बड़े बड़े मुनि ऋषि योगी पीर पैगम्बर औलिया कुर्बान हो गए सन्त जन इसके आगे जाते हैं इसलिए भाई बहनों अपने आत्मकल्याण की कुछ चिंता करके भगवान की भी याद करे महाराज जी जयगुरुदेव आश्रम मथुरा में आगामी 18 मार्च 20 से 22 मार्च तक आयोजित होने वाले होने वाले सत्संग में पधारने का निमंत्रण दिया इस अवसर पर जयगुरुदेव संगत जिला कौशाम्बी के जिलाध्यक्ष घनश्याम सिंह विधायक संजय कुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।

लकड़ी माफिया पर वन रेंजर मेहरबान आम महुआ गूलर के पेड़ों का कटान जोरो पर

कोखराज कौशाम्बी। थाना कोखराज क्षेत्र के लकड़ी माफिया हरियाली खत्म करने में लगे है वन विभाग के रेंजर पासर वा लकड़ी माफियाओं पर लगाम नही लगा पाये आम महुआ, गुलर ,नीम, आदि हरे फलदार पेडों को लकड़ी माफिया दिन रात काट कर ले जा रहे हैं जिससे आने वाले पीढ़ी को फिर से ऑक्सीजन की कमी झेलना पड़ेगा तमाम हरे पेडों की लकड़ियों से लदी गाड़ी रोड पर खुलेआम दौड़ रही हैं।लेकिन जिम्मेदारो को यह नही दिखाई देता बल्कि कोखराज का पासर जो थाने की मुखबिर कर लकड़ी माफियाओं की मदद करने में लगा रहता हैं रोज रात को लकड़ी माफियाओं के साथ शराब का गिलास लड़ाता नजर आता हैं।इस हरकत से पुलिस के भी होश उड़ गए हैं। लकडी माफियाओं का कोखराज का पासर ही लेता था पूरे कोखराज क्षेत्र का टेंडर पुलिस के दहशत का माहौल भी इस पासर ने खत्म कर दिया हैं लकड़ी लदी गाड़ी को पुलिस ने पकड़ने का प्रयास किया लेकिन पासर के गुणा गणित ने उसे बचा लिया है अब पुलिस की निगाह पासर व लकड़ी माफियाओं के ऊपर टेडी होती दिख रही हैं।

संजय गुप्ता पर झूठे आरोप लगाकर पत्रकारिता को कलंकित कर रहे हैं अमरनाथ

तर्कपूर्ण लिखने के बजाए घिनौने ऊलजलूल शब्दो के प्रयोग के पीछे आखिर मंशा क्या

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। आज कल चायल के एक पत्रकार और विधायक के बीच जो अजब युद्ध चल रहा है। यह बेहद निंदनीय है पत्रकारिता में बिना तथ्य के खबरे लिख कर किसी की मान प्रतिष्ठा पर कुठाराघात करना पत्रकारिता नही हो सकती किसी स्वार्थ गहरी साजिश के तहत चायल विधायक को बदनाम किया जा रहा है लेकिन क्या झूठे तथ्यों पर जनता को बरगलाने का प्रयास करने वाले अमरनाथ झा जनता का विश्वास कायम कर पाएंगे। वेवजह के विवाद पैदा करने के पीछे बड़े दबाव की मंशा उजागर हो रही है कही संजय गुप्ता विधायक को बदनाम करने के ठेके लेकर इस तरह ऊल जलूल खबरे लिखी जा रही है और इस तरह की मंशा हालांकि पत्रकार की कलम से नही लगाई जा सकती घिनौनी पत्रकारिता पर ही दलाल शब्द का प्रयोग शुरू हो जाता है। चूंकि मैं कौशांबी की पत्रकारिता में काफी लंबे वक्त से जुड़ा हूं। संजय गुप्ता और अमरनाथ झा दोनो को जानता हूं। मैं इस मुद्दे पर लगातार लिखने से बच रहा था लेकिन अब लिखना जरूरी समझा विरोधियों ने जिस तरह अमर नाथ झा को विधायक संजय गुप्ता के खिलाफ मोहरा बनाया है मौके पर दगाबाजी करने से वह बाज नही आएंगे। तमाम पत्रकारों ने कहा कि अमरनाथ झा की इस हरकत से पत्रकार कहना ही पत्रकार शब्द की अवहेलना है। क्योंकि यह दफ्तर में कम थाने-चौकी और रेलवे के ठेके के लिए दफ्तरों का ही चक्कर लगाता नजर आता है। लोगो का कहना है कि संजय गुप्ता तो व्यापारी जात के हैं उनके पास तो संपत्ति होगी लेकिन अमरनाथ बताए कि उसके पास कहां से इतना पैसा आ रहा है अमरनाथ इसका जवाब नहीं दे पाएगा, क्योंकि किसी को ब्लैकमेल करके जब पैसा हासिल किया जाता है तो उसके बारे में किसी को बताया नहीं जाता। आज जो दूसरों के चरित्र पर उंगली उठा रहा है वह अपना गिरेबान झांके। जिन लोगों से अमरनाथ झा साथ खड़े की उम्मीद लगाए बैठे हैं वह मौका आने पर धोखा जरूर दे जाएंगे इसलिए अमरनाथ झा को भी बेवजह के विवाद से बचना होगा। हमारी पत्रकार विरादरी के कुछ लोग इसको पुदीना के पेड़ की झाड़ में चढ़ा कर तमाशा देखना चाहते है पहले भी ऐसे तमाम समय अमरनाथ के सामने आए हैं जब एक भी पत्रकार ने उनका साथ नहीं दिया है इसलिए इन्हें आगे सोच समझकर अपने कदम और कलम चलाने होंगे आप देखेंगे कि कोई भी पत्रकार इसके साथ कहीं खड़ा नहीं होता क्योंकि हम पत्रकारों को अपना कर्तव्य मालूम है, हम पत्रकारिता करते हैं हम न किसी से मोबाइल नही मांगते हैं पत्रकारिता का चोला पहनकर रेलवे में ठेके के लिए जुगाड़ नही लगाते हैं। आप सब से यही कहना है कि संजय गुप्ता के पक्ष में खड़े हो या न हो लेकिन दलाल अमरनाथ की खबरों पर विचार जरूर करिए। क्योंकि इस आदमी ने पूरे प्रदेश में कौशांबी की पत्रकारिता को बदनाम करके रख दिया है अमरनाथ झा की घिनौनी हरकत की निंदा पत्रकार समाज कर रहा है।

चायल विधायक ने कार्यवाही के लिए एसपी को लिखा पत्र

कौशाम्बी। विधानसभा चायल के विधायक संजय कुमार गुप्ता ने पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखते हुए कहा है कि विधानसभा चुनाव के नजदीक होते ही कुछ साजिशें ऐसी रची जाने लगी जो मयार्दा के विपरीत है अमरनाथ झा नाम के एक व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया पर पहले टिकट को लेकर अफवाह फैलाने का प्रयास किया गया उन्होंने कहा कि फिर मुझे सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा धारक बताते हुए मुझे भू-माफिया बताने का प्रयास किया गया जिस पर मेरे द्वारा थाना कोखराज में दिनाँक 03-12-2021 अपराध सं0- 536 ऋकफ दर्ज कराई गयी ऋकफ दर्ज होने के कुछ दिनों पश्चात मेरे ऊपर जान से मारने की नियत से दिनाँक 12-12-2021 को रात्रि हमले का प्रयास किया गया जो मेरे सुरक्षाकर्मियों की सक्रियता से उन हमलवारों को भागना पड़ा जिसकी ऋकफ अपराध सं0-0405 दिनांक 12-12-2021 पुरामुफ्ती थाने में दर्ज है जिसमें हमलवारों की गिरफ्तारी व गाड़ी बरामद भी की गयी है अपने मंसूबे में कामयाब न होता देख मेरे शत्रुओं ने फिर से अमरनाथ झा को मोहरा बनाकर सोशल मीडिया पर नीचता की हदों को पार करते हुए दिनांक 22-12-2021 को घिनौने से घिनौने आरोप मुझ पर लगाकर सोशल मीडिया में वायरल करने लगे।चायल विधायक संजय गुप्ता ने अपने पत्र के माध्यम से कहा कि मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि मेरे राजनैतिक शत्रु जो जनमत से मुझे नहीं पीछे कर पा रहें हैं, उन्होनें मुझे रास्ते से हटाने की साजिश रची और जब अपने साजिश में अविफल हो गये तो अमरनाथ झा के माध्यम से घिनौने आरोप लगवाकर समाज में मेरी छवि खराब करने का प्रयास कर रहें है उन्होंने कहा कि चुँकि अमरनाथ झा एक अपराधी प्रवृत्ति का व्यक्ति है इनके विरूद्ध कई थानों में अपराधिक मुकदमें पंजीकृत है, मैने स्वयं अपने सूत्रों से जो जानकारी प्राप्त की उससे यह ज्ञात हुआ कि मेरे सभी राजनीतिक विरोधी एकजुट होकर मेरे विरुद्ध अपराधिक षडयंत्र रच रहे है, जिसमें अमरनाथ झा भी शामिल हैं।पत्र लिखकर चायल विधायक संजय कुमार गुप्ता ने पुलिस अधीक्षक से कहा कि आप तत्काल एक उच्चस्तरीय जाँच टीम का गठन करते हुए अमरनाथ झा के संचालित लगभग आधा दर्जन नम्बरों आदि को ट्रैश करते हुए यह पता लगाए कि इनका सम्पर्क किन-किन लोगों से है और यह किसके इशारे पर मोहरा बन के अपराधिक षडयंत्र का हिस्सा बनते हुए घिनौनी हरकतों को अंजाम दे रहे हैं, उन्होंने कहा कि कुछ साक्ष्य मेरे द्वारा भी जाँच टीम को उपलब्ध कराये जायेगें। आप जाँचोपरांत सभी दोषी व्यक्तियों के विरूद्ध सुसंगत धाराओं में विधिक कार्यवाही करने के लिए उन्होंने एसपी को पत्र लिखा है।

सम्पादकीय

संसद की शान का सवाल

संसद का शीतकालीन सत्र समय से पहले ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। 29 नवंबर से शुरू हुए सत्र को 23 दिसंबर तक चलना था, लेकिन दोनों सदनों में बुधवार सुबह ही कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। इस सत्र के दौरान कृषि विधि निरसन विधेयक 2021, राष्ट्रीय औषध शिक्षा अनुसंधान संस्थान संशोधन विधेयक 2021, केंद्रीय सतर्कता आयोग संशोधन विधेयक 2021, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन संशोधन विधेयक 2021 और निर्वाचन विधि संशोधन विधेयक 2021 जैसे महत्वपूर्ण विधेयक पेश किये गए। 20 दिसंबर को वर्ष 2021-22 के लिए अनुदान की अनुपूरक मांगों के दूसरे बैच पर चर्चा हुई। यानी ये सोच कर खुद को बहलाया जा सकता है कि संसद का पूरा सत्र बेकार नहीं गया, थोड़ा बहुत काम भी हुआ है। हालांकि ये काम किस तरह से हुआ, इस पर गंभीरता से सोचा जाए, तो समझ आएगा कि संसद में लोकतंत्र का वजन कितना हल्का कर दिया गया है। इस सत्र की महत्वपूर्ण उपलब्धि कृषि निरसन विधेयक को मान सकते हैं। क्योंकि जिन कृषि कानूनों को इस विधेयक के जरिए निरस्त किया गया, उन्हें खारिज करने की मांग के कारण ही साल भर से लंबा किसान आंदोलन चला। कम से कम 7 सौ किसानों की मौत इस दौरान हुई। सरकार ने इन कानूनों को लेकर पर्याप्त अड़ियल रवैया दिखाया और जब लगा कि चुनावों में इन कानूनों के कारण मुश्किल आ सकती है, तो उन्हें रद्द करने का विधेयक भी पारित हो गया। हालांकि ये विधेयक भी बिना किसी चर्चा के चंद मिनटों में पारित हुआ। सरकार ने अपने बहुमत से निर्वाचन विधि संशोधन विधेयक को भी पारित करा लिया है, जिसके बाद मतदाता पहचान पत्र को आधार कार्ड से जोड़ना अनिवार्य हो जाएगा। कांग्रेस, वामदल, टीएमसी जैसे तमाम विपक्षी दलों ने सरकार के इस फैसले का विरोध किया है। इसे निजता के लिए खतरा बताया है। मगर सरकार ने विपक्ष की मांगों पर ध्यान नहीं दिया। गौरतलब है कि मतदान कराना निर्वाचन आयोग का काम है, जो स्वायत्त संस्था है, जबकि आधार कार्ड का जिम्मा यूआईडीएआई के अधीन है, जो सरकार के तहत काम करती है। ऐसे में अगर वोटर आईडी कार्ड और आधार आपस में जुड़ जाएंगे, तो सरकार के लिए सारे वोटर्स की जानकारी लेना आसान हो जाएगा। और चुनाव की निष्पक्षता संदिग्ध हो जाएगी। इतनी बड़ी आबादी में आधार कार्ड और वोटर आईडी कार्ड में नाम या पते को लेकर भी कई बार गड़बड़ियां हो जाती हैं, और ऐसे में अगर दोनों पहचान पत्र आपस में जुड़ जाएंगे तो मतदाता सूची में गड़बड़ी का डर रहेगा और बहुत से लोग मतदान से वंचित हो सकते हैं। फरवरी 2015 में आंध्रप्रदेश और तेलंगाना में यह काम प्रयोग के तौर पर हो चुका है, जिसमें काफी गड़बड़ी पाई गई थी। लेकिन सरकार ने इन बातों को नजरंदाज करके विधेयक पारित करा लिया।

पूरे संसद सत्र में सरकार की यही मनमानी नजर आती रही। सत्र के पहले ही दिन, मानसून सत्र में हुए हंगामे के नाम पर राज्यसभा से 12 सांसदों को निलंबित कर दिया गया। इन सांसदों के निलंबन को वापस लेने के लिए विपक्ष रोजाना संसद के बाहर धरना देता रहा। मंगलवार को भी राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन को राज्यसभा में रूल बुक फेंकने के आरोप में शीतकालीन सत्र के बाकी दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया था। हालांकि ब्रायन ने इस आरोप से इंकार किया और कहा कि वह निर्वाचन विधि संशोधन विधेयक के खतरे के बारे में छह मिनट तक समझाते रहे, लेकिन यह सरकार किसी की नसीहत सुनना नहीं चाहती। इधर लोकसभा में भी लगभग हर रोज लखीमपुर खीरी मामले और अजय मिश्र टेनी की बर्खास्तगी को लेकर हंगामा हुआ। विपक्षी सांसदों ने संसद के बाहर भी मार्च निकाला। विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार से चर्चा की मांग करता रहा, लेकिन सरकार ने मामले के अदालत में विचाराधीन होने के कारण इस पर बात नहीं की। ऐसा लगता है कि सरकार को जब सुविधा होती है, तो वह चर्चा के लिए आगे आती है और जहां सवालों से घिरने का खतरा दिखता है, सत्ता के लिए असुविधा होने लगती है, वहां सरकार किसी न किसी बहाने से हट जाती है। संसद में भारत-चीन विवाद पर भी राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर चर्चा से बचा गया है। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने एक ट्वीट में बताया है कि सितंबर 2020 से लेकर अब तक लोकसभा सचिवालय ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए भारत-चीन सीमा विवाद को लेकर पूछे गए 17 सवालों का जवाब देने से इनकार कर दिया। सरकार की यह बहानेबाजी विपक्ष बार-बार उजागर कर रहा है। इसलिए सत्र को समय से पूर्व खत्म करने का कदम ही सरकार के लिए ठीक रहा। वैसे भी देश के प्रधानमंत्री इन दिनों चुनावी राज्यों में व्यस्त हैं। मोदीजी ने भाजपा सांसदों को तो सदन में उपस्थित रहने की नसीहत दे दी, लेकिन खुद पहले दिन और आखिरी दिन ही सदन में नजर आए। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर और विजय वसंत ने इस बारे में एक पोस्टर भी ट्वीट किया, जिसमें पहले दिन से लेकर 20 दिसम्बर तक लगातार मोदीजी की अनुपस्थिति लगाई गई। जबकि इस दौरान वे उप्र में बार-बार नजर आए। निजीकरण, महंगाई, बेरोजगारी, किसानों, मजदूरों से जुड़े सवाल, कोरोना ऐसे कई मुद्दे थे, जिन पर सरकार को विपक्ष के साथ खुली चर्चा सदन में करना चाहिए थी। मगर जो हश्र मानसून सत्र का हुआ, वही शीतकालीन सत्र का हो गया। हम आलीशान सेंट्रल विस्टा बनते देख रहे हैं, मगर संसद की शान कैसे बने रहे, इस बारे में भी सोचना होगा।

शादी के लिए कानूनी उम्र सीमा 21 वर्ष : सही माहौल हो तो कानून की क्या जरूरत

दीपा सिन्हा

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में लड़कियों की शादी की कानून उम्र 18 से बढ़ाकर 21 वर्ष करने की मंजूरी दी है। हालांकि इसके पीछे मुख्य कारण कम उम्र में होने वाली शादियों को रोकना है, फिर भी इसकी गहराई में जाएं तो कई बातें सामने आती हैं, जिन पर ध्यान देना जरूरी है। आंकड़ों की बात करें, तो नैशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 से यह बात निकली है कि 23 प्रतिशत महिलाओं की शादी 18 वर्ष से कम उम्र में होती है। देश में यह प्रयास चल रहा है कि 18 वर्ष से कम उम्र में लड़कियों की शादी न हो। अब हालात बदल गए हैं और 56 प्रतिशत लड़कियों की शादी 21 वर्ष से कम उम्र में होने लगी है। अगर कानून आ जाता है तो 21 वर्ष से कम उम्र की लड़कियों की शादियां गैरकानूनी हो जाएंगी। इसका मतलब यह हो जाता है कि आज के समय में जितनी शादियां हो रही हैं, उसकी आधी शादियां गैरकानूनी की श्रेणी में आ जाएंगी।

कानून काफी नहीं

इस कानून को कैसे लागू किया जाए, यह ठीक से समझने की जरूरत है। पहली बात, कम उम्र की शादियों का मामला अब घटता जा रहा है। 15-20 सालों से देखा जा रहा है कि लड़कियों की शादी की औसत उम्र बढ़ रही है। इसके अलग-अलग कारण हैं। विस्तार में न भी जाएं तो इतना जरूर कहा जा सकता है कि सिर्फ कानून पारित होने से शादी की उम्र नहीं बढ़ेगी। उसके लिए और भी बहुत कुछ करने की जरूरत है। यह भी कि लड़कियों की शादी की उम्र 18 से 21 वर्ष करने का बहुत कुछ लॉजिक नहीं है। 18 से कम उम्र में वे बच्चे होते हैं और बच्चों का अपना हक होता है। यह माना जाता है कि 18 साल तक लोग अपने-आप निर्णय नहीं ले सकते हैं क्योंकि उनकी इमोशनल, मेंटल, फिजिकल मच्योरिटी अभी आई नहीं होती है। लेकिन 18 साल के बाद जब हम कहते हैं कि वे सरकार चुन सकती हैं या कोई और भी निर्णय ले सकती हैं, तो शादी क्यों नहीं कर सकतीं चाइल्ड मैरिज कानून का ज्यादातर इस्तेमाल कौन करता है यदि इस मसले को हम देखें तो माता-पिता और समुदाय इसका इस्तेमाल तब करते हैं, जब लड़की अपने मन से शादी करना चाहती है। माता-पिता जब उस शादी को पसंद नहीं करते हैं, तब लड़कियां घरों से भाग जाती हैं और चॉइस मैरिज करना चाहती हैं। ऐसे में लड़की के माता-पिता उस कानून का इस्तेमाल करना चाहते हैं, ताकि लड़की अपनी मर्जी से शादी न करे और उसे घर वापस लाया जा सके। अब तक जो कानून चला है, वह लड़कियों की तरफ से नहीं चला है, बल्कि उनके खिलाफ चला है। यह भी सोचने की जरूरत है कि कम उम्र में होने वाली शादियां रोकने के लिए कानून बनाने के साथ-साथ और क्या स्टेप्स लेने चाहिए।

हम फिर से अपने अनुभवों से देखें कि बाल विवाह क्यों होता है, किन परिवारों में होता है तो स्पष्ट होता है कि ज्यादातर गरीब और कम पढ़े-लिखे परिवारों में ऐसा होता है। ये परिवार क्यों ऐसा फैसला करते हैं इसका एक बड़ा कारण यह भी सामने आता है कि माता-पिता को अपनी बेटी की सेफ्टी की बहुत चिंता होती है। उन्हें लगता है कि जब लड़की मच्योर हो जाए तो ज्यादा समय उसे घरों में रखेंगे तो पता नहीं उसे सुरक्षित रख पाएंगे या नहीं। समाज क्या कहेगा स्पष्ट है कि कानून से ज्यादा जरूरी है ऐसा माहौल बनाना, जिससे यह डर नहीं रहे। उन्हें समझाना होगा कि लड़कियां पढ़ाई करना चाहती हैं, नौकरी करना चाहती हैं, तो उन्हें ऐसा करने देने में कोई हर्ज नहीं है। यह भी कि शादी के लिए जल्दीबाजी करने की कोई ठोस, तर्कसंगत वजह नहीं है। अगर आसपास स्कूल, कॉलेज अच्छे हों, पढ़ाई करने के बाद लड़कियों को नौकरियां मिल रही हों, तब अपने आप ही देखा गया है कि शादी की औसत उम्र खुद ही बढ़ जाती है। एक और जो कारण दिया जाता है कि बाल-विवाह को रोकना जरूरी है तो इसमें देखा जाता है कि लड़कियां किस लेवल तक पढ़ती हैं। लड़कियों को हम जितना पढ़ाएंगे, बाल विवाह उतना कम होगा, न कि जोर-जबर्दस्ती करके अरेंज्ड मैरिज बढ़ाने की कोशिश करने पर। यह अपने आप नहीं होगा। स्कूलों में टॉयलेट की सुविधा दी जाए, स्कूल आने-जाने के आसान साधन उपलब्ध हों, तभी लड़कियां पढ़ पाएंगी। ऐसे में खुद-ब-खुद लड़कियों की सुविधा के अनुरूप माहौल बनेगा। पिछले लगभग 20 वर्षों से हमारे देश में महिलाओं में जो वर्कफोर्स पार्टिसिपेशन है, वह घटता आ रहा है। वह इसलिए घटता आ रहा है कि महिलाओं के लिए खेती के अलावा कामकाज का विकल्प ही नहीं है। अगर पढ़ी-लिखी भी हों, तो उन्हें उस तरह की नौकरी नहीं मिल पा रही है। अगर पढ़ने-लिखने का मौका दिया जाए, नौकरी दी जाए और समाज में ऐसी स्थिति बनाई जाए जहां असुरक्षा न हो, तो अपने-आप शादी की उम्र बढ़ जाएगी। इस तरह का कानून लाने से उसका इस्तेमाल लड़कियों को उनकी पसंद चुनने से रोकने और उनकी फ्रीडम को कम करने के लिए किए जाने का डर रहेगा। पूरी दुनिया में हम जहां भी देखें, लड़के-लड़कियों के लिए शादी की उम्र सीमा 18 साल ही होती है।

शिक्षा और रोजगार

एक पहलू यह भी है कि बच्चे जल्दी न हों, नहीं तो महिलाओं का स्वास्थ्य खराब होगा। इसके लिए जबरदस्ती कानून लाने का तरीका ठीक नहीं है। सही तरीका यह होगा कि शिक्षा और रोजगार के स्तर पर विमिन एंपावरमेंट को तवज्जो दी जाए। अगर महिलाओं की स्थिति को हम बेहतर करना चाहते हैं, तो अभी बहुत सारे काम करने हैं। जैसे अबॉर्शन रोकना, हिंसा रोकना, दहेज खत्म करना। ज्यादा अच्छा होता कि सरकार इन चीजों पर ज्यादा जोर देती।

बांग्लादेश का मुक्ति संघर्ष : इंदिराजी ने हर मोर्चे पर सफलता हासिल की थी

एल. एस. हरदेनिया

बांग्लादेश के विश्व के मानचित्र पर आने ने यह सिद्ध किया कि धर्म आधारित देश ज्यादा दिन तक नहीं टिकते और न विकास कर पाते हैं। धर्म से ज्यादा भाषा देशों को एक रखती है। बांग्लादेश के निवासियों ने यह घोषित किया था कि बांग्ला हमारी भाषा है। हम पर उर्दू नहीं लादी जा सकती। बांग्लादेश ने एक और चौंकाने वाला काम किया। बांग्लादेश ने रवीन्द्रनाथ टैगोर लिखित 'सोनार बांग्ला' को अपना राष्ट्रगान बनाया। यह आश्चर्य और गर्व की बात है कि दो देशों के राष्ट्रगानों के रचयिता एक ही कवि हैं। जब सोवियत संघ के महान नेता स्टालिन की मृत्यु हुई थी तब तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा था कि स्टालिन जैसी श्रद्धांजलि श्रीमती इंदिरा गांधी को दी जा सकती है। बांग्लादेश के संघर्ष के दौरान जिस सक्षमता से उन्होंने देश का नेतृत्व किया उसे विश्व के युद्धों के इतिहास में स्वर्णाक्षरों से लिखा जाएगा। यहां यह स्मरण करना प्रासंगिक होगा कि बांग्लादेश का युद्ध उन्होंने प्रारंभ नहीं किया था। वह हम पर लादा गया था। पाकिस्तान में हुए चुनावों में मुजीबुर रहमान के नेतृत्व वाली अवामी लीग ने विजय हासिल की थी। इसके बावजूद पश्चिमी पाकिस्तान के नेताओं ने उन्हें सत्ता नहीं सौंपी। वोट द्वारा प्राप्त बहुमत को खो देने से पूर्वी पाकिस्तान में असंतोष फैला। असंतोष को दबाने के लिए जबरदस्त ज्यादतियां की गईं। हत्याएं की गईं, महिलाओं की इज्जत लूटी गई। अत्याचार से परेशान होकर लाखों पूर्वी पाकिस्तानियों ने हमारे देश में शरण ली।इतनी बड़ी संख्या में शरणार्थियों के आने से हमारे देश में तरह-तरह की समस्याएं पैदा हुईं। इसके कारण युद्ध जैसी स्थिति पैदा हो गई। देश में पैदा स्थिति से दुनिया को अवगत कराने के लिए इंदिराजी ने बड़ा कूटनीतिक अभियान प्रारंभ किया। इस अभियान के अंतर्गत स्वयं उन्होंने भी अनेक देशों की यात्राएं कीं। वे इस सिलसिले में तत्कालीन अमरीकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन से मिलीं। मुलाकात असफल रही। इस पर तत्कालीन अमरीकी विदेश मंत्री हैनरी किसिंजर ने इंदिराजी से कहा, 'मैडम प्राईम मिनिस्टर क्या आपको नहीं लगता कि राष्ट्रपति के प्रति आप कुछ और धैर्य का प्रदर्शन कर सकतीं थीं'। इंदिराजी का जवाब था- 'आपके बहुमूल्य सुझाव के लिए धन्यवाद मिस्टर सेक्रेटरी। भारत विकासशील देश अवश्य है किंतु हमारी रीढ़ की हड्डी सीधी और मजबूत है। अत्याचार का सामना करने के लिए हमारे पास इच्छाशक्ति और संसाधन हैं। हम साबित कर दिखाएंगे कि वे दिन गए जब कोई शक्ति हजारों मील दूर बैठकर किसी देश पर शासन कर सके।' मेरी राय में इस भाषा में दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश के प्रतिनिधि से इंदिराजी ही बातचीत कर सकतीं थीं।

इंदिराजी ने इस नाजुक घड़ी में देश को एक रखा व प्रतिपक्ष के नेताओं का भरपूर सहयोग लिया। उस समय इंदिराजी ने देश के सबसे सम्मानीय गैर-राजनीतिक नेता जयप्रकाश नारायण को भारत के प्रतिनिधि के रूप में अनेक देशों में भेजा। पश्चिमी जर्मनी की उनकी यात्रा का विवरण अटल बिहारी वाजपेयी मंत्रिपरिषद में वित्तमंत्री रहे यशवंत सिन्हा ने अभी हाल में जारी अपने लेख में दिया है। इंदिराजी ने जेपी को जर्मनी इसलिए भेजा क्योंकि उस समय वहां के चांसलर विल्ली ब्रांइट थे। ब्राइंट सुप्रसिद्ध सोशलिस्ट नेता थे और जयप्रकाशजी के अच्छे मित्र थे। यशवंत सिन्हा उस दौरान जर्मनी की राजधानी बॉन स्थित भारतीय दूतावास में फर्स्ट सेक्रेटरी (कर्मशियल) के पद पर पदस्थ थे। जयप्रकाशजी ने विश्व के अनेक समाजवादी नेताओं से संपर्क किया। इसी तरह इंदिराजी ने अटलबिहारी वाजपेयी की सेवाओं का भी उपयोग किया। उन्होंने एक संदेश देकर वाजपेयीजी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के तत्कालीन सरसंघ चालक गुरू गोलवलकर के पास भेजा। उन्होंने देश में शांति बनाए रखने में आरएसएस की मदद मांगी। यशवंत सिन्हा अपने लेख में कहते हैं कि बांग्लादेश के घटनाक्रम ने यह सिद्ध किया कि कूटनीतिक, सैनिक और देश को एक रखने के मोर्चों पर इंदिराजी ने जो सफलता हासिल की वह इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखी जाएगी। सिन्हा ने अपने लेख में कहा कि ऐसी महान सफलता का उत्सव मनाते समय इंदिराजी को याद न करना (वर्तमान केन्द्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की) घटिया और तुच्छ मनोवृत्ति के अलावा कुछ नहीं है। कम से कम प्रधानमंत्री से तो यह ऐसी अपेक्षा नहीं है।

बांग्लादेश के विश्व के मानचित्र पर आने ने यह सिद्ध किया कि धर्म आधारित देश ज्यादा दिन तक नहीं टिकते और न विकास कर पाते हैं। धर्म से ज्यादा भाषा देशों को एक रखती है। बांग्लादेश के निवासियों ने यह घोषित किया था कि बांग्ला हमारी भाषा है। हम पर उर्दू नहीं लादी जा सकती। बांग्लादेश ने एक और चौंकाने वाला काम किया। बांग्लादेश ने रवीन्द्रनाथ टैगोर लिखित 'सोनार बांग्ला' को अपना राष्ट्रगान बनाया। यह आश्चर्य और गर्व की बात है कि दो देशों के राष्ट्रगानों के रचयिता एक ही कवि हैं। इसके अलावा बांग्लादेश ने हमारे देश की तरह धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र को अपना आधार बनाया। बीच में वहां साम्प्रदायिक शक्तियों ने सिर उठाया था परंतु वहां की जनता ने उन्हें शिकस्त दी। हम अपने देश में कैसे इस तरह की शक्तियों को शिकस्त दे सकते हैं यह हमें बांग्लादेश के बहादुर नागरिकों से सीखना चाहिए। बांग्लादेश के निर्माण के पीछे इंदिराजी की दूरदर्शिता थी जिसके अंतर्गत उन्होंने सोवियत संघ से बीस वर्ष की मैत्री संधि की थी। संधि में यह प्रावधान किया गया था कि दोनों देशों में से किसी पर बाहरी आक्रमण होने की स्थिति में दोनों एक-दूसरे की हर संभव मदद करेंगे। संभवतः इसी प्रावधान के कारण अमेरिका ने अपनी नौसेना के सातवें बेड़े को वापिस बुला लिया था। वियतनाम के बाद यह अमेरिका की दूसरी बड़ी शिकस्त थी।

शिक्षा सुधार है रोजगार की कुंजी

भरत झुनझुनवाला

केंद्र सरकार का कहना है 2018 में प्रॉविडेंट फंड की सदस्यता लेने वाले श्रमिकों में 70 लाख की वृद्धि हुई है। लेकिन प्रॉविडेंट फंड की सदस्यता में वृद्धि और रोजगार में वृद्धि दो अलग-अलग बाते हैं। 2018 का समय नोटबंदी और जीएसटी का था। इन नीतियों के कारण छोटे उद्योग कम हुए थे और बड़े उद्योग बढ़े थे। छोटे उद्योग ही ज्यादा रोजगार बनाते थे। इसलिए यदि छोटे उद्योगों में 100 कर्मी बेरोजगार हुए तो हम मान सकते हैं कि बड़े उद्योगों में 50 रोजगार बने होंगे। कुछ रोजगार में 50 की गिरावट आई। लेकिन जिन 50 को रोजगार मिला वे प्रॉविडेंट फण्ड के सदस्य बने चूंकि वे बड़े उद्योगों में कार्यरत थे इसलिए प्रॉविडेंट फण्ड की सदस्यता में 50 सदस्यों की वृद्धि हुई जबकि साथ-साथ कुल रोजगार में 50 श्रमिकों की गिरावट आई। इसीलिए केंद्र सरकार द्वारा की गई सामयिक श्रम सर्वे में कहा गया कि 2012 एवं 2018 के बीच अपने देश में शहरी बेरोजगारी में तीन गुना वृद्धि हुई है। और गम्भीर विषय यह है कि यदि मान भी लें कि 2018 में 70 लाख नये रोजगार बने तो भी बेरोजगारी की समस्या का निदान नहीं होता है क्योंकि अपने देश में हर वर्ष 120 लाख नये युवा श्रम बाजार में प्रवेश कर रहे हैं। इनमें से यदि 70 लाख को रोजगार मिल भी गए तो भी 50 लाख युवा बेरोजगार ही रह जायेंगे। समस्या के गंभीर होने के दूसरे संकेत उपलब्ध हैं। केन्द्र सरकार द्वारा जारी की गई उपरोक्त सामयिक श्रम सर्वे के अनुसार 2012 से 2018 के बीच शहरी बेरोजगारी की दर में 3 गुना वृद्धि हुई है। इसी सर्वे के अनुसार 2018 में अपने देश में 15 से 24 वर्ष के लोगों में 28.5 प्रतिशत बेरोजगार थे जो कि विश्व की प्रमुख अर्थ व्यवस्थाओं में अधिकतम था। इसी सर्वे के अनुसार 2012 से 2018 के बीच वेतन में भी गिरावट आई है। जैसे मान लीजिये आपका 2012 में वेतन 100 रुपये प्रति दिन था। वृद्धि हुई और 2018 में आपका वेतन 110 रुपये प्रतिदिन हो गया। वेतन में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई। लेकिन मान लीजिये इसी अवधि में जो टॉफी 2012 में 1 रुपये में मिलती थी वह 2018 में 1.50 रुपये में मिलने लगी। ऐसा हुआ तो आपके वास्तविक वेतन में कटौती हुई। 2012 में आप एक दिन के वेतन में 100 टॉफी खरीद सकते थे। 2018 में एक दिन के वेतन में आपको केवल 55 टॉफी मिलेंगी चूंकि वेतन में वृद्धि कम और टॉफी के दाम में वृद्धि ज्यादा हुई है। इसलिए केंद्र सरकार द्वारा की गई सर्वे में कहा गया कि 2012से 2018 के बीच वास्तविक वेतन में 1.7 प्रतिशत की गिरावट आई है। अतः बेरोजगारी की समस्या को झुठलाने से काम नहीं चलेगा। इसके मूल कारणों का निवारण करना होगा।

बेरोजगारी की समस्या का प्रमुख कारण तकनीकी बदलाव है। जैसे पूर्व में बैंक में खाते क्लर्कों द्वारा रखे जाते थे। अब यह कार्य कम्प्यूटर से होने लगा है। बैंक की कई शाखाओं में केवल दो या तीन कर्मी काम करते हैं। कम्प्यूटर ने श्रमिकों की जरूरत को कम कर दिया है। लेकिन साथ-साथ बैंकों का प्रसार बढ़ा है और शाखाओं की संख्या बढ़ी है। इनमें नये रोजगार उत्पन्न हुए हैं। इतिहास पर गौर करें तो किसी समय यातायात का प्रमुख साधन घोड़ा गाड़ी हुआ करती थी। इसके बाद कार का आविष्कार हुआ जिसके कारण घोड़ा गाड़ी चलाने वाले बेरोजगार हो गये। लेकिन कार के चलन का विस्तार हुआ इनके उत्पादन और मरम्मत में नये रोजगार बने। इनके लिए सड़क और फ्लाईओवर बनाने में भी रोजगार बने। इसलिए घोड़ा गाड़ी में रोजगार में गिरावट के बावजूद यातायात क्षेत्र में कुल रोजगार बढ़े। वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का खतरा हमारे सामने है। तमाम कार्य जैसे हड्डी में फ्रैक्चर को पहचानना अथवा खून के रुग की जांच करना अब कम्प्यूटर द्वारा किये जाने लगे हैं। ऐसा होने से रेडियोलाजिस्ट और पैथोलाजिस्ट के रोजगार पर संकट आने को है। लेकिन जिस प्रकार घोड़ा गाड़ी के समाप्त होने के बावजूद कार के चलन से कुल रोजगार में वृद्धि हुई; उसी प्रकार आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से तमाम नये उत्पाद बन सकते हैं जैसे आपके मनपसन्द प्लाट का सिनेमा बनाना अथवा वीडियो मिक्स करना इत्यादि। अतः हमें अपने युवाओं को रोजगारों की इन नई संभावनाओं को पकड़ने को प्रशिक्षित करना होगा।

यहां प्रमुख समस्या हमारी शिक्षा व्यवस्था की है। वर्तमान में युवाओं का रुझान सरकारी नौकरियों की तरफ बना हुआ है, बावजूद इसके कि सरकारी नौकरियों की संख्या में कमी आई है। लेकिन सामान्य शिक्षा वाले प्राइमरी सरकारी स्कूल के टीचर को आज 50 से 70 हजार रुपये प्रति माह मिलता है जबकि एक ट्रेंड नर्स अथवा डाटा इंट्री आपरेटर को बमुश्किल 15 हजार रुपये प्रतिमाह मिलता है। इसलिए युवाओं को नर्स अथवा डाटा इंट्री आपरेटर की क्षमता हासिल करने में रुचि नहीं है। उनका पूरा ध्यान सरकारी नौकरी हासिल करने की तरफ मात्र रहता है। वास्तविक 'शिक्षा' ग्रहण करने में उनकी रुचि नहीं है। सरकार को चाहिए कि सरकारी कर्मियों और साधारण नागरिकों जैसे नर्स के वेतन के बीच संतुलन स्थापित करे जिससे सरकारी नौकरी का मोह कम हो और हमारे युवा सच्ची पढ़ाई पर ध्यान दें। इस दिशा में सरकार को प्राइमरी स्तर पर ही अंग्रेजी भाषा और कम्प्यूटर शिक्षा को अनिवार्य कर देना चाहिए जिससे कि युवा आने वाले समय में कम्प्यूटर आधारित रोजगार जैसे पुस्तकों का अनुवाद करना अथवा वीडियो मिक्स करना जैसे कार्यों को स्वयं कर सकें और अपनी जीविका अर्जित कर सकें। हमें इस चिंता में नहीं रहना चाहिए कि अंग्रेजी को अपनाने से हमारी संस्कृति की हानि होगी।

महिलाओं के बीच मोदी

सर्वमित्रा सुरजन

मुद्दा केवल महिलाओं की सुरक्षा ही नहीं है, उन्हें हर तरह से पुरुषों के बराबर खड़ा करने के लिए माहौल बनाने का भी है। यानी पढ़ाई, नौकरी, व्यवसाय, राजनीति में प्रतिनिधित्व हर तरीके से महिलाओं को बराबरी का दर्जा मिलना चाहिए। इस मामले में प्रियंका गांधी ने बाकी सारे दलों से बढ़त हासिल कर ली है। कांग्रेस ने महिलाओं को 40 प्रतिशत टिकट देने का ऐलान किया है। भाजपा और संघ महिलाओं को आगे नहीं आने देते, ये आरोप अक्सर विपक्षी लगाते हैं। संघ के नेताओं ने अतीत में कई ऐसे बयान दिए भी हैं, जिससे ये लगता है कि महिलाओं को वो केवल घर-गृहस्थी संभालने और बच्चे पैदा करने की भूमिका से आगे नहीं बढ़ने देना चाहते। लेकिन आज की राजनीति में महिलाओं को साथ लिए बिना किसी की चुनावी नैया पार नहीं उतरेगी, ये भी एक कड़वा सच है। और ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री मोदी ने इस सच को स्वीकार कर लिया है। तभी तो प्रधानमंत्री प्रयागराज में एक नए तरह के कुंभ में महिलाओं के बीच पहुंचे। संगम नगरी प्रयागराज में मंगलवार को भाजपा ने मातृशक्ति महाकुंभ आयोजित किया, जिसमें हिस्सा लेने खासतौर पर प्रधानमंत्री पहुंचे। कहा गया कि स्वसहायता समूह की महिलाओं से मोदीजी संवाद करने पहुंचे। लेकिन संवाद तो तब होता है जब दोनों तरफ से बराबर की बात हो। लेकिन मोदीजी के मामले में दोतरफा बातचीत अक्सर मन की बात में तब्दील हो जाती है। खैर, इस कार्यक्रम के लिए उप्र के 75 जिलों से ढाई लाख महिलाओं का जमावड़ा प्रयागराज में लगाया गया है। पूरे राज्य में आठ हजार बसों से लगभग ढाई लाख महिलाओं को प्रयागराज लाया गया। इस नए तरह के कुंभ के आयोजन में प्रदेश सरकार कई दिनों से लगी थी।

मोदीजी को और महिलाओं को खुश करने के सारे इंतजाम उप्र सरकार ने किए, ताकि यह महाकुंभ सफल हो और प्रधानमंत्री से ढेर सारी घोषणाएं सुनकर महिलाएं खुशी-खुशी अपने घरों को लौट जाएं। और जब चुनाव की बारी आए तो कमल पर बटन दबा दें। लेकिन यह सब क्या इतना आसान होगा। क्या कुछ करोड़ की घोषणा कर भाजपा महिलाओं को यह एहसास करा पाएगी कि उनके बेहतर भविष्य के लिए भाजपा का सत्ता में लौटना ही सही है। क्या प्रधानमंत्री के स्वरोजगार और स्वावलंबन पर दिए भाषण को सुनकर, महिलाएं आत्मनिर्भर हो जाएंगी या इसके लिए सरकार को ऐसे कदम भी उठाने पड़ेंगे, जिससे महिलाओं को वाकई अपने पैरों पर खड़ा होने की हिम्मत और अवसर मिल सकें। ये सारे सवाल इस आयोजन से एक बार फिर उठ खड़े हुए। सवाल ये भी है कि पांच सालों में योगी सरकार ने ऐसा क्या किया जिससे महिलाएं फिर से भाजपा को वोट दें। या पांच सालों में कुछ नहीं किया , इसलिए अब इस तामझाम की जरूरत पड़ रही है। वैसे एनसीआरबी के आंकड़े तो बताते हैं कि साल 2017 में महिलाओं के खिलाफ अपराधों के दर्ज मामले 56 हजार के पार थे, और अगले दो साल यानी 2018 और 2019 में महिलाओं के खिलाफ किए गए अपराधों की संख्या बढ़कर 60 हजार के करीब पहुंच गई। हालांकि साल 2020 के आंकड़ों में ये संख्या घटकर 49 हजार रह जाती है। इन आंकड़ों को देखकर तो लगता नहीं कि योगी सरकार ने अखिलेश सरकार से कोई बेहतर काम महिलाओं की सुरक्षा के लिए किया है, क्योंकि अखिलेश यादव के कार्यकाल के चौथे वर्ष में यानी साल 2016 में ये आंकड़ा 49,262 था। हाल ही में एक आरटीआई में खुलासा हुआ है कि राज्य में हर रोज औसतन 3 लड़कियां गायब हो रही हैं। इसका एक बड़ा कारण मानव तस्करी हो सकता है। वैसे एनसीआरबी ये आंकड़े जारी करे न करे, उप्र में रहने वाला हर नागरिक जानता है कि इस राज्य में माहौल अब तक ऐसा नहीं है कि कोई लड़की आधी रात को अकेले बाहर निकल सके। और उप्र ही नहीं देश के किसी राज्य में अब तक ऐसा माहौल नहीं है। लेकिन इस समस्या को जड़ से समझने और सुधारने की जगह जब उस पर राजनीति होने लगती है, तो फिर केवल बड़ी-बड़ी बातें ही रह जाती हैं, मुश्किल वहीं की वहीं बनी रहती है। उप्र में हाथरस और उन्नाव जैसे भयानक मामले देश ने देखे हैं, जहां पीड़ितों को इंसाफ मिलना तो दूर, उनके साथ ऐसा व्यवहार हुआ कि पुलिस प्रशासन, कानून व्यवस्था और सरकार से जनता का भरोसा हिल गया। महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वाला अगर रसूखदार हुआ तो फिर उस पर कानूनी कार्रवाई भी मुश्किल हो गई। लेकिन इसके बावजूद कुछ वक्त पहले उप्र भाजपा के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा था कि योगी राज में लड़कियां रात के 12 बजे भी घर से बाहर निकल सकती हैं। किसी की हैसियत नहीं है कि लड़कियों को छेड़ दे और अगर छेड़ देता है तो फिर उसकी खैर नहीं है। यह कोई समाजवादी पार्टी या बहुजन समाज पार्टी की सरकार नहीं है कि लड़कियों के साथ कुछ भी हो जाए। कुछ ऐसा ही बयान अक्टूबर में गृहमंत्री अमित शाह ने भी दिया था कि उप्र में अब 16 साल की लड़की गहने लादकर रात के 12 बजे अपनी स्कूटी पर निकल सकती है। पता नहीं ऐसे दावे किस आधार पर भाजपा नेता करते हैं। अगर इन नेताओं में से ही किसी को कहा जाए कि अपने घर की लड़की को आधी रात को गहनों से लादकर स्कूटी पर बाहर भेजो, तो वो भी इसकी हिम्मत नहीं जुटा पाएंगे। क्योंकि कानून व्यवस्था ही नहीं, समाज की मानसिकता से भी ये लोग परिचित हैं। फिर भी जनता को गुमराह करने के लिए ऐसे दावे करते हैं। अभी केंद्र सरकार ने लड़कियों की शादी की उम्र 18 से बढ़ाकर 21 करने का जो फैसला लिया है, उस पर भी जिस तरह के बयान आने लगे हैं, उससे समाज की मानसिकता का पता चल जाता है। वैसे मुद्दा केवल महिलाओं की सुरक्षा ही नहीं है, उन्हें हर तरह से पुरुषों के बराबर खड़ा करने के लिए माहौल बनाने का भी है। यानी पढ़ाई, नौकरी, व्यवसाय, राजनीति में प्रतिनिधित्व हर तरीके से महिलाओं को बराबरी का दर्जा मिलना चाहिए।

इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए टीम का किया ऐलान

नई दिल्ली। इंग्लैंड के सिलेक्टर्स ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले महीने होने वाली 5 मैचों की टी-20 सीरीज के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। वेस्टइंडीज दौरे के लिए इंग्लैंड की 16 सदस्यीय टीम का ऐलान किया गया है। इसमें दो अनकैप्ड खिलाड़ी भी शामिल हैं। टीम की कमान इयोन मोर्गन को सौंपी गई है। बाएं हाथ के पेसर और अनकैप्ड डेविड पायने को पहली बार टीम में जगह मिली है। उनके अलावा जॉर्ज गार्टन दूसरे अनकैप्ड खिलाड़ी हैं, जिन्हें टीम में जगह दी गई है। पॉल कॉलिंगवुड को 22-30 जनवरी तक बारबाडोस में खेली जाने वाली पांच मैचों की टी-20 सीरीज के लिए टीम का हेड कोच नियुक्त किया गया है। टीम में 11 खिलाड़ियों को जगह मिली है, जिन्होंने पिछले महीने नवंबर में टी-20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया था। 30 साल के पायने को इस साल की शुरूआत में इंग्लैंड की वनडे टीम में चुना गया था। पाकिस्तान के खिलाफ हुई सीरीज में उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला था। डेविड मलान, जॉनी बेयरेस्टो, जोस बटलर, मार्क वुड, क्रिस वोक्स, टॉम कुरेन और डेविड मिली टी-20 टीम में शामिल नहीं हैं। पॉल कॉलिंगवुड ने कहा,' हमने ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप से पहले तैयारी शुरू करते हुए कुछ सीरियस बैटिंग पावर और बैलेंस अटैक के साथ एक मजबूत टीम का चयन किया है। वर्ल्ड कप में एक साल ले भी कम का समय बचा है और एशेज टीम में शामिल खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में टीम के लिए अवसरों में बढोतरी होगी। इयोन मोर्गन(कप्तान), मोईन अली, सैम बिलिंग्स, लियाम डॉसन, जॉर्ज गार्टन, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन, साकिब महमूद, टाइमल मिल्स,डेविड पायने, आदिल राशिद, जेसन रॉय, फिल साल्ट, रिस टोपली, जेम्स विंस।

भारत ने यूएई के सामने रखा 283 रन का लक्ष्य, हरनूर सिंह ने जड़ी सेंचुरी

नई दिल्ली। सलामी बल्लेबाजा हरनूर सिंह (120) के शानदार शतक की बदौलत भारत ने गुरुवार को यहां एशिया अंडर-19 एशिया कप 2021 के पहले दिन अपने पहले मैच में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ पांच विकेट के नुकसान पर 282 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया।

टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरे भारत ने हरनूर के शतक और कप्तान यश धुल के अर्धशतक की बदौलत नर्धारित 50 ओवर में पांच विकेट खो कर 282 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। हरनूर ने 11 चौकों की मदद से 130 गेंदों पर 120, जबकि यश ने चार चौकों की मदद से 68 गेंदों पर 63 रन बनाए। इसके अलावा ऑलराउंडर राजवर्धन हैंगरगेकर ने छह चौकों और दो छक्कों की मदद से 23 गेंदों पर 48 रन की तूफानी पारी खेली और शाइक रशीद ने 35 रन का योगदान दिया।

भारतीय टीम को पहला झटका जल्दी लगा। पांच रन के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज अंगक्रिश रघुवंशी का विकेट गिरा, लेकिन अन्य सलामी बल्लेबाज हरनूर ने शानदार तरीके से बल्लेबाजी करते हुए शाइक रशीद के साथ मिल कर दूसरे विकेट के लिए 90 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की, जिसने बड़े स्कोर की नींव रखी। 95 के स्कोर पर रशीद के रूप में हालांकि भारत का दूसरा विकेट गिर गया, लेकिन इसके बाद इससे भी बड़ी साझेदारी हुई। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए कप्तान यश धुल ने हरनूर के साथ मिल कर तीसरे विकेट के लिए 120 रन जोड़े।

इस बीच 215 के स्कोर पर हरनूर आउट हो गए। उनकी जगह बल्लेबाजी करने आए निशांत सिंधु भी कुछ नहीं कर पाए और बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए, लेकिन इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरे राजवर्धन ने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी की और 23 गेंदों पर 48 रन की धुआंधार पारी खेली, जिसकी बदौलत भारत 282 के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचा। यूएई की ओर से कप्तान अलिशान शराफु ने पांच ओवर में 44 रन देकर दो, जबकि अफजल खान ने एक विकेट लिया।

बॉक्सिंग डे टेस्ट का काउंटडाउन शुरू, विराट कोहली ने साउथ अफ्रीका को चेताया

नई दिल्ली। टीम इंडिया के टेस्ट टीम के कप्तान विराट कोहली ने बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले साउथ अफ्रीका टीम को चेताया है। विराट कोहली ने ट्विटर पर तीन तस्वीरें पोस्ट की हैं। इसमें वो खुद बैटिंग प्रैक्टिस करते हुए नजर आ रहे हैं। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होने में 3 दिन बचे हैं। भारत 26 दिसंबर से सेंचुरियन में मेजबान टीम के खिलाफ पहला टेस्ट मैच खेलेगा। विराट कोहली के लिए सीरीज काफी महत्वरपूर्ण है। वनडे से कप्तानी छीनने के बाद उनकी कोशिश होगी कि वो सीरीज जीतकर खुद की लीडरशिप साबित करें।

विराट कोहली ने गुरुवार को तीन तस्वीरें ट्वीट की। पहली दो तस्वीरों में बैटिंग करते नजर आ रहे है। वहीं तीसरी तस्वीर में वो साथी खिलाड़ियों के साथ फील्डिंग की प्रैक्टिस करते दिख रहे हैं। विराट के साथ इस तस्वीर में चेतेश्वर पुजारा, नवदीप सैनी, ऋद्धिमान साहा भी नजर आ रहे हैं। उन्होंने तस्वीर शेयर करते हुए कुछ स्माइली पोस्ट की। टीम इंडिया की बात करें तो उसने आज तक साउथ अफ्रीका में आज तक कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीती है। भारत ने साउथ अफ्रीका में सिर्फ तीन टेस्ट जीते हैं।

दक्षिण अफ्रीका में विराट का बल्ला खूब रन उगलता है। उन्होंने साउथ अफ्रीका में 55.80 की औसत से 558 रन बनाए हैं। इसमें 2 शतक शामिल हैं। विराट अपने 71वें इंटरनेशनल शतक को तलाश रहे हैं, जोकि अफ्रीका की धरती पर वो लगा सकते हैं। इसके अलावा कोहली अगर टेस्ट सीरीज के तीनों मैचों में खेलते हैं तो उनके नाम 100 टेस्ट भी हो जाएंगे। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में विराट कोहली टेस्ट में 8000 रन पूरे करने से 199 रन दूर हैं। कोहली के नाम अभी 97 टेस्ट मैचों में 7801 रन हैं।

बीसीसीआई रवि शास्त्री ने विराट कोहली का किया बचाव, सौरव गांगुली पर साधा निशाना

नई दिल्ली। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि विराट कोहली से टीम इंडिया की वनडे कप्तानी वापस लेने वाले मुद्दे को बेहतर तरीके से संभाला जा सकता था। उन्होंने कहा कि विराट कोहली ने अपनी बात स्पष्ट तरीके से सामने रख दी है। अब यहां से चीजों को स्पष्ट करने की जिम्मेदारी बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली की है। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के दौरै पर जाने से पहले वर्चुअल कॉन्फ्रेंस करके सौरव गांगुली के उस बयान का खंडन किया था जिसमें गांगुली ने कहा था कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से कोहली से टीम इंडिया की टी-20 कप्तानी ना छोड़ने का अनुरोध किया था। विराट कोहली ने गांगुली के दावे को खारिज करते हुए कहा कि उनसे कप्तानी छोड़ने को लेकर किसी ने कोई अनुरोध नहीं किया था। बल्कि उनके टी-20 कप्तानी छोड़ने के ऐलान को अधिकारियों ने बहुत बेहतर तरीके से लिया था और इसे एक प्रगतिशील कदम करार दिया था। रवि शास्त्री ने इंडियन एक्सप्रेस के ई-अड्डा में कहा,' विराट ने कहानी का अपना पक्ष बताया है। इस पर बोर्ड अध्यक्ष (सौरव गांगुली) को अपनी कहानी का पक्ष रखने की जरूरत है। अच्छी बातचीत से स्थिति को और बेहतर तरीके से संभाला जा सकता था।' हालांकि शास्त्री ने रोहित शर्मा को नया वनडे कप्तान बनाने का सपोर्ट किया।

उन्होंने कहा,' रोहित शर्मा अभी टी-20 कप्तान हैं। उन्हें सफेद गेंद का कप्तान होना चाहिए। एक बार जब विराट ने कहा कि वह टी-20 का नेतृत्व नहीं करना चाहते हैं, तो यह रोहित के लिए खुल गया। उन्हें सफेद गेंद का कप्तान होना चाहिए।' हालांकि शास्त्री ने विराट कोहली को सर्वश्रेष्ठ टेस्ट कप्तान बताया। उन्होंने कहा,'बिना किसी संदेह के विराट कोहली को टेस्ट कप्तान चाहिए। देखिए उन्होंने क्या किया है। दुनिया का कोई भी कप्तान इस तरह के जुनून के साथ आगे नहीं बढ़ता है।' उन्होंने स्वीकार किया कि विराट को खुद में काफी हद तक देखते हैं।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में अनोखा रिकॉर्ड बना सकते हैं ऋषभ पंत, धोनी को पीछे छोड़ने के लिए करने होंगे 3 शिकार

नई दिल्ली। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट मैच 26 दिसंबर से सेंचुरियन में खेला जाएगा। टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के पास इस टेस्ट में धोनी का रिकॉर्ड तोड़ने का मौका होगा। ऋषभ पंत को न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में रेस्ट दिया गया था। उनकी जगह ऋद्धिमान साहा को विकेटकीपर के तौर पर खिला गया था। साहा ने मुंबई में कीवी टीम के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में महत्वपूर्ण फिफ्टी जड़ी थी। लेकिन पंत के प्रदर्शन को देखते हुए उनका पहले टेस्ट में खेला जाना लगभग तय है।

पंत ने अभी टेस्ट में 97 शिकार किए हैं। इसमें 89 कैच और 8 स्टंपिंग है। पंत धोनी को पीछे छोड़कर अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं। अगर पंत पहले टेस्ट में तीन शिकार कर लेते हैं, तो वो भारत की तरफ से टेस्ट में सबसे जल्दी 100 शिकार करने वाले विकेटकीपर बन जाएंगे। 24 साल के पंत भारत की तरफ से 25 टेस्ट खेल चुके हैं। धोनी ने 36 टेस्ट मैचों में 100 शिकार किए थे। अगर पंत सेंचुरियन में लैंडमार्क तक पहुंचने में सफल रहते हैं, तो वो धोनी ने 10 टेस्ट मैच पहले ये रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगे।

पिछले एक साल में पंत ने बल्ले और विकेट के पीछे शानदार प्रदर्शन किया है। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने कुछ जबरदस्त पारियां खेली। हालांकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पंत का ये पहला टेस्ट होगा। भारत ने साल 2019 के आखिरी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेली थी। लेकिन पंत की जगह ऋद्धिमान साहा को विकेटकीपर के तौर पर खिलाया गया। भारत ने साउथ अफ्रीका में आज तक सिर्फ तीन टेस्ट मैच जीते हैं। भारतीय टीम अभी तक कोई भी टेस्ट सीरीज साउथ अफ्रीका में नहीं जीत पाई है।

आखिरी गेंद पर जीतने के लिए चाहिए थे 6 रन, न्यूजीलैंड के पेसर ट्रेंट बोल्ट ने सिक्स जड़कर टीम को दिलाई जीत

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने गुरुवार को घरेलू टूनार्मेंट में बल्ले से धमाका किया। उन्होंने ड्रीम 11 सुपर स्मैश के मुकाबले में अपनी टीम को आखिरी बॉल पर सिक्स जड़कर जीत दिलाई। नॉर्दन नाइट्स को आखिरी बॉल में जीतने के लिए 6 रन चाहिए थे और बोल्ट क्रीज पर मौजूद थे। बोल्ट ने सिक्स जड़कर जैसे ही जीत दिलाई, नॉर्दन नाइट्स के ड्रेसिंग रूम में मौजूद खिलाड़ियों ने जश्न मनाना शुरू कर दिया। विपक्षी टीम को विश्वास नहीं हुआ कि बोल्ट ने उनके जबड़े से जीत छीन ली है। वो हार के बाद काफी मायूस दिखे। नॉर्दन नाइट्स को 20 ओवर में जीतने के लिए 108 रन चाहिए थे। एक समय टीम ने 98 रन पर 6 विकेट खो दिए थे और वो संघर्ष कर रहे थे। बोल्ट जब बैटिंग करने आए तब 19.2 ओवर में टीम का स्कोर 8 विकेट पर 100 रन था। लेकिन आखिर में बोल्ट मैच का रुख अपनी टीम की तरफ मोड़ने में सफल रहे। बोल्ट ने दो गेंदों में नाबाद 7 रन बनाए। कैंटरबरी आखिर ओवर में 8 रनों का बचाव नहीं कर पाई। पहले कैंटरबरी किंग्स की टीम 17.2 ओवर में कुल 107 रन पर ऑलआउट हो गई। कैंटरबरी की तरफ से हेनरी निकोल्स ने 21 गेंदों में 3 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 35 रन बनाए। लेकिन इसके बाद कोई भी बल्लेबाज 15 रन के पार नहीं जा सका। नॉर्दर्न ब्रेव के लिए जो वॉकर ने 3 विकेट लिए, जबकि ईश सोढ़ी, अनुराग आमिर और ट्रेंट बोल्ट ने 2-2 विकेट लिए। इस जीत के साथ नॉर्दन नाइट्स 5 मैचों में 14 प्वॉइंट के साथ टॉप पर आ गई है। कैंटरबरी प्वॉइंट टेबल में तीसरे नंबर पर हैं।

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी ने किया खुलासा, बाबर आजम को कप्तान बनाने के पक्ष में नहीं थे

नई दिल्ली। बाबर आजम पाकिस्तान क्रिकेट टीम की तीनों फॉमेटों में कप्तानी संभाल रहे हैं। उनकी अगुवाई में पाकिस्तान ने भारत को वर्ल्ड कप में पहली बार हराया। इसके अलावा उनकी कप्तानी में हाल ही में समाप्त हुए टी-20 वर्ल्ड कप में लीग चरण में सारे मुकाबले जीते थे। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने खुलासा किया कि आजम को पाकिस्तानी टीम के कप्तान होने के पक्ष में नहीं थे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी टीम का कप्तान होने के नाते काफी दबाव होता है। उन्होंने सोचा था कि दबाव से आजम की बल्लेबाजी पर नेगेटिव असर पड़ेगा। शाहिद अफरीदी ने समा टीवी से बातचीत में कहा,'ह्यमुझे डर था कि बाबर आजम पर बहुत दबाव होगा। पाकिस्तान टीम की कप्तानी कोई मजाक नहीं है। कप्तान होने के नाते मीडिया और खिलाड़ियों को संभालने की जरूरत होती है। कप्तान को पीसीबी और चयन समिति से भी बात करने की जरूरत है।

सचिन तेंदुलकर ने बताया, रविचंद्रन अश्विन की किस क्वालिटी से हैं बहुत ज्यादा इम्प्रेस

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भारत के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की तारीफ करते हुए उन्हें भारत का स्ट्राइक स्पिनर कहा। उन्होंने कहा कि अश्विन ने अपने वेरिएशन्स के जबरदस्त उपयोग से उन्हें प्रभावित किया है, जिसे उन्होंने अक्टूबर में यूएई में हुए टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान आजमाया था। अश्विन को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में नहीं खिलाया गया था, लेकिन उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भारत ने खिलाया। अश्विन भारत की तरफ से सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वालों की सूची में तीसरे नंबर पर हैं।बोरिया मजूमदार के शो बैकस्टेज विद बोरिया में सचिन ने कहा,' अश्विन का अनुभव और जिस तरह से वो अपनी वेरिएशन्स का उपयोग करने में सक्षम हैं। उन्होंने वास्तव में मुझे प्रभावित किया है और हमारे पास जयंत हैं, जो अश्विन के बैकअप गेंदबाज हैं, जो(अश्विन) टेस्ट में हमेशा हमारे स्ट्राइकर हैं। लेकिन उन्होंने टी-20 वर्ल्ड कप में भी अच्छा प्रदर्शन किया है और हमें जबरदस्त विविधता दिखाई है।' सचिन ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ आगामी तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारत के गेंदबाजी आक्रमण की सराहना की।

उन्होंने कहा,'ये एक बैलेंस अटैक है और हमारे पास जितने तेज गेंदबाज हैं, वे सभी अलग-अलग प्रकार के तेज गेंदबाज हैं। बुमराह एक अलग तरीके के गेंदबाज हैं। सिराज एक शानदार गेंदबाज के रूप में डेवलप हुए हैं। शार्दुल आगे गेंद को स्विंग करना पसंद करते हैं। आपके पास उमेश हैं। इशांत का अनुभव काम आएगा और यह सब उस दिन पर भी निर्भर करता है कि कौन फिट भी है। क्योंकि हमने जितने मैच खेले हैं और उतनी चोटें भी आई हैं। कुछ स्पिनर हैं जो चोटों के कारण टीम के साथ नहीं हैं। लेकिन यह गेंदबाज की लय को समझने के बारे में भी है। यदि कोई गेंदबाज अच्छा खेल रहा है तो उसे आदर्श रूप से जितना हो सके उतना खेलना चाहिए। और जो मैंने देखा है उसके हिसाब से हमारे गेंदबाजी आक्रमण में 20 विकेट लेने की आग है।'

सनराइजर्स हैदराबाद से जुड़े ब्रायन लारा-डेल स्टेन, मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद ने वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज डेल स्टेन को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 से पहले गुरुवार को अपने सहयोगी स्टाफ में शामिल किया। आईपीएल के दौरान अमूमन कमेंट्री करने वाले लारा सनराइजर्स के कोचिंग विभाग में अपनी भूमिका निभाएंगे। उन्हें रणनीतिक सलाहकार और बल्लेबाजी कोच बनाया गया है। टीम ने सोशल मीडिया के जरिए इसकी घोषणा की।

सनराइजर्स सहित कई अन्य आईपीएल टीमों की तरफ से खेल चुके स्टेन को तेज गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया है। उन्होंने इस साल के शुरू में संन्यास लेने की घोषणा की थी। श्रीलंका के दिग्गज मुथैया मुरलीधरन स्पिन गेंदबाजी कोच बने रहेंगे। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर टॉम मूडी की मुख्य कोच के रूप में वापसी हुई है। ऑस्ट्रेलिया के ही ट्रेवर बेलिस ने 2021 सीजन के बाद मुख्य कोच का पद छोड़ दिया था। मूडी पिछले सीजन में सनराइजर्स के क्रिकेट निदेशक थे। भारत के पूर्व बल्लेबाज हेमांग बदानी को फील्डिंग कोच बनाया गया है।

पंजीकरण ना कराने वाले गल्ला व्यापारियों से हर महीने 10 हजार की अवैध वसूली

समिति निरीक्षक ने कुरावली की मंडी में फैलाया अवैध वसूली का जाल

अखंड भारत संदेश

कुरावली/मैनपुरी। कस्बे की उपमंडी के समिति निरीक्षक द्वारा नगर में अवैध वसूली का जाल फैलाया गया है। मंडी समिति में पंजीकरण ना कराने वाले करीब 150 व्यापारियों से कारोबार करने की एवज में समिति निरीक्षक प्रतिमाह 10 हजार रुपये महीनेदारी वसूल रहे हैं।

मंडी निरीक्षक के काले कारनामों की फेहरिस्त यहीं पर खत्म नहीं होती। उपमंडी के अंदर गेट पास के नाम पर वाहन वालों से भी कई बरस से बेखौफ लूट का खेल चल रहा है। नगर में करीब 200 के लगभग गल्ला व्यापारी

मंडी के अधीन करीब 150 व्यापारियों से चल रहा अवैध वसूली का खेल

हैं। ये सभी नगर के जीटी रोड स्थित उप मंडी के अधीन हैं। इनमें से केवल 20 व्यापारियों ने ही मंडी में पंजीकरण कराया है। पंजीकरण कराने वाले व्यापारियों को छोड़कर बाकी 180 कारोबारी भी व्यापार कर रहे हैं। गल्ला की खरीद फरोख्त, लोडिंग, अनलोडिंग भी इनके यहां पर जमकर हो रही है। लेकिन मंडी समिति के यहां पर ऐसे व्यापारी अवैध है। लेकिन यह व्यापारी लगातार बढ़िया व्यापार कर रहे हैं। जी हां इनके व्यापार करने पर भी मंडी निरीक्षक की मेहरबानी है। इन अवैध व्यापारियों ने मंडी में पंजीकरण नहीं कराया है। इतना जरुर है इन व्यापारियों ने मंडी निरीक्षक के यहां पर पंजीकरण कराया लिया है। मंडी निरीक्षक को नगर के एक गल्ला व्यापारी दस हजार से पन्द्रह हजार रुपया दे रहा है। सीधी सी बात है। एक से दस हजार तो बिना पंजीकरण के व्यापार करने वाले 150 से ज्यादा है। मंडी में लाखो के वारे न्यारे हो रहे हैं।

भाजपा से अनुजेश प्रताप यादव ने करहल विधानसभा से प्रत्याशी बनकर मजबूत दावेदारी की पेश

अखंड भारत संदेश

मैनपुरी करहल। पूर्व सांसद बदायू धर्मेंद्र यादव के बहनोई अनुजेश प्रताप यादव का करहल विधानसभा से भाजपा की तरफ से सबसे मजबूत चेहरा उभर कर आया सबके सामने ओर अनुजेश प्रताप यादव की माँ उर्मिला यादव भी कई बार विधायक रह चुकी है और वही अनुजेश यादव की पत्नी ओर पूर्व सांसद की बहन संध्या यादव उर्फ बेबी मैनपुरी से जिला पंचायत अध्यक्ष भी रहे चुकी हे। ओर जातीय समीकरण के हिसाब से अनुजेश यादव की दावेदारी सबसे मजबूत देखने मे लग रही है ओर करहल विधान सभा से भाजपा से मजबूत स्थिति मे दिख रही अनुजेश यादव की दावेदारी करहल विधान सभा मे यादव वोटरों की संख्या लगभग 125 लाख के करीब मानी जाती हे ओर वही पर दूसरे स्थान पर करहल विधान सभा मे दूसरे स्थान पर शाक्य वोटरों की गिनती मानी जाती हे ओर वही पर अनुजेश यादव शाक्य वोटरो मे अच्छा तालमेल रखते ओर अच्छी पेठ रखने मे माहिर हे अनुजेश यादव के नाम को सुनकर करहल की जनता का भी यही मनना हे कि अनुजेश यादव से बेहतर नही दिख रहा ऐसा ही नही करहल मे अनुजेश प्रताप यादव की बेहद ही लोकप्रिय छवि जनता को लुभाती हुई नजर आ रही ।

छोटे वाहनों से गेट पास के नाम पर वसूली

अखंड भारत संदेश

मंडी के अंदर आलू या लहसुन को लोड करने के लिए जैसे ट्रक जाते है। ठीक उसी प्रकार से छोटे बाहन भी जाते है। लेकिन मंडी के अंदर ट्रको का गेट पास के नाम पर पर्ची काट दी जाती है। लेकिन छोटे बाहन के चालको के अवैध वसूली करके ही गेट पास दिया जा रहा है। मंडी में यह काम सालो से चल रहा है।

कुरावली के युवक का भी भरपूर सहयोग

कस्बा के बाईपास के रहने वाले युवक का मंडी निरीक्षक को भरपूर सहयोग मिल रहा है। यह युवक पिछले समय में इसी मंडी में तैनात था। लेकिन अब यह किसी अन्य मंडी में चला गया। दूसरी मंडी के चले जाने के वाद भी युवक का मंडी के सभी कामो में हस्तक्षेप रहता है। कुछ गल्ला व्यापारियों से यह युवक भी वसूली कर रहा है।

क्या बोले एडीएम मैनपुरी....

मंडी निरीक्षक के द्वारा गल्ला व्यापारियों से अवैध बसूली करने का मामला सज्ञान में नही है। अगर बसूली की जा रही है। तो पूरे मामले में जांच कराई जाएगी। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा। उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।रामजी लाल मिश्र एडीएम मैनपुरी।

क्रिसमस और न्यू ईयर के कार्यक्रमों पर सीएम योगी ने जारी किया आदेश

लखनऊ। क्रिसमस और नए साल के जश्न के मद्देनजर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना संक्रमण के प्रसार को देखते हुए प्रदेश में सख्ती बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी ने कहा संक्रमण को मात देने के लिए सजगता के साथ सतर्कता जरूरी है। ऐसे में सार्वजनिक स्थानों जैसे मॉल, सिनेमाघर, होटल, कैफे व भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अधिक सतर्कता बरती जाएगी। क्रिसमस और नए साल के जश्न में आयोजित होने वाली पार्टियों में कोविड प्रोटोकाल, सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क अनिवार्य होगा। कोरोना के डेल्टा व ओमिक्रान वैरिएंट को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के सभी डीएम को अलर्ट जारी किया जा चुका है। यूपी

की सीमाओं पर सुरक्षा और सतर्कता के दायरे को बढ़ाते हुए प्रदेश में आने वाले हर यात्री की जांच पर जोर दिया जा रहा है वहीं, प्रदेशवासियों को नए वायरस के प्रकोप से बचाने के लिए तेजी से टीकाकरण किया जा रहा है। ऐसे में प्रदेश में स्वास्थ्य विशेषज्ञों की टीम के सुझावों को ध्यान में रखते हुए सरकारी और गैर सरकारी अस्पतालों में नई गाइडलाइन के तहत सभी इंतजामों को पुख्ता करने के निर्देश दिए गए हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार कोरोना संक्रमण के नए वैरिएंट के विरूद्ध टीकाकरण एक महत्वपूर्ण हथियार है। ऐसे में प्रदेश सरकार प्रदेशवासियों को जल्द से जल्द टीका कवच देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए यूपी में टीकाकरण की रफ्तार को बढ़ाने पर सरकार जोर दे रही है। प्रदेश सरकार के प्रयासों के सफल परिणाम देखने को मिल रहे हैं। दूसरों प्रदेशों की तुलना में अब तक 19 करोड़ से अधिक टीकाकरण कर यूपी सर्वाधिक टीकाकरण करने में देश में पहले पायदान पर है। यूपी में 19 करोड़ से अधिक लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। वहीं तेलागंना में 04 करोड़ से अधिक, राजस्थान में 07 करोड़ से अधिक, महाराष्ट्र में 12 करोड़ से अधिक, असम में 03 करोड़ से अधिक और दिल्ली में 02 करोड़ से अधिक ही टीकाकरण हो पाया है।

चुनाव से ठीक पहले चौधरी चरण सिंह के लिए भारत रत्न मांग अखिलेश यादव साध रहे कौन सा गणित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दल तैयारियों में जुटे हैं। इसबीच यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बड़ा दांव खेलते हुए किसान दिवस के मौके पर पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के लिए भारत रत्न की मांग कर डाली है। चुनाव से ठीक पहले अखिलेश की इस मांग के राजनीतिक निहितार्थ क्या हैं और अखिलेश की इस मांग का चुनाव पर क्या असर पड़ सकता है, इसे समझने की कोशिश करते हैं।चौधरी चरण सिंह को किसानों के मसीहा के तौर पर जाना जाता है। कई इतिहासकारों ने चौधरी को 'भारत के किसानों का चैंपियन' तक कहा है। जुलाई 1979 से जनवरी 1980 तक देश का प्रधानमंत्री रहते हुए चौधरी चरण सिंह ने किसानों के जीवन और उनकी स्थिति को बेहतर बनाने के लिए कई अहम नीतियां बनाईं।

अयोध्या भूमि घोटाले में यूपी सरकार के जांच के आदेश महज दिखावा : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने गुरुवार को कहा कि अयोध्या भूमि घोटाले में उत्तर प्रदेश सरकार का जांच का आदेश महज दिखावा है, साथ ही उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से मामले में हस्तक्षेप का अनुरोध किया। प्रियंका ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सुप्रीम कोर्ट को मामले पर स्वतः संज्ञान लेना चाहिए और हस्तक्षेप करना चाहिए क्योंकि अयोध्या में राम मंदिर उसके आदेश के बाद बनाया जा रहा है। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि उनके नेताओं ने लूट मचा रखी है और वे लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिले के अधिकारियों द्वारा मामले की जांच महज दिखावा है। राज्य सरकार ने भाजपा नेताओं और सरकारी

अधिकारियों के रिश्तेदारों द्वारा अयोध्या में राम मंदिर के पास कथित तौर पर जमीन हड़पने की खबरों की जांच के आदेश दिए हैं।इस मामले पर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव (सूचना) नवनीत सहगल ने बुधवार को कहा था कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजस्व विभाग को मामले की गहनता से जांच करने का आदेश दिया है। एक खबर में दावा किया गया है कि राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद में उच्चतम न्यायालय के फैसले से राम मंदिर के निर्माण का रास्ता साफ होने के बाद अयोध्या में विधायकों, महापौरों और आयुक्त, एसडीएम तथा पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) के रिश्तेदारों ने जमीन खरीदीं।

40 साल बाद पाकिस्तान से आई मुन्नी की खबर, परिवार मिलने को बेकरार

संभल। 40 साल पहले गायब हुई सरायतरीन की मुन्नी की पाकिस्तान के करांची में होने की खबर आई तो परिजनों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। सरायतरीन के हिजड़ान मुहल्ले की मुन्नी अब करांची में बुसरा के नाम से जानी जाती है और वहीं पर अपने नए परिवार के साथ रह रही है। मुन्नी की सच्चाई सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद परिजनों को यह पता चला कि वह मौसा की करतूत के कारण ही पाकिस्तान तक जा पहुंची। भाइयों के साथ ही परिवार के दूसरे सदस्य रोजाना मुन्नी से बतिया रहे हैं और पूरा परिवार अब एक बार मुन्नी से मिलने के लिए बेकरार है। संभल के सरायतरीन के मुहल्ला हिजड़ान निवासी छिद्दन की बेटी मुन्नी को 40 साल पहले 1981 में उसका मौसा दिल्ली लेकर गया था। वहां उसे कुछ लोगों के हाथ बेच दिया। मुन्नी किसी तरह उस गिरोह के चंगुल से निकलकर हरियाणा पहुंच गई। जहां वह दूसरे मानव तस्करी गिरोह के हत्थे चढ़ गई। इस गिरोह ने मुन्नी को सीमा पार कराकर पाकिस्तान पहुंचा दिया। जहां करांची में उसका निकाह शहजाद हैदर के साथ कराने के बाद नाम बुसरा रख दिया गया। मुन्नी उर्फ बुसरा का घर पाकिस्तान में ही बस गया।

हंगामे के बीच कर्नाटक विधानसभा ने धर्मांतरण विरोधी विधेयक को दी मंजूरी, बैकफुट पर नजर आई कांग्रेस

बेंगलुरू। कर्नाटक विधानसभा ने गुरुवार को विपक्ष के हंगामे के बीच "कर्नाटक धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार का संरक्षण विधेयक, 2021" पारित कर दिया। विधेयक पास होने के बाद कर्नाटक सरकार के मंत्री अश्वत नारायण ने कहा कि यह एक बहुप्रतीक्षित विधेयक है जो समाज में सद्भाव पैदा करेगा। उन्होंने कहा, ह्यह विधेयक पारदर्शिता और जवाबदेही की सुविधा प्रदान करेगा। यह एक दूरदेशी विधेयक है जो वर्तमान में सामना की जा रही कई चुनौतियों का समाधान करेगा। विधेयक पर चर्चा के दौरान, विपक्षी कांग्रेस बसवराज बोम्मई के नेतृत्व वाली सरकार के सामने बैकफुट

पर नजर आई। बसवराज बोम्मई सरकार ने दावा किया कि मुख्यमंत्री की कुर्सी पर जब सिद्धारमैया बैठे तभी कांग्रेस पार्टी द्वारा इस कानून को लाने की शुरूआत की गई थी। सत्तारूढ़ खेमे ने सदन के समक्ष अपने दावे का समर्थन करने के लिए दस्तावेज भी रखे। इसके बाद कांग्रेस रक्षात्मक मुद्रा में दिखी।

अब नेता प्रतिपक्ष सिद्धरमैया ने सत्तापक्ष के दावे का खंडन किया। हालांकि बाद में विधानसभाध्यक्ष कार्यालय में रिकार्ड देखने के बाद उन्होंने स्वीकार किया कि मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने सिर्फ मसौदा विधेयक को कैबिनेट के सामने रखने के लिए कहा था लेकिन कोई निर्णय नहीं लिया गया था। उन्होंने कहा कि इस प्रकार इसे उनकी सरकार की मंशा के रूप में नहीं देखा जा सकता है।

सिद्धरमैया ने यह भी कहा कि कांग्रेस ने इस विधेयक को 'जनविरोधी, अमानवीय, संविधान विरोधी, गरीब विरोधी और कठोर' बताते हुए पुरजोर विरोध किया। उन्होंने आग्रह किया कि इसे किसी भी वजह से पारित नहीं किया जाना चाहिए और सरकार द्वारा इसे वापस ले लेना चाहिए। विधेयक का जिक्र करते हुए कानून और संसदीय मामलों के मंत्री जे. सी. मधुस्वामी ने कहा कि विधेयक की शुरूआत कुछ बदलावों के साथ कर्नाटक के विधि आयोग द्वारा 2016 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार की सलाह के तहत शुरू की गई थी।

सपा-रालोद की संयुक्त रैली में भीड़ ने तोड़ी बैरिकेडिंग, मंच पर पहुंचने से पहले कई नेता गिरे धड़ाम

अलीगढ़। समाजवादी पार्टी (सपा) और राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) की अलीगढ़ में आयोजित संयुक्त रैली में भीड़ ने बैरिकेडिंग तोड़ दी। इसके चलते मंच पर पहुंचने से पहले ही कई नेता और कार्यकर्ता धड़ाम से नीचे गिर गए। लोगों ने दौड़कर नीचे गिरे नेताओं-कार्यकताओं को उठाया। इसके बाद रैली शुरू हो सकी। बाद में रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने रैली में जुटी भीड़ पर खुशी जताते हुए कहा- 'जितने लोग यहां है, उससे 10 गुना ज्यादा सड़क पर हैं, ये शुभ संकेत है।'

अलीगढ़ के इलगास कस्बे के मंडी रोड पर आयोजित रैली में उन्होंने कहा कि योगी राज मे उत्तर प्रदेश की हालत खराब हो गई है। सीएम योगी और पीएम मोदी मीडिया में कह रहे हैं कि किसान खुशहाल हैं। उनकी आय दोगुनी हो गई है। पीएम मोदी ने 2022 के लिए कहा था कि 7 साल में हम किसानों की आय दुगनी कर देंगे लेकिन आज तक ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने लोगों के बीच सवाल उछाला-'आप ही बताइए, क्या आप की आय दोगुनी हुई है उन्होंने कहा कि किसान दिवस किसानों का दिन है। इलगास चौधरी चरण सिंह की कर्मस्थली है जिसे मिनी छपरौली कहा जाता है। उन्होंने लोगों से पूछा कि जैसे कदम से कदम मिलाकर चौधरी चरण सिंह के साथ वे चलते थे, वैसे ही उनके साथ चलेंगे, उनका साथ देंगे।

जीतनराम मांझी ने अब ब्राह्मण समाज को भोज का न्योता दिया, आने वालों के लिए शर्त भी रखी

पटना। ब्राह्मण समाज के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल करने के बाद से निशाने पर आए बिहार के पूर्व सीएम जीतन राम मांझी ने अब नया दांव चला है। मांझी ने ब्राह्मण समाज के लोगों को अपने घर पर भोजन करने का न्योता भेजा है।

उन्होंने अपने घर भोजन पर आने के लिए एक शर्त भी रखी है। उन्होंने ऐसे ब्राह्मण और पंडितों को ही आने के लिए कहा है जिसने कभी मांस-मदिरा का सेवन नहीं किया हो और चोरी-डकैती में भी शामिल नहीं रहे हों। मांझी ने गुरुवार को इस बारे में एक ट्वीट करते हुए न्योता भेजा है। मांझी ने लिखा कि वैसे ब्राम्हण-पंडित जिन्होंने कभी

मांस-मदिरा का सेवन नहीं किया हो, चोरी-डकैती नहीं की हो वह 27 दिसम्बर 21 को पटना स्थित मेरे सरकारी आवास पर दोपहर 12.30 बजे आएं और दलित-आदिवासी परिवारों के साथ ब्राम्हण-पंडित भोज में शामिल होकर समाजिक एकता का परिचय दें। गुरुवार की दोपहर ही ब्राह्मण समाज के लोग मांझी के पटना स्थित आवास पर भी पहुंचे थे। वहां घर का शुद्धिकरण करने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने घुसने नहीं दिया तो सड़क पर ही बैठकर सत्यनारायण की पूजा की और चूड़ा-दही का भोज किया।

18 दिसंबर को पटना में भुइयां समाज के मंच से जीतन राम मांझी ने ब्राह्मण समाज को लेकर बयान दिया था। उन्होंने ब्राह्मण समाज के लिए गलत भाषा का प्रयोग किया था। उनके इस बयान का वीडियो रविवार को वायरल हुआ तो वार-पलटवार तेज हो गया। इसमें मांझी कहते नजर आए कि दलित समाज में आज कल सत्यनारायण भगवान की पूजा का प्रचलन काफी तेज हो गया है। जगह-जगह ब्राह्मण जाकर सत्य नारायण भगवान की पूजा कराते हैं। इसी दौरान अपशब्दों का भी इस्तेमाल किया। कहा कि वह पूजा करवाते हैं, लेकिन खाना नहीं खाते हैं। कहते हैं कि बाबू, सिर्फ पैसा दे दीजिए। विरोध बढ़ने पर मांझी ने सफाई भी दी। मांझी ने ब्राह्मण की परिभाषा बताई और कहा है कि मैं जिनको अपशब्द बोलता हूं वह ब्राह्मण हैं ही नहीं, वो मांस-मछली खाते हैं, शराब पीते हैं, पढ़ते-लिखते नहीं हैं और हर कुकर्म करते रहते हैं, गलत ढंग से हमारे समाज में पूजा-पाठ कराते हैं, ऐसे ब्राह्मणों को मैं एक बार नहीं, हजारों बार अपशब्द कहूंगा। मांझी ने आगे कहा कि ये ऐसे लोग होते हैं, जो मांस खाते हैं, मदिरा पीते हैं और पूजा भी कराने आते हैं। ये अनुसूचित और दलित टोले में जाकर पूजा के नाम पर पैसे लेते हैं। लेकिन, उस घर का खाना तक नहीं खाते हैं और ना ही पानी पीते हैं।

भाजपा की जाति और धर्म की राजनीति के जाल में न फंसे, मुद्दों के आधार पर डालें वोट : भूपेश बघेल

अयोध्या। उत्तर प्रदेश में रामराज्य की उपमा देकर रावणराज चलाया जा रहा है। भाजपा के नेता चुनाव और वोट की राजनीति के लिए भगवान श्रीराम का नाम लेकर जनता को बरगलाते हैं। भगवान श्रीराम का छत्तीसगढ़ से भी नाता है। राम की माता कौशल्या छत्तीसगढ़ की ही रहने वाली थी। यह बातें गुरुवार को आगामी यूपी विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ पर्यवेक्षक व छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बीकापुर के दशरथपुर में आयोजित कांग्रेस की प्रतिज्ञा रैली को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि श्रीराम छत्तीगढ़ के भांजे हैं। भारत देश की संस्कृति है कि भांजे को पूज्य माना जाता है। मामा चाहे जितने बड़े हों पर भांजे के पैर छूते हैं। मुख्यमंत्री बघेल

ने भाजपा पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र में मोदी व यूपी में योगी सरकार जनता का जमकर शोषण कर रही है। मतदाताओं से आह्वान किया कि वे आगामी प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा की जाति और धर्म की राजनीति के जाल में फंसने के बजाय मुद्दों के आधार पर वोट डालें। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जाति-धर्म की राजनीति में उलझा कर देश को बबार्दी के कगार पर खड़ा कर दिया है। सांप्रदायिक भावनाएं भड़का कर सत्ता हासिल करने में माहिर भाजपा को मुद्दों के आधार पर मतदान कर जवाब दिया जा सकता है और ऐसा करके देश को भी बचाया जा सकता है।

यूक्रेन पर बढ़ रहा तनाव, पुतिन के बयान ने बढ़ाया नाटो देशों पर दबाव; बताया क्या नहीं करेंगे बर्दाश्त

नईदिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन को लेकर रूस और अमेरिका के बीच तनातनी बढ़ती जा रही है। इस बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने

यूक्रेन और नाटो को लेकर अपनी बात रखी है। उन्होंने सालाना प्रेस कांफ्रेस में कहा है कि रूस यूक्रेन या पश्चिमी देशों के साथ संघर्ष नहीं चाहता है लेकिन उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है कि नाटो को पूर्व की ओर विस्तार नहीं करना चाहिए। पुतिन ने कहा है कि रूस को इस महीने अमेरिका को सौंपे गए सुरक्षा प्रस्तावों पर आम तौर पर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। बातचीत अगले साल की शुरूआत में जिनेवा में शुरू होगी। इस डॉक्यूमेंट में कहा गया है कि नाटो को नए सदस्यों को सैन्य गठबंधन में शामिल नहीं करना चाहिए और पूर्व-सोवियत देशों में कोई सैन्य ठिकाना स्थापित नहीं करना चाहिए।

पुतिन ने कहा है कि पूर्व की ओर नाटो का विस्तार नहीं किया जाएगा। गेंद अब उनके पाले में है। उन्हें अब हमें कुछ जवाब देने की जरूरत है। हालांकि उन्होंने कहा है कि कुल मिलाक्र हम इसे एक सकारात्मक प्रतिक्रिया के तौर पर देख रहे हैं। बता दें कि वाशिंगटन ने कहा कि वह चर्चा के लिए तैयार है लेकिन उसने अभी तक मास्को के प्रस्तावों पर विस्तृत प्रतिक्रिया नहीं दी है। यूक्रेन पर रूसी रवैए को लेकर एक्सपर्ट्स का मानना है कि रूस के पास अमेरिका, पश्चिमी देशों और यूक्रेन पर दबाव बनाने के अलावा कोई और रास्ता नहीं है। यह रूस के लिए जीवन या मृत्यु जैसा सवाल है।

अखंड भारत संदेश के लिए (स्वामी श्री योगी सत्यम योग सत्संग समिति) क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूसी प्रयागराज उत्तर प्रदेश 211019 से प्रकाशित एवं विपिन इंटरप्राइजेज 1/6C माधवकुंज, कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम योग सत्संग समिति पी.आर.बी .एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदाई। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा।

UPHIN **29506**

2025 तक बंद हो जाएंगे बेल्जियम के परमाणु संयंत्र

नई दिल्ली। बेल्जियम की सरकार ने फैसला किया है कि 2025 तक देश के सभी सातों परमाणु रिएक्टर बंद कर दिए जाएंगे. हालांकि देश पूरी तरह से परमाणु ऊर्जा को अलविदा नहीं कहेगा. आधुनिक परमाणु टेक्नोलॉजी पर काम चलता रहेगा.इस विषय पर बेल्जियम की गठबंधन सरकार के सदस्य दलों में पूरी रात चली बातचीत के बाद सहमति बनी. समझौते के अनुसार ₹छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों पर करीब 10 करोड़ यूरो का निवेश₹ भी किया जाएगा. देश में 2003 में ही एक कानून बना दिया गया था जिसके तहत परमाणु ऊर्जा को धीरे धीरे पूरी तरह से बंद करना अनिवार्य है। इसकी अंतिम तिथि साल 2025 है. अक्टूबर 2020 में जब मौजूदा सात पार्टियों की मिली जुली सरकार का कार्यकाल शुरू हुआ था तब भी सरकार ने इस लक्ष्य को हासिल करने का वादा किया था. परमाणु ऊर्जा को पूरी तरह से ना नहीं लेकिन इस मुद्दे पर अभी तक गठबंधन में सहमति नहीं बन पाई थी. फ्लेमिश मूल के ग्रीन पार्टी के ऊर्जा मंत्री टिन वान डर स्ट्रैटेन ने पूरी तरह से

परमाणु ऊर्जा का दामान छोड़ देने का सुझाव दिया था लेकिन फ्रांसीसी भाषा बोलने वाली लिबरल एमआर पार्टी के सदस्यों ने उनका समर्थन नहीं किया. एमआर पार्टी का कहना था कि बेल्जियम की परमाणु क्षमता में से कुछ को बाकी रखना चाहिए क्योंकि ऊर्जा की सप्लाई सुनिश्चित रखने के लिए गैस से चलने वाले जिन संयंत्रों की योजना बनाई गई है उनसे बहुत प्रदूषण होगा. सरकारी मीडिया आरटीबीएफ के अनुसार ₹अक्षय और कार्बन-तटस्थ ऊजाओं₹ में निवेश करने पर सहमति बनी है।

इनमें नई पीढ़ी की परमाणु ऊर्जा भी शामिल है. सरकार के एक सूत्र ने बताया कि इस टेक्नोलॉजी में निवेश करने का बजट तैयार भी कर लिया गया है. यूरोपीय संघ में भी सहमति का इंतजार बेल्जियम में दो परमाणु संयंत्र हैं जिनमें कुल सात रिऐक्टर हैं. इन्हें फ्रांस की कंपनी एनजी चलाती है. नए समझौते के बाद बेल्जियम की सरकार को अभी भी यह सोचना बाकी है कि ऊर्जा की सप्लाई में जो कमी आएगी उसे कैसे पूरा किया जाएगा. हो सकता है इस पर फैसला मार्च से पहले ना आए।

भुखमरी की कगार पर इस इस्लामिक मुल्क के 80 लाख लोग, संयुक्त राष्ट्र ने भी खड़े किए हाथ

नई दिल्ली। यूनाइटेड स्टेट ने चेतावनी दी है कि इस्लामिक देश यमन के 80 लाख लोग भूखमरी के कगार पर पहुंच सकते हैं। यूएस का कहना है कि फंड की कमी की वजह से यह हालात बने हैं। बुधवार को यूएन फूड रिलीफ एजेंसी ने चेताते हुए कहा कि उसके पास फंड की काफी कमी है जिसकी वजह से वो यमन के करीब लाखों लोगों तक पहुंचा पाने में सक्षम नहीं है।

जनवरी से, यमन की 80 लाख लोग जो भूखे हैं उन्होंने कम राशन मिलेगा। इसके अलावा 50 लाख वैसे लोग जो भूख से बिल्कुल ही अकाल के कगार पर खड़े हैं उन्हें पूरा राशन मिलेगा। वर्ल्ड फूड प्रोग्राम (मीडिल ईस्ट) की क्षेत्रीय निदेशक कोरिने फ्लेसिचर ने कहा, 'मुश्किल घड़ी की मांग है कि मुश्किल कदम उठाए जाए। हमें अपने सीमित स्त्रोत को देखते हुए प्राथमिकताएं तय करनी होंगी। जो सबसे मुश्किल राज्यों में हैं हम उनपर ज्यादा फोकस कर रहे हैं।

हांगकांग में तियानमेन हत्याकांड का स्मारक हटाया गया

नई दिल्ली। हांगकांग यूनिवर्सिटी के परिसर से तियानमेन हत्याकांड के प्रतीक एक स्मारक को रातोंरात हटा दिया गया. तीन दशक पहले तियानमेन चौक पर लोकतंत्र समर्थक आंदोलनकारियों के खिलाफ हुई कार्रवाई में सैकड़ों लोगों की जान गई थी.दो टन भारी और करीब 26 फुट ऊंची तांबे की एक मूर्ति को हांगकांग यूनिवर्सिटी परिसर से हटा दिया गया. 'पिलर ऑफ शेम' नामक यह स्मारक डेनिश शिल्पकार येन्स गालशिओट ने बनाया था. इसमें करीब 50 लोगों के शरीर एक दूसरे के ऊपर लदे हुए दिखाए गए थे. यह उन छात्रों की याद में बनाया गया था जो जून 1989 में तियानमेन चौक पर चीनी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों के दौरान सेना की कार्रवाई में मारे गए थे।

इस घटना के बाद देश में कम्युनिस्ट पार्टी की सत्ता और मजबूत हुई थी. इसके बाद के सालों में सरकार के क्रूर दमन का लंबा दौर चल पड़ा था. इसी के साथ हांगकांग शहर से उसका आखिरी सार्वजनिक स्मारक भी छिन गया. यूनिवर्सिटी के कुछ लोगों का मानना है कि यह कदम उनकी आजादी का दम घोंटने की कोशिश है। एक छात्र बिली क्वॉक ने कहा, यह एक प्रतीक था कि हांगकांग में अब भी बोलने की आजादी बची है।

यूनिवर्सिटी ने मांग की है कि इस मूर्ति को सुरक्षित रखा जाए क्योंकि उन्हें उस पर ₹कानूनी खतरे₹ होने का अंदेशा है।